हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● गुरुवार ● 18.07.2024 ● वर्ष : 14 ● अंक : 355 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : 3 ~~रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

धनबाद में तीन अखाड़ा कमेटी के लोग भिड़े, पथराव में दर्जनों घायल

धनबाद : मुहर्रम जुलूस निकालने के दौरान धनबाद में 3 कमेटियों के बीच झड़प हो गई। जिसमें दर्जनों लोगों के घायल होने की सूचना है। बताया जा रहा है कि बुधवार की अहले सुबह 3 अखाड़ा कमेटियों के बीच झड़प हुई। जिसमें दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया। फिलहाल घायलों का इलाज चल रहा है। वहीं पुलिस ने एहतियात बरतते हुए मोर्चा संभाल लिया है। सूचना के अनुसार तीनों अखाड़ों के लोग झरिया के कतरास मोड़ के चौथाईकुली से उपरकुली तक उत्पात मचाते रहे। कमिटियों के बीच हुए इस पथराव में एक दर्जन से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। पुलिस ने संदेह के आधार पर कई लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं उनसे पूछताछ की जा रही है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। मुहर्रम को लेकर पुलिस ने पहले से ही तैयारी कर रखी थी। अहले सुबह ही यह घटना होने के बाद पुलिस एक्टिव मोड में आ गई। पुलिस ने इलाके में मोर्चा संभाल लिया है। वहीं हर गतिविधि पर नजर रख रही है। सिंदरी डीएसपी खुद मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने के बाद वहीं कैंप कर रहे हैं।

डोडा मुठभेड़ के बाद घबराया पाकिस्तान अपने इलाके में बढ़ाई लड़ाकू हवाई गश्त

नयी दिल्ली : डोडा के घने जंगलों में आतंकवादियों के घात लगाकर किये गए हमले में एक कैप्टन समेत चार जवानों के बलिदान से एक बार फिर पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक का डर सताने लगा है। यही वजह है कि पाकिस्तान की वायु सेना ने अपनी लड़ाकू हवाई गश्त बढ़ा दी है। जम्मू रीजन में 78 दिन के भीतर 11 आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें 11 जवान शहीद हुए हैं। चार साल से एलओसी पर सीज फायर बरकरार रहने और पीर पंजाल की पहाड़ियों के दक्षिणी ओर आतंकी हमले बढ़ने से खुफिया एजेंसियों पर सवाल उठने लगे हैं। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचेन्द्र कुमार ने डोडा में बलिदान जवानों कैप्टन बृजेश थापा, नायक डी राजेश, सिपाही बिजेन्द्र और सिपाही अजय कुमार सिंह को श्रीनगर में श्रद्धांजलि अर्पित की है।

हेमन्त सोरेन ने नियुक्ति प्रक्रियाओं को लेकर की उच्च स्तरीय बैठक, दिए अहम निर्देश

अपराध नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाएं अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो : सीएम

- आगामी पर्व- त्योहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के अधिकारियों को दिए निर्देश।
- राज्य सरकार की नयी कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सभी प्रक्रियाएं अविलंब पूरी हों।
- राज्य में विधि- व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता।
- राज्य की महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में एक नयी योजना की होने जा रही शुरुआत।

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विधि- व्यवस्था, नई कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, झारखंड आरक्षी एवं झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा समेत चल रही अन्य नियुक्ति प्रक्रियाओं को लेकर वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की । मुख्यमंत्री ने महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए।

हर हाल में विधि व्यवस्था बनी रहनी चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विधि- व्यवस्था बनाए रखना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरे राज्य में भय मुक्त वातावरण बना रहे, इसके लिए अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए सभी ठोस कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि आपराधिक कांडों में शामिल अपराधियों की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें। अपराध नियंत्रण की दिशा में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने आगामी पर्व-त्योहारों के दौरान सुरक्षा-व्यवस्था पुख्ता रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पर्व- त्योहारों के दौरान वैसे असामाजिक तत्वों की विशेष निगरानी की व्यवस्था करें, जो अशांति फैलाने की साजिश रचने की कोशिश करते हैं।

नई योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रियाएं पूरी करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कई नई कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने जा रही है। इसमें 21 से 50 वर्ष तक की महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की एक महत्वपूर्ण योजना भी शामिल है । उन्होंने कहा कि इस योजना को शुरू करने तथा लाभुकों के चयन की सभी प्रक्रियाएं अविलंब पूरी करें, ताकि इस राज्य की महिलाओं को सशक्त करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए मिशन मोड में काम करें। इन कल्याणकारी योजनाओं का परिणाम दिखना चाहिए। हमारी सरकार की योजनाएं यहां की जनता को आगे बढ़ाने के साथ राज्य के विकास को गति देने के लिए है।

नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर दिए अहम निर्देश

मुख्यमंत्री ने बैठक में झारखंड आरक्षी प्रतियोगिता परीक्षा-2023 और झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा-2023 चल रही प्रक्रिया की पूरी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि आरक्षी और उत्पाद सिपाही की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन नियुक्तियों में पूरी पारदर्शिता और गोपनीयता बरती जानी चाहिए। इसमें किसी भी तरह की अनियमितता और गड़बड़ी ना हो, इसे इसे सुनिश्चित करें।

यूनिफॉर्म सर्विसेज की नियुक्ति प्रक्रिया में एकरूपता होनी चाहिए

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस, होमगार्ड, फॉरेस्ट और एक्साइज जैसे यूनिफॉर्म सर्विसेज की नियुक्ति प्रक्रिया में एकरूपता लाने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया । उन्होंने कहा कि यूनिफॉर्म सर्विसेज की नियुक्ति प्रक्रिया में गति लाने के लिए यह काफी जरूरी है। इससे युवाओं को भी यूनिफॉर्म सर्विसेज की होनेवाली प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करने में सहूलियत होगी। इस बैठक में मुख्य सचिव एल.खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह, एडीजी आरके मलिक, एडीजी सुमन गुप्ता, सचिव मनोज कुमार, आईजी प्रभात कुमार एवं आईजी पंकज कंबोज मौजूद थे।

रांची में हुसैन की सदाओं के साथ निकला मातमी जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अलम आया है लेकिन अलबदार नहीं है। या मौला या अब्बास। हुसैन जिंदा है दस्तूर जिंदगी की तरह, शाहिद मरता नहीं आम आदमी की तरह। जिससे रौशन थी मेरी बिनाई, मेरी आंखों का वो सितारा गया। दीन खुदा को आले पयमबर पे नाज है, कुरान की आयतों को उसी घर पे नाज है। ये तो मजलूम का मातम है कम न होगा, हर घर में होगा हर दिल में होगा, ये तो मजलूम का मातम है कम न होगा। इस तरह के नौहा के साथ रांची में शिया समुदाय का मातमी जुलूस बुधवार को निकला।

यह जुलूस शिया आलिम दीन हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी की अगुवाई में निकला। बाद में नमाज जोहर मस्जिद मजलिस जिक्रे शहिदाने कर्बला इमाम हुसैन का आयोजन किया गया। मजलिस में मरसिया खानी अशरफ हुसैन ने किया। मजलिस को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड झारखंड के चेयरमैन और मस्जिद जाफरिया के इमाम एवं खतीब हजरत मौलाना सैयद तहजिबुल हसन रिजवी ने कर्बला के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कर्बला वालों की याद से इंसानियत को जिंदगी मिलती है। कर्बला इंसानियत की दरसागह (स्कूल) का नाम है। आज किसी भी देश में कोई भी धर्म का इंसान हो प्यासे को पानी पिलाना इबादत समझता है लेकिन कर्बला में 72 पियासो को रुला-रुला कर शहीद किया गया।

मौलाना ने कहा कि कर्बला की जंग दुनिया की पहली दहशतगरदाना जंग थी। इसमें शहीद होने वालो में 6 माह का बच्चा अली असगर भी था। कर्बला में हजरत इमाम हुसैन ने चंद घंटों में 71 लाशें उठाई। तीन दिन के भूखे प्यासे इमामे हुसैन को सिमर ने शहीद कर दिया। इसे सुनकर पूरा मजमा रोने लगा। हाय हुसैन, हाय हुसैन की सदा मस्जिद जाफरिया में गूंज उठा। मौलाना ने कहा कि रांची की यह खूबसूरती रही है कि अहले सुन्नत के सैंकड़ों अखाड़े हमारे मातमी जुलूस को अपने बीच से रास्ता देते हैं। मातमी जुलूस मातम करते हुए आगे बढ़ जाती है। मजलिस के बाद तिरंगे के साथ अलम और ताबूत निकाला गया, जिसे विक्रांत चौक पहुंचने पर लोअर बाजार थाना प्रभारी और उनकी टीम ने अलम को सलामी दी।

मुहर्रम हमें सिखाता है अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ना : मंत्री मिथिलेश ठाकुर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गढ़वा : मुहर्रम के मौके पर बुधवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किये गये। विभिन्न गांवों में आयोजित कार्यक्रम में गढ़वा विधायक, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर शामिल हुए। मुहर्रम इंतजामिया कमिटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम जो कि ग्राम दरमी, सिदे, कादरी नगर चमरही, संग्रहे खुर्द, कल्याणपुर, छतरपुर, चरका पत्थर मेराल, बीरबंधा और जिला मुख्यालय स्थित कर्बला के मैदान में हुए कार्यक्रमों में ठाकुर शामिल हुए। इस दौरान कमिटी के लोगों ने मंत्री ठाकुर का स्वागत किया। कमिटी के लोगों ने माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, तलवार देकर एवं तीर-धनुष प्रदान कर मंत्री को सम्मानित किया।

मौके पर मंत्री ठाकुर ने कहा कि मुहर्रम महीने का हर दिन मुस्लिम समुदाय के लिए अहम होता है। इस महीने का 10वां दिन बहुत ही खास माना जाता है। इसी दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत हुई थी। मुस्लिम समुदाय मुहर्रम को गम के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि इमाम हुसैन साहब ने अन्याय, बुराई के विरूद्ध घुटने नहीं टेके। बड़ी से बड़ी ताकतों के आगे वे झुके नहीं। यदि वे हार मान जाते या समझौता कर लेते तो आज इस्लाम का वजूद नहीं रहता। उनसे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। अपने हक अधिकार के लिए हमें बड़ी से बड़ी ताकतों के आगे झुकना नहीं चाहिए। बल्कि आगे बढ़कर अपना हक अधिकार लेना चाहिए। मंत्री ने कहा कि जो लोग समाज को कमजोर करते हैं, अधर्म के रास्ते पर ले जाते हैं, समाज में विभेद पैदा करते हैं वैसी ताकतों से डटकर मुकाबला करना चाहिए।

पश्चिमी सिंहभूम के सारंडा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, हथियार और विस्फोटक बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) के छोटानागरा थाना क्षेत्र अन्तर्गत दोलाईगढ़ा गांव के पास जंगली-पहाड़ी क्षेत्र में प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादियों के नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच बुधवार को मुठभेड़ हुई। इस दौरान सुरक्षा बलों को भारी पड़ता देख नक्सली जंगल और पहाड़ का लाभ उठाते हुए भाग खड़े हुए। सर्च अभियान के दौरान घटनास्थल से हथियार, गोला-बारूद और अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद की गयी है।

मुठभेड़ के बाद चले सर्च ऑपरेशन में एक एसएलआर राइफल, तीन मैगजीन, एक राइफल, एक नाइन एमएम पिस्तौल, 303 की एक मैगजीन, 174 पीस एसएलआर की गोली, 34 डेटोनेटर, एक लैपटॉप चार्जर के साथ नक्सल साहित्य, नक्सल लाल बैनर, 17 पीस बैटरी, एक ब्लैक कारतूस पाउच, सात पीस ब्लैक पिट्ठू बैग, एक नक्सल टोपी, दो नक्सल ग्रीन यूनिफॉर्म, एक काला पटका, तीन मोबाइल चार्जर, पांच चार्जिंग केबल, एक डिजिटल मीटर, तीन पॉलिथीन शीट बडा साइज, 12 टॉर्च, चार छाता, एक पोर्टेबल ब्यूटेन गैस सिलेंडर, सरसों तेल के सात पैकेट, जीवनरक्षक दवाएं और अन्य दैनिक उपयोग के सामान बरामद हुए हैं।

एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, चमन, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है। इनके खिलाफ चाईबासा पुलिस, कोबरा, झारखंड जगुआर एवं सीआरपीएफ की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इस बीच नक्सली संगठन के शीर्ष नेता अनमोल, अजय महतो, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन के दस्ता सदस्यों के साथ कोल्हान-सारंडा क्षेत्र में भ्रमणशील होने की सूचना प्राप्त हुई।

सूचना के बाद टीम जैसे ही पहुंची तो नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। घटना सुबह 5.50 बजे की है। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी फायरिंग की। फायरिंग में खुद को कमजोर पड़ता देख नक्सली जंगल का फायदा उठाकर भाग निकले। सर्च अभियान में भारी मात्रा में हथियार और गोलियां सहित अन्य सामान बरामद किया गया है।

झारखंड में योजनाबद्ध तरीके से मूल निवासियों को अल्पसंख्यक बनाए जाने का चल रहा खेल : शिवराज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री और झारखंड के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड के हटिया विधानसभा क्षेत्र में अभिनंदन सह-विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन नेताओं के स्वागत का नहीं, बल्कि कार्यकताओं के सम्मान का दिन है। भाजपा के कार्यकर्ता नींव के पत्थर हैं। कार्यकर्ताओं से ही पार्टी को मजबूती मिलती है। आने वाले विधानसभा चुनाव में बेईमानों की सरकार को उखाड़ कर फेंकना है और झारखंड को बचाना है।

शिवराज ने कहा कि कार्यकर्ता बहनों और भाइयों, लोकसभा चुनाव की इस विजय के बाद झारखंड के विधानसभा चुनाव में महाविजय का संकल्प लेना है। संकल्प विजय का नहीं महाविजय का और यह जरूरी है। जरूरी इसलिए है कि झारखंड को बचाना है। जनता को तबाही से बचाना है। विजय इसलिए भी जरूरी है कि सरकार में विदेशी घुसपैठिए अवैध घुसपैठ कर रहे हैं और ये सरकार यदि दोबारा आ गयी तो ये मान लेना कि यहां के मूलनिवासी अल्पसंख्यक हो जायेंगे। सोरेन सरकार में योजनाबद्ध तरीके से मूलनिवासियों को अल्पसंख्यक बनाए जाने का खेल चल रहा है। हम वोटों के लालच में झारखंड की अस्मिता के साथ खिलवाड़ नहीं होने दे सकते हैं और खतरा सामने खड़ा है। बचाना है झारखंड को। बचाना है हमारी संस्कृति को। बचाना है हमारे जीवन मूल्यों को। बचाना है हमारी परंपराओं को और इसलिए झारखंड में अब कोई सरकार आएगी तो वह केवल भाजपा की सरकार आएगी।

झारखंड में अपराध चरम सीमा पर

चौहान ने हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सोरेन सरकार ने झारखंड में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा कर दी है। प्रदेश में भ्रष्टाचार की नित्य नयी परिभाषा गढ़ी जा रही है। राज्य में घोटालों और भ्रष्टाचार से जनता त्राहिमाम कर रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड में अपराध भी चरम सीमा पर है। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार साल में 7 हजार 812 हत्याएं हुईं। इनकी सरकार में 7 हजार 115 बलात्कार हुए। शिवराज ने कहा कि झारखंड की धरती पर 6 हजार 937 अपहरण हुए। दंगे 8 हजार 592 हुए। लूट 2 हजार 721 हुईं। डकैती 485 हुई और संज्ञेय अपराध 2 लाख 73 हजार 261 हुए। रुबिका जैसी बिटिया के टुकड़े टुकड़े करके और एक नहीं 50... 50 टुकड़े कर फेंकने का काम इस सरकार में अपराधी करते हैं। इस सरकार को शर्म आनी चाहिए, जो बहनों और बेटियों की इज्जत नहीं बचा सकती। उनका अपमान करती है। इतना ही नहीं इस सरकार में घुसपैठिए जनजाति बेटियों से शादी कर जमीनें हड़प कर हकदार भी बन रहे हैं और उनके नाम से चुनाव तक लड़ रहे हैं।

हेमंत सोरेन ने जेल से बाहर आकर चम्पाई सोरेन का किया पॉलिटिकल मर्डर : हिमंत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : असम सरकार के मुख्यमंत्री एवं झारखंड भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत विस्वा सरमा ने हेमंत सोरेन पर निशाना साधते हुए कहा कि हेमंत सोरेन को जनता का विकास नहीं चाहिए, उन्हें केवल अपनी कुर्सी चाहिए। हेमंत सोरेन ने जेल से बेल पर बाहर आते ही अपनी ही पार्टी के एक योग्य आदिवासी नेता चम्पाई सोरेन का पॉलिटिकल मर्डर कर दिया। हेमंत सोरेन को दूसरा आदिवासी नेता मंजूर नहीं।

हिमंत विस्व सरमा बुधवार को हरमू रांची स्थित स्वागतम बैंक्वेट हॉल में रांची विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मान एवं विधानसभा स्तरीय विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बूथ स्तर से कार्यकताओं के परिश्रम का सम्मान करते हुए कहा कि तीसरी बार मोदी सरकार यह पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकताओं के परिश्रम का ही परिणाम है। उन्होंने कहा कि अभी हमें आराम नहीं करना है। हमें परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है। घर-घर जाना है और हेमंत सरकार की नाकामियों, वादा खिलाफी, भ्रष्टाचार, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार, ध्वस्त विधि व्यवस्था, खान-खनिज और बालू-पत्थर की लूट को उजागर करना है।

हिमंत ने कहा कि चम्पाई सोरेन तो कुछ काम करना शुरू किए थे। जनता की समस्याओं पर ट्वीट करके भी समाधान करा देते थे लेकिन हेमंत सोरेन ने पांच साल में क्या किया? केवल जनता को लूटा। खान-खनिज लूटा और झारखंड में बांग्लादेशियों को बसा रहे। वोट बैंक के लिए उनका संरक्षण दे रहे। हेमंत सरकार ने झारखंड को मिनी बांग्लादेश बना दिया है।

एक नजर

25 जोड़ों ने लिये सात फेरे

बरही : महालक्खी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से प्लस टू उच्च विद्यालय बरही में आयोजित आदर्श विवाह समारोह में 25 जोड़े दुल्हा-दुल्हनों ने एक साथ सात फेरे लेकर जीवन के डोर में बंधे। जिन्हे पूर्व विधायक, बरही व कोबरा 203 के अधिकारी, सामाजिक राजनीतिक कार्यकर्ता सहित सहित सैकड़ों की संख्या में महिला पुरुष ने आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम ट्रस्ट के संचालक और कार्यक्रम के संयोजक अविनाश आर्य चंद्रवंशी के द्वारा आयोजित की गई थी। बाहर से आए ब्राह्मणों की टोली ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच सुमंगली के साथ सिंदूर दान करवाया। विवाह स्थल तालियों की गूंज से उठा। कार्यक्रम देर संध्या तक चलता रहा।

दोनो समुदाय के बीच के विवाद का समाधान शीघ्र निकालूंगा : योगेन्द्र साव

बड़कागांव : 40 साल के महूदी विवाद को भाजपा शासन काल मे सुलझाने का कार्य नहीं किया और अभी उक्त विषय पर विरोधी दल राजनीति कर रहे है परन्तु दोनों पक्ष के विवाद का हल सिर्फ गाँव और स्थानिय ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि के उपस्तिथि मे निकाल लिया जायेगा, पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने महूदी को लेकर कहा। योगेन्द्र साव ने कहा कि आपसी बातचीत और समझ से 40 साल पूर्व के विवाद को खत्म करना आवश्यक है। लड़ाई झगड़ा से समाधान निकाला नहीं जा सकता हैं कुछ ओछी मानसिकता के राजनीतिज्ञ चेहरे बड़कागांव की शांति भाईचारा भंग कर हैं । बाहर से लोग आकर बड़कागांव मे आपसी भाईचारा एवं सौहार्द को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं जिससे आम जनता भी प्रभावित हो रही है ।आगे उन्होंने कहा कि विपक्षी आपसी वैमनस्य का माहौल कर राजनीति रोटी सेकना चाहते हैं जिसे मैं कभी सफल नहीं होने दूंगा और जल्द ही दो समुदाय के बीच बातचीत और आपसी सहमति से विवाद का समाधान निकाला जायेगा ।

मुस्लिम मैरिज में मिलेगा मान्यता प्राप्त मैरिज सर्टिफिकेट : मुफ़्ती जलील

हजारीबाग : हजारीबाग जामा मस्जिद स्थित दारुल कजा में आज बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन हुआ ।बता दें की प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दारुल कजा मैनेजिंग कमिटी के अध्यक्ष इरफान अहमद काजू ने जानकारी देते हुए बताया कि जामा मस्जिद के पेशे इमाम मुफ़्ती अब्दुल जलील साहब को हजारीबाग का शहर काजी नियुक्त किए गयें है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दारुल कजा मैनेजिंग कमिटी के पदाधिकारियों ने फूलो का गुलदस्ता देकर मुफ़्ती अब्दुल जलील साहब को मुबारकबाद दी। बताते चलें कि अब्दुल जलील साहब पिछले 5 वर्षों से हजारीबाग जामा मस्जिद में ईमामत करेत आ रहे हैं। साथ ही दारूल कजा शरीयत के शहर काजी भी दायित्व सम्भाल रहे है। प्रेस को संबोधित करते हुए हजारीबाग के नव नियुक्त शहर काजी ने बताया कि अब मुस्लिम शादियों का सरकार से मान्यताप्राप्त सर्टिफिकेट दिया जाएगा । जिस काजी ने विवाह संपन्न कराया है, वह निकाहनामा जारी कर सकता है जो विवाह प्रमाणपत्र होता है। कानूनी कारणों से , जैसे पासपोर्ट, बैंक खाता खोलना, वीजा, आपातकालीन स्थिति में सहमति आदि के लिए यह सलाह दी जाती है कि मुस्लिम विवाह को विवाह रजिस्ट्रार के पास पंजीकृत कराया जाना चाहिए। निकाहनामा, निकाह या मुस्लिम विवाह का पर्याप्त सबूत है । वहीं इस प्रेस कांफ्रेंस में दारूल कजा के मैनेजिंग कमीटी के अध्यक्ष ईरफान अहमद (काजू) जामा मस्जिद के सदस्य हाजी कौयूम अहमद, रफज ईमाम, मो० शाहिद हाजी नेजाम, मा. साजिद , महताब आलम आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

आवश्यक सेवा का बोर्ड लगाकर की जा रही थी तस्करी, 12 हजार लीटर स्प्रिट बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अवैध स्प्रिट तस्करी को लेकर मिले गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी में निकले सहायक आयुक्त सुनील चौधरी ने पदमा ओपी के सहित एक ट्रक और 407 पर छिपा कर रखे गए 12 हजार दौ सौ लीटर स्प्रिट बरामद किया है। पदमा ओपी के कदमा गांव के समीप छापेमारी हुई और पुलिस से बचने के लिए सड़क किनारे खड़े विभिन्न ट्रकों के बीच इसे छिपाकर रखा गया था। सहायक आयुक्त सुनील चौधरी ने इस बाबत जानकारी देते हुए बताया कि बरामद स्प्रिट का बाजार मूल्य करीब दस लाख रुपये है। इससे आठ गुणा शराब तैयार किया जाता। तस्कर इस स्प्रिट से 300 रुपए प्रति लीटर की दर से दो करोड़ 88 लाख रुपए का शराब तैयार करते। चौधरी ने बताया कि दोनों वाहनों को जब्त कर प्राथमिकी दर्ज की गई है। बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि एनएच 22 से स्प्रिट लदा दो ट्रकों का एक खेप गुजरने वाला है। पिछले तीन दिनों से ट्रक की खेप की प्रतिक्षा में उत्पाद विभाग की टीम सर्च अभियान चला रही थी। बुधवार को दोपहर करीब 12 बजे वाहन गुजरने की सूचना मिली थी। इसके बाद सक्रिय टीम एनएच 22 पर खड़े वाहनों की जांच कर रही थी। इसी क्रम में कदमा गांव के समीप वाहन को पकड़ा गया। चौधरी ने बताया कि बरामद स्प्रिट की एसएफएल जांच कराई जाएंगी। सैंपल को जमा किया गया है। वहीं वाहन चालाक व मालिक पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। छापेमारी में सहायक आयुक्त सुनील चौधरी सहित बरही प्रभारी अमित कुमार, दारोगा भुवनेश्वर कुमार, सुमितेश कुमार सहित अन्य शामिल थे। झारखंड में ग्रेन से बनता है स्प्रिट, यूपी में गन्ना से होता है तैयार, झारखंड के अपेक्षा पड़ता है सस्ता जानकारी के मुताबिक पकड़ी गई स्प्रिट की खेप यूपी की है। यूपी में गन्ना से स्प्रिट तैयार किया जाता है। झारखंड में भी दो स्थानों पर स्प्रिट तैयार करने की फैक्ट्री है, परंतु यह यूपी की अपेक्षा मंहगा है। इसलिए तस्कर यूपी की ओर रुख करते है और स्प्रिट लेकर आने वाले टैंकर से अवैध कटिंग कर इसकी बिक्री की जाती है। जब्त ट्रक में उत्पाद विभाग की टीम ने एक बोर्ड बरामद किया है। जिसमें जिला प्रशासन आवश्यक सेवा रांची , राज्य खाद्य आपूर्ति निगम रांची, गेहूं चावल चतरा लिखा हुआ है। विभाग ने इसे जब्त कर लिया है और इस बाबत भी जांच करेगी कि उपरोक्त नंबर के वाहन एफसीआई में कहां पंजीकृत है। जब्त वाहन का नंबर जेएच 02पी - 5114 है।

मध्य प्रदेश से पलामू पहुंची युवती प्रेमी के घर के बाहर धरना पर बैठी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू: मध्य प्रदेश के इटारसी से अपने कथित प्रेमी को खोजते हुए एक युवती पलामू पहुंच गई है। इस दौरान युवती कथित प्रेमी के घर के बाहर घंटों बैठी रही। बाद में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद युवती को प्रेमी के घर में रखा गया। इधर, प्रेमिका के घर पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद कथित प्रेमी फरार हो गया था। मामला पलामू के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र का है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पलामू के देवरी का निवासी युवक सोनू कुमार कुछ वर्ष पहले नौकरी करने बेंगलुरु गया था। बेंगलुरु में ही सोनू की दोस्ती मध्य प्रदेश के इटारसी की रहने वाली एक लड़की के साथ हुई थी। देखते ही देखते दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई, लेकिन लड़की पहले से शादीशुदा थी। कुछ दिनों तक बेंगलुरु में नौकरी करने के बाद सोनू पलामू के देवरी स्थित अपने घर लौट आया था। पिछले हफ्ते सोनू की शादी हुई है। जब इस बात की जानकारी सोनू की प्रेमिका को मिली तो वह सोनू को ढूंढते हुए पलामू के देवरी पहुंच गई। मंगलवार की शाम सात बजे के करीब युवती सोनू के घर पर पहुंची थी। युवती सोनू के घर के बाहर रात के करीब एक बजे तक बैठी रही। इसकी जानकारी परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी।

आकर्षक ताजिया ने किया लोगों को मोहित तिरंगा निशान के साथ निकला ताजिया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण प्रखंड में असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक मोहर्रम शान्तिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चौपारण के विभिन्न मोहल्ले में आकर्षक ढंग से ताजिया, सिपर निकाला गया। इलाके के खिलाड़ियों द्वारा हैरतअंगेज करतब बेहतरीन ढंग से प्रदर्शन किए गए। कमलवार के ताजिया तिरंगा निशान के साथ शोभा बढ़ा रहा था। शाम को चौपारण के हर इलाके से नारा ए तकबीर, अल्लाहु अकबर, नारा ए रिसालत या रसूलल्लाह, नारा ए हैदरी, या अली, या शहीदे करबला, या हसन या हुसैन का नारा लगाते हुए लोगों का जुलुस बढ़ता रहा, जो चौपारण के मुहल्ले होते हुए करबला तक पहुंचा। वहाँ पर लोगों ने दुआ मांगी और अकीदत के फूल,शीरनी पेश किए। कमलवार में मुहर्रम की दसवीं में अतिथि के रूप में जिला परिषद भाग 2 रवि शंकर अकेला ने संयुक्त रूप ने फीता काटकर लाठी-भाला के खेल का शुभारंभ किया एवं खेल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का आत्मविश्वास भी बढ़ाया। इसके बाद उत्कृष्ट कमेंट्री कर बेलाल आजाद ने जोरदार लाठी-भाला खेल का शुभारंभ करवाया। रवि शंकर अकेला ने कहा कि मुहर्रम का पर्व एक पवित्र त्यौहार है। आपलोग इसे शांति और भाईचारगी के साथ मनाए। लाठी भाला के इस खेल में आपसी भाईचारगी बढ़ाए।कमलवार के खिलाड़ियों का तारीफ विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह, बैजू गहलोत, बीरबल साहू ने जमकर किया। खेल प्रदर्शन देखने के लिए महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और बच्चे भारी संख्या में दिखे। खेल प्रदर्शन के बाद कमरबंधों एवं सभी लोग कर्बला की तरफ रुख मोड़ा एवं उसके बाद फातिया खानी हुई। मौके पर पंसस अतहर हुसैन, गुलबहार अंसारी, परवेज अंसारी, मोहम्मद सरफराज, गुलबहार अंसारी, मोहम्मद सद्दाम, राजू अंसारी, बेलाल आजाद मुख्य रूप से शामिल थे।

मानवता की राह में कुबार्नी सिखाता है मुहर्रम : दीपक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : सच्चाई, इंसानियत और मानवता को जिंदा रखने में हुई शहादत के मर्म को मुहर्रम सिखलाता है। इसी दिन इस्लाम धर्मावलंबियों का अटूट आस्था का समागम देखने को मिलता है। हम समरसता, सद्भाव, एकता का मिसाल पेश कर वैमनस्यता को छोड़ अमन में भाईचारगी का संदेश फैलाएं। ये बातें कही झामुमो नेता सह सेवादार दीपक तिवारी ने, जब चियांकी में मुहर्रम पर निकली जुलुस में मुख्य अतिथि सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय के साथ सम्मिलित हुए। इस दौरान गदका खेलकर दोनों अतिथियों ने गोल का शुभारंभ किया। सदर प्रखंड अंतर्गत राष्ट्रीय उच्च पथ स्थित चियांकी मोड़ पर सैकड़ों की संख्या में इस्लाम धर्मावलंबियों ने जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान एकजुटता एवं भाईचारगी को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। बता दें कि मुहर्रम इस्लाम धर्म में विश्वास करने वाले लोगों का एक प्रमुख त्योहार है। इस माह की उनके लिए बहुत विशेषता और महत्ता है। मुहर्रम एक महीना है जिसमें दस दिन इमाम हुसैन के शोक में मनाए जाते हैं। इसी महीने में मुसलमानों के आदरणीय पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब, मुस्तफा सल्लाहों अलैह व आलहीव सल्लम ने पवित्र मक्का से पवित्र नगर मदीना में हिजरत किया था। इस मौके पर दीपक तिवारी ने बताया कि समाज में दुराव करने वालों को त्योहारों से सीख लेना चाहिए। मुहर्रम के दिन शहादत का सच्चा आयाम देखने को मिलता है जिस दिन इंसानियत को बचाने के लिए हुसैन साहब ने जान न्योछावर कर मानवता की राह में अपना जीवन कुर्बान कर दिया। वहीं सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने कहा कि पुलिस हमेशा शांति और व्यवस्था कायम रखना चाहती है। ऐसे में वैमनस्यता को भूलकर एकता भाईचारा ही समाज को सुरक्षित रखेगा। जिसकी निगेहबानी सिर्फ पुलिस की ही नहीं हर नागरिक का कर्तव्य है। मुहम्मद पैगम्बर साहब की कुबार्नी को याद कर मानवता को कायम करना ही मुहर्रम का त्योहार का महत्ता बढ़ाएगा। सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, झामुमो के युवा नेता दीपक तिवारी, प्रतिष्ठित व्यवसाई चंद्रशेखर मेहता, दक्ष तिवारी भ्रमण कर सदर प्रखंड के कई मुहर्रम कमिटी के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य अर्जुन सिंह, समाजसेवी राजेंद्र पाण्डेय, मनीष तिवारी रिंकू, महताब खान, मुहर्रम कमिटी के सदर परवेज अख्तर, सचिव असीम अंसारी, सद्दाम हुसैन, गिरिवर सिंह चेरो, कृष्णा गुप्ता, नरेश राम, कोदू राम, विनोद राम, समीर तिग्गा, धिरूउरांव, सुनीलउरांव, चिंटू लाल, मुकेश गुप्ता समेत कई गणमान्य प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

पत्रकार की मां का निधन, गांव में शोक की लहर

मेदिनीनगर (पलामू) : नीलांबर पीतांबर प्रखंड के हरतुआ पंचायत सोनेसरई गांव निवासी 95 वर्षीय दुखनी देवी कि आज दिनांक 16 जुलाई 2024 को निधन हो गया। वोमृदूभाषी व्यक्ति थी अपने पीछे तीन बेटे और पांच बेटियों सहित दर्जनों नाती पोते भरे-पूरे परिवार को छोड़ गई है। बतादें कि पलामू न्यूज संचालक एसके रवि के मां थी दुखनी देवी वो कुछ दिनों से अस्वस्थ थी लेकिन इलाज के बाद ठीक हो गई थी। एकाएक मंगलवार के सुबह 11:55 में उन्होंने सोनेसरई गांव स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। उनकी निधन के खबर चारो ओर आग कि तरह फैल गई जिसे सुनकर क्षेत्र के कई जन-प्रतिनिधियों एवं आस-पड़ोस के लोगों का उनकी अंतिम दर्शन के लिए भीड़ उमड़ पड़ा।

भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद का राजनीतिक अनुभव काफी शानदार है : अन्नपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कोडरमा लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत की खुशी में प्रभारी रहे अन्नदा चौक स्थित प्रभु निवास भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद के आवासीय कार्यलय में बाल एवं महिला विकास केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल, कोडरमा विधायक नीरा यादव एवं बरही पूर्व विधायक मनोज यादव, पूर्व विधायक चतरा जनार्दन पासवान, जिलापरिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र प्रताप, चुनाव प्रभारी विकाश प्रीतम, जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह, जिलाध्यक्ष अनूप जोशी सहित कई गणमान्य लोगों का आगमन हुआ। जहाँ अतिथियों का फुलमाला एवं शोल ओढाकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। इससे पहले भैया गीता प्रसाद ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को शोल ओढाकर सम्मानित की तथा कार्यलय के मुख्य द्वार पर स्वागत व अभिनंदन किया। अतिथियों ने रात्रि का भोजन भी किया। कोडरमा लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत की खुशी में प्रभारी भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद को सभी अतिथियों ने ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर बाल एवं महिला विकास केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद का राजनीतिक अनुभव काफी शानदार है। कोडरमा लोकसभा चुनाव प्रभारी के रूप में काफी अनुकरणीय योगदान दिया है। इनकी कुशल चुनाव प्रभारी के नेतृत्व में हमने शानदार जीत हासिल किया है। उन्होंने भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद को बहुत- बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दिया तथा उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर विशेष रूप से कुमकुम देवी, रिता लाल, अर्चना सिन्हा, रंजन कुमार कुण्टू, हरीश श्रीवास्तव, प्रणव कुमार वर्मा, रमेश सिंह, रामचंद्र सिंह, उदयभान नारायण सिंह, सुनील साहू, सुनील मेहता बिनोद झुनझुनवाला, विवेक बरियार, बबन गुप्ता, भैया बांके बिहारी, अशोक यादव, सुदेश चंद्रवंशी जितेंद्र जैन, विनोद झुनझुनवाला, भैया नितेश, संगीत सोनल, भैया अमन एवं भुनेस्वर पटेल सहित कोडरमा एवं हजारीबाग के गणमान्य लोग और मंडल अध्यक्ष गण शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

कटकमसांडी प्रखंड में सौहार्द के बीच मना त्याग व बलिदान का पर्व मुहर्रम

कटकमसांडी : कटकमसांडी प्रखंड में कई जगह हजरत ईमाम हुसैन की शहादत की याद में मुस्लिम समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला मुहर्रम शांति, सौहार्द व भाईचारे के बीच बुधवार को मनाया गया। इस मौके पर कटकमसांडी मुख्यालय सहित विभिन्न पंचायतों में ताजिया व अलम का प्रदर्शन किया गया। वहीं जंगी दस्तों द्वारा लाठी, भाला, फरसा आदि का करतब भी दिखाया गया। कटकमसांडी प्रखंड मुख्यालय में कई स्थानों के इमामबाड़ों से लोगों ने ताजिया व अलम के साथ गांवों के विभिन्न मार्गो का भ्रमण किया। महिलाओं का जत्था मरसिया गाते हुए हजरत इमाम हुसैन की शहादत पर मातम मनाया। कटकमसांडी चौक में मेले का भी आयोजन किया गया था। चौक में जंगियों ने अपने करतब दिखाये। मेले में उपस्थित लोगों ने खेल-तमाशे के जौहर व करतब का आनन्द उठाया। इस मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के बाबत पुलिस बलों की भी तैनाती की गई थी। आरजेडी जिला अध्यक्ष चरका यादव, कटकमसांडी जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि कारू राम,समाज सेवी सेरू, आसिफ, सदाम, अकबर खान, अनवर खान, जाबिर खान, एमडी इनामुल हक, ताबीस इनाम, इस्लाम खान, रुस्तम खान, सराज खान, एवं सैकड़ो गणमान्य लोग मौजूद थे।

संजीव बेदिया के आवास में दर्जनों लोगों ने झामुमो का थामा दामन

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय सचिव सह झारखंड सरकार राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव कुमार बेदिया के आवास जरजरा में दर्जनों लोग रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव किशोर ठाकुर, दीपक कुमार के नेतृत्व में झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामे है थामने वालों में से वकील साव,संजीव मुंडा, आनंद मुंडा, विक्की मुंडा, रोशन मुंडा, बागेश्वर मुंडा, प्रिंस मुंडा, आकाश मुंडा, राजेंद्र बेदिया, मोहन साव, मिटू यादव, विशाल मुंडा, आर्यन मुंडा, सचिन साव इत्यादि लोगों ने झामुमो का दामन थामे। संजीव बेदिया ने सभी को झारखंड मुक्ति मोर्चा का पट्टा देखकर स्वागत किया बेदिया ने कहा झारखंड मुक्ति मोर्चा एक परिवार की तरह कार्य करती है। जिस उम्मीद से आप लोगों ने पार्टी का दामन थामें है मैं कोशिश करूंगा कि आप लोगों को परिवार के जैसा आपके साथ मिलकर के पार्टी को आगे बढ़ने का कोशिश करूंगा। वहीं पर वीरेंद्र यादव ने कहा हेमंत सोरेन के सरकार में जो गरीब से गरीब व्यक्ति को लाभ मिल रहा है । इसी को देखते हुए सभी लोगों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम रहे हैं ताकि आने वाला दिल में पुणे झारखंड मुक्ति मोर्चा का सरकार बन सके। मौके पर उपस्थित हजारीबाग जिला पूर्व सचिव नीलकंठ महतो रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र यादव, किशोर कुमार ठाकुर दीपक कुमार के अलावा अन्य दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मुखिया प्रतिनिधि व समाजसेवी ने बरही चौक के आस-पास करायी सफाई

बरही : मुहर्रम पर्व को देखते हुए बरही पूर्वी मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर एवं समाजसेवी राजकुमार केशरी ने बरही चौक के आस पास साफ सफाई कराया। इस दौरान उन्होंने जेसीबी मशीन लगाकर कूड़े कचड़े को उठवाया। मुहर्रम जुलूस के मद्देनजर मंगलवार को साफ-सफाई का काम शुरू किया गया। कहा कि इससे जुलूस में शामिल लोगों को परेशानी नहीं होगी और बेहतर तरीके से करतब आदि का प्रदर्शन कर सकेंगे। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रिजवान अली सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

बरही में होगी ओबीसी कांग्रेस महापंचायत मंत्री बन्ना गुप्ता होंगे मुख्य अतिथि

बरही : बरही ओबीसी कांग्रेस के तत्वावधान में स्थानीय पूर्वी पंचायत सभागार में कांग्रेस जनों की बैठक हुई। जिसमें आगामी एक अगस्त को बरही टॉउन हॉल में विधानसभा स्तरीय ओबीसी कांग्रेस महापंचायत कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। ओबीसी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिलाष साहू के निर्देश पर जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता की अध्यक्षता और स्टेट कॉर्डिनेटर सुरजीत नागवाला की विशेष उपस्थिति में यह बैठक आयोजित हुई। जिसमें महापंचायत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखण्ड सरकार के स्वास्थ्य एवं खाद्य आपूर्ति मंत्री बन्ना गुप्ता समेत विशिष्ट अतिथियों में स्थानीय विधायक उमाशंकर अकेला, बरकागांव विधायक अंबा प्रसाद एवं मांडू विधायक जेपी भाई पटेल को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में महापंचायत कार्यक्रम की अन्य तैयारियों पर भी चर्चा हुई। साथ ही इस कार्यक्रम के मद्देनजर ओबीसी वर्ग को जगाने और राजनीति में उनकी भागीदारी और जागरूकता को बढ़ाने के निमित्त प्रखंडवार बैठकें आयोजित करने एवं जनसंपर्क चलाने की रूपरेखा तय की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस सोशल मीडिया के जिला कॉर्डिनेटर उदय केसरी, यूथ कांग्रेस के बरही विधानसभा अध्यक्ष मनोहर यादव, ओबीसी कांग्रेस के बरही प्रखंड अध्यक्ष राजू राणा, चौपारण प्रखंड अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, इंटक के राजेंद्र स्वर्णकार, सुनील चंद्रवंशी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मुहर्रम शांति व सौहार्द के साथ हुआ संपन्न

बरही : मुहर्रम पर्व बरही में शांति व सौहार्द के साथ सम्पन्न हुआ। आज के दिन ही हजरत हुसैन शहीद हुए थे। उनके शहीद की याद में मुहर्रम पर्व मनाया जाता है। हजरत हुसैन शहीद होकर यजीद के नपाक इरादे को बर्बाद कर दिया था और इंसानियत के परचम को ऊँचा रखा था।हजरत हुसैन की शहादत को गमगीन याद में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने आंसू भरे विदाई दिया, साथ ही उनके कष्ट भरे जीवन को अपने मूलरूप में अनुभव करते हुए और इमाम के घोड़े के रूप में पैकवाहा बनकर सारे नगर में बने इमाम के चौके में झूमते नजर आयें। हजरत इमाम हुसैन की शहादत के अवसर बरही प्रखंड के विभिन्न पंचायतो के लगभग दर्जनों अखाड़े और उनके खिलाड़ी अपना खेल का प्रदर्शन करते नजर आए। प्रदर्शनकारियों को देखने के लिए काफी संख्या में हर क्षेत्र के लोग भारी तादात में पहुंचकर खेल व झांकी का आनंद उठाया। इस अवसर पर इमाम हुसैन, या अली के नारे की धूम रही। दसवीं के दिन क्लब के सारे झाकियां व ताजिया रोड चौराहे के चारो तरफ घूमकर आकर्षक प्रदर्शन किया। इस पर्व को मुस्लिम हिन्दू मिलकर बड़ी सौहार्द के साथ मनाएं। जिसको देखकर लोंगो को लगा कि बरही में हिन्दू व मुस्लिम के बीच एकता एक मिसाल है। बरही पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया था। बरही चौक समेत पूरे इलाके में पदाधिकारी स्वयं निगरानी कर रहे थे। इसके अलावा सामाजिक कार्यकताओं की टीम कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाएं।

एक नजर

राजद अनुशासन समिति की बैठक कल

रांची : राजद अनुशासन समिति की आवश्यक बैठक प्रदेश कार्यालय में 19 जुलाई को होगी। इस संबंध में प्रदेश राजद महासचिव सह मीडिया प्रभारी कैलाश यादव ने बुधवार को बताया कि बैठक की अध्यक्षता अनुशासन समिति के अध्यक्ष गोड्डा के पूर्व विधायक एवं पार्टी के प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव करेंगे। बैठक में अनुशासन समिति के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे।

राज्य में अपराधियों का खौफ बढ़ा : बाबूलाल

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को एक्स पर ट्वीट कर कहा है कि हेमंत है तो हिम्मत है। अरे भाई किसको हिम्मत है। अपराधियों को या चोरों को या राज्य संरक्षण में पल रहे हिम्मत वाले गुंडों को। झारखंड में अपराधियों का खौफ इतना बढ़ गया है कि झारखंड की जनता के पास दो ही उपाय बचते हैं-या तो जान दे देने का या रंगदारी देने का। गठबंधन सरकार में दबंगों का आतंक और साहस इतना बढ़ गया है कि वह सिर्फ अब धमकी भर नहीं देते हैं, बल्कि रंगदारी न देने वालों को मौत के घाट तक उतार रहे हैं। मरांडी ने लिखा है कि सरकार और उसकी पुलिस चुप है। क्योंकि, रंगदारी का बड़ा हिस्सा उनको भी प्राप्त हो रहा है लेकिन क्या प्रदेश की जनता ने इसलिए गठबंधन सरकार को चुना था ताकि वो अपराधियों के साथ हाथ मिलाकर जनता के साथ ही अपराध, हत्या और रंगदारी को अंजाम दें। प्रदेश के लोगों की जान अब अपराधियों और दबंगों के हाथों में है। सरकार का हाथ अपराधियों के माथे पर है। अब ऐसे में प्रदेश में कोई भी कैसे सुरक्षित रह सकता है। अब वक्त आ गया है अपराधियों को सरंक्षण देने वाली इस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का, ताकि लोगों का तथा झारखंड का भविष्य सुरक्षित रह सके। बाबूलाल ने लिखा है कि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में झामुमो का भ्रष्टाचार और कुशासन धरातल पर नजर आने लगा है। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र में लगातार सात बार से झामुमो के विधायक हैं। पिछले पांच सालों से राज्य में सरकार है। फिर भी सड़क की स्थिति चलने लायक नहीं है। पिछले साल ही उक्त सड़क के निर्माण का प्राक्कलन तैयार किया जा चुका है लेकिन दुर्भाग्य से अब तक हेमंत सोरेन की सरकार ने सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान नहीं की है। आदिवासियों को बरगला कर उन्हें झूठे सपने दिखाकर दशकों से दिग्भ्रमित करने वाले झामुमो-कांग्रेस की दाल अब नहीं गलने वाली।

इंसाफ और शांति का पैगाम देता है मुहर्रम : शिल्पी नेहा तिर्की

रांची : मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि हमारे समाज में सभी धर्मों का हर एक त्योहार कोई ना कोई ऐसा संदेश देता है जो सभी के लिये बहुत अधिक महत्वपूर्ण है और यदि हम धर्म में बताये हुए मार्ग पर चले तो हम सभी के बीच कहीं, कभी कोई मतभेद पैदा ही नहीं हो सकता। चान्हो प्रखण्ड के सोनचीपी में आयोजित मोहर्रम मेला में बुधवार को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए तिर्की ने कहा कि विशेष रूप से मोहर्रम, इंसाफ और शांति का पैगाम देता है। उन्होंने कहा कि कर्बला के मैदान में जो गाथा लिखी गयी वह अनंत काल तक मानवता का संदेश देती रहेगी।

राज्य में जनता के पास दो ही विकल्प, या तो जान दें या रंगदारी : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने आज हेमंत सोरेन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में जनता के पास आज की तिथि में 2 ही विकल्प हैं। या तो वे जान दें या रंगदारी का पैसा दें। मरांडी ने तंज करते हुए कहा, हेमंत है तो अपराधियों को हिम्मत है। कहा, आज हिम्मत है तो अपराधियों के पास। चोरों के पास या राज्य संरक्षण में पल रहे गुंडों के पास। मरांडी ने आरोप लगाया कि गठबंधन सरकार में दबंगों का आतंक और साहस इतना बढ़ गया है कि वह सिर्फ अब धमकी भर नहीं देते हैं बल्कि रंगदारी न देने वालों को मौत के घाट तक उतार रहे हैं। मरांडी ने कहा, सरकार और उसकी पुलिस चुप है। क्योंकि रंगदारी का बड़ा हिस्सा उनको भी प्राप्त हो रहा है। लेकिन क्या प्रदेश की जनता ने इसलिए गठबंधन सरकार को चुना था ताकि वो अपराधियों के साथ हाथ मिलाकर जनता के साथ ही अपराध, हत्या और रंगदारी को अंजाम दें। प्रदेश के लोगों की जान अब अपराधियों और दबंगों के हाथों में है। सरकार का हाथ अपराधियों के माथे पर है।

अब ऐसे में प्रदेश में कोई भी कैसे सुरक्षित रह सकता है। अब वक्त आ गया है अपराधियों को सरंक्षण देने वाली इस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का, ताकि लोगों का तथा झारखंड का भविष्य सुरक्षित रह सके।

मरांडी ने कहा कि झारखंड में कांग्रेस-झामुमो की सरकार ने लगभग 10 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया है। जब भी इनकी सरकार बनी, इन्होंने राज्य को सिर्फ लूटने और पैसे कमाने का काम किया है। मरांडी ने आगे कहा कि इस बार विधानसभा के चुनाव में जनता ने गठबंधन सरकार को हटाने का मना लिया है, इसमें कोई संदेह नहीं है। कहा, अब वक्त आ गया है अपराधियों को सरंक्षण देने वाली इस सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का, ताकि लोगों का और झारखंड का भविष्य सुरक्षित रह सके।

मांगें नहीं पूरी होने पर 22 जुलाई से हड़ताल करेगा संघ : चंद्रदीप कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पंचायत सचिवालय स्वयंसेवक संघ/पंचायत सहायक संघ की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने कहा कि मांगें पूरी नहीं होने पर संघ 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेगा। ये बैठक चिरौंदी बैंक्वेट हॉल में की गई। प्रदेश अध्यक्ष ने इस दौरान बताया कि 12 मार्च 2024 को कैबिनेट में कुछ घोषणाएं की गयी थीं। लेकिन इन घोषणाओं को आज तक पूरा नहीं किया गया। इसमें कहा गया था कि पंचायत स्वयंसेवकों को प्रत्येक महीना 2500 प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। साथ ही पंचायत स्वयंसेवक का नाम बदल कर पंचायत सहायक करने पर बात हुई थी। पंचायत सहायक के 4 सदस्य हेल्प डेस्क में कार्य करेंगे, ये भी कहा गया था। लेकिन इसे आज तक धरातल पर नहीं उतारा गया।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पंचायत सहायक के सदस्यों का प्रत्येक वर्ष ग्राम सभा से अनुमोदन की बात कही गयी थी। साथ ही, पंचायत सहायक के सदस्यों का कार्यों का मूल्यांकन प्रत्येक महीने मुखिया और पंचायत सचिव के द्वारा करने पर सहमति बनी थी। कहा गया था कि पंचायत सहायक के सदस्य 60 वर्ष तक अपने पंचायत में कार्य कर सकेंगे। पंचायत सहायक के सदस्य आरोप और निष्कासित होने पर एक महीना के अंदर पंचायती राज निदेशक के यहां आवेदन कर सकेंगे। लेकिन इन घोषणाओं पर अमल नहीं किया गया। अध्यक्ष ने कहा, कैबिनेट से किए गए घोषणाओं को लागू करने के लिए पंचायत सहायक के सदस्य फिर एक बार 22 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। इस दौरान धरना प्रदर्शन करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कैबिनेट से की गई घोषणाओं को जल्द से जल्द लागू किया जाए। संघ घोषणाओं को लागू कराने के लिए और सरकार की ओर से किये गये वादों को पूरा कराने के लिए 22 जुलाई 2024 से अनिश्चित हड़ताल

विहिप के षष्टिपूर्ति वर्ष में सेवा कार्यों के विस्तार का संकल्प लें कार्यकर्ता : मिलिंद परांडे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना की षष्टिपूर्ति यानी 60 वर्ष की पूर्णता पर संगठन को उस स्वरूप में पहुंचना है, जिसका लक्ष्य कार्यकताओं ने रखा है। इन 60 वर्षों में विश्व के 33 देशों में विश्व हिंदू परिषद ने संगठन को खड़ा किया है। समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए कार्य करना हमारा लक्ष्य है। क्योंकि, संपूर्ण हिंदू समाज का यह संगठन बने इस भाव को जागृत कर इसे अपने जीवन में उतारना यह उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में सेवा कार्यों के विस्तार का संकल्प लेकर कार्यकर्ता हिंदू समाज को जोड़ने का कार्य करें।

परांडे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बैठक में भाग लेने के बाद मुंबई लौटने के क्रम में रांची के एयरपोर्ट रोड स्थित ग्रीन एकर्स में विहिप के रांची विभाग अंतर्गत प्रांत और जिला के पदाधिकारियों को बुधवार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद की स्थापना दिवस पर हिंदू समाज के हर वर्ग को जोड़ते हुए देश के 9000 प्रखंडों में प्रखंडशः भव्य कार्यक्रम करने की योजना है। झारखंड में भी सभी जिलों के सभी प्रखंड में विश्व हिंदू परिषद स्थापना दिवस पर बड़े कार्यक्रम करने की तैयारी में परिषद के कार्यकर्ता योजना पूर्वक लगें।

बैठक में मुख्य रूप से क्षेत्र मंत्री वीरेंद्र विमल, प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत, प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव, सुनील गुप्ता, रेखा जैन, प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र, प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो, प्रांत धमार्चार्य संपर्क प्रमुख युगल किशोर प्रसाद, प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख कृष्ण कुमार झा, प्रांत मातृशक्ति प्रमुख दीपारानी कुंज, प्रांत विशेष संपर्क सह प्रमुख प्रिंस अजमानी और प्रांत अर्चक पुरोहित सहप्रमुख मनोज पांडे सहित अन्य उपस्थित थे।

रांची के मैक्लुस्कीगंज में बदमाशों ने दो मजदूरों को पीटा, की फायरिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मैक्लुस्कीगंज में अपराधियों ने अति संवेदनशील माने जाने-वाले बसरिया (हरहु टोला) क्षेत्र में मंगलवार की देर रात पुल के निर्माण में लगे दो मजदूरों की जमकर पिटाई कर दी। बताया जाता है कि निर्माणधीन पुल के पास दो मजदूर रात में भोजन की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान पूर्व दिशा की ओर से दो नकाबपोश अपराधी घटनास्थल पर आ धमके और मजदूरों को बंधक बनाते हुए पिटाई शुरू कर दी। इस दौरान दूसरे मजदूर ने हिम्मत दिखाते हुए एक अपराधी को पकड़ लिया। इसके बाद एक अपराधी ने बचाव में हथियार निकालकर हवाई फायरिंग की और दो मजदूर दिलीप राम व गुड्डू राम को रॉड से मारकर घायल कर दिया। जाते-जाते अपराधियों ने उनके मोबाइल छीन लिये और जंगल की ओर भाग गये। सूचना मिलने के मैक्लुस्कीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल भेजा। दोनों मजदूर लेस्लीगंज के रहने वाले हैं। इस संबंध में बुधवार को खलारी के डीएसपी आरएन चौधरी ने बताया कि निर्माणस्थल पर बिना जानकारी दिए संवेदक ने कार्य प्रारंभ किया था, जिसका लाभ अपराधियों ने उठाया है। जल्द ही कार्रवाई कर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 28 मई की रात कुछ हथियारबंद अपराधियों ने घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर स्थित रांची चामा चतरा मुख्य मार्ग पर आगजनी की घटना को अंजाम दिया था। उस वक्त सभी किसी प्रकार जान बचाकर भाग निकले थे। ये वारदात उस वक्त हुई थी जब एसआईपीएल कंपनी द्वारा बीएसनएल का ऑप्टिकल फाइबर बिछाने का कार्य किया जा रहा था। हालांकि, इस दौरान एक मजदूर औरंगाबाद निवासी संजय भुइंया कंटेनर के अंदर ही छुपकर रह गया और आगजनी में उसकी मौत हो गयी थी। कंपनी का कंटेनर और उसके अंदर रखा एचडीडी मशीन, डीजी ट्रैकर सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया था।

देवशयनी एकादशी पर श्याम मंदिर में लगा भक्तों का तांता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में आज देवशयनी एकादशी के अवसर पर प्रातः से ही मंदिर में भक्तों का आना-जाना लगा हुआ था। प्रातः 5:30 बजे की मंगला आरती के बाद प्रातः श्रृंगार के लिए मंदिर के पर्दे लगा करके बाबा श्याम एवं सभी देवी देवताओं का श्रृंगार किया गया। आज एकादशी के अवसर पर बाबा श्याम का विशेष दिवस होने के अवसर पर हरमू रोड स्थित भक्त बाबा श्याम को अपनी-अपनी अर्जी लेकर दरबार में हाजिरी लगाते हैं। भक्तों का यह मानना है कि एकादशी के दिन अर्जी लगाने से उनकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। सुबह की श्रृंगार आरती 8:30 बजे में भक्तों की अपार भीड़ देखी गई। दिनभर भक्तों का आना-जाना लगा रहा। एकादशी का विशेष कार्यक्रम रात्रि 9:30 बजे से प्रारंभ हुआ। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी एवं महामंत्री विश्वनाथ नारसरियां के नेतृत्व में भजन संकीर्तन प्रारंभ हुआ जो देर रात्रि तक चला। बाबा का नवीन बागा, बेबी, कियारा, सरिया विशेष श्रृंगार सेवा आकाश रिशु अग्रवाल पंचमेवा प्रसाद सेवा आकाश रिशु अग्रवाल, रबड़ी प्रसाद सेवा अन्नपूर्णा सरावगी गिरीगोला एवं फल प्रसाद एक श्याम भक्त द्वारा निवेदित था बेबी कियारा सरिया के जन्म माह के अवसर पर आकाश अग्रवाल एवं रिशु अग्रवाल ने अपने परिजनों के साथ खाटूनरेश की दिव्य पावन अखंड ज्योति प्रज्वलित कर केसरिया पेडा मेवा फल प्रसाद मगही पान का भोग लगाकर अपनी मनोकामना बाबा के आगे लगाई।

सीआईडी ने दिल्ली से साइबर ठग को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ने राज्य के 150-200 लोगों से लगभग 4-5 करोड़ रुपये की ठगी करने के मामले में साइबर ठगी के आरोपित को नई दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अमित जायसवाल नई दिल्ली के विकासपुरी थाना क्षेत्र के शंकर गार्डन का रहने वाला है। इसके पास से तीन मोबाइल फोन, तीन सिम कार्ड और ब्लाकचैन वॉलेट ऐड्रेस (जिस पर निवेशकों द्वारा पैसा भेजा गया है) बरामद किया गया है।

डीजी सीआईडी अनुराग गुप्ता ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सीआईडी के साईबर क्राईम थाना में नौ नवंबर, 2023 को मामला दर्ज कराया गया था। शिकायतकर्ता ने कहा था कि इनको प्रारंभिक काल में गोल्ड बॉन्ड के माध्यम से आरोपित शशि शंकर कुमार उर्फ विक्की के जरिये मौद्रिक लाभ पहुंचाया गया, जिससे वह आरोपित पर विश्वास करने लगे। बाद में आरोपित एवं उसके एक मित्र अमित जायसवाल के जरिये शिकायतकर्ता को क्रिप्टो करेंसी में निवेश कर अधिक पैसे कमाने के लिए कहा गया। इसके बाद लोग इनके झांसे में आकर अधिक से अधिक मात्रा में निवेश करने लगे। इसके लिए निवेशकों को प्राथमिक निवेश पर कहे अनुसार 300 प्रतिशत तक मुनाफा वापस किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ने लगा। निवेशक लोग अन्य लोगों को भी इस मुनाफे के स्किम से लाभान्वित होने के लिए प्रेरित करने लगे। इसी क्रम में आरोपित शंकर कुमार उर्फ विक्की, अमित जायसवाल एवं अन्य सहयोगी ने झारखंड के कई शहरो जैसे रांची, बोकारो, जमशेदपुर एवं अन्य जगहो पर बड़े-बड़े कई आयोजन स्थल जैसे होटलो एवं अन्य स्थानों पर ओआरओपीएवाई कम्पनी से संबंधित अनेकों अनेक कार्यक्रम किये।

अनुराग गुप्ता ने लोगों के बढ़ते निवेश को देखते हुए मामले के प्राथमिकी आरोपितों के जरिये फर्जी वेबसाईट को एक दिन अचानक बंद करते हुए निवेशकों को भारी चपत लगाई। जब वेबसाईट बंद हो गया तब इन लोगों ने अलग होकर अपने संपर्क को कम किया लेकिन इस तरह के अन्य वेबसाईट के माध्यम से अपने ठगी के व्यापार को आगे बढाने के लिए प्रयासरत रहा। इससे संबंधित सभी मीटिंग जूम एप्प के माध्यम से वर्चुअल साईबर स्पेस में होती थी। आरोपित और इनके अन्य साथियों के साथ कमिशन के पैसे के आमदनी से तीन बार दुबई एवं एक बार रूस की यात्रा की।

डीजी ने बताया कि इसी क्रम में आरोपियों ने डीजीएफआई-ओपे नाम का टोकन लॉन्च किया, जिसके माध्यम से इन्वेस्टर को ट्रस्ट वायलेट पर इन्वेस्ट करने को कहा गया। इस बीच इन्वेस्टर्स ने खरीदे हुए टोकन को बेचना चाहा तो उसका वैल्यू जीरो हो गया। इस अपराधशैली के माध्यम से आरोपित के जरिये झारखंड राज्य के करीब 150-200 लोगों से करीब 4-5 करोड़ रुपये की ठगी की जा चुकी है। इस मामले में अनुसंधान के क्रम में संलिप्तता के बिंदु पर अनुसंधान करते नयी दिल्ली से एक साईबर ठग को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से मिले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश

रांची : राज्यपाल सीपी. राधाकृष्णन से बुधवार को झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डॉ विद्युत रंजन सारंगी ने राज भवन में मुलाकात की। इसे शिष्टाचार मुलाकात बताया गया।

ओडिशा के राज्यपाल पहुंचे रांची, भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

रांची : ओडिशा के राज्यपाल सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास बुधवार को भुवनेश्वर से रांची पहुंचे । हटिया रेलवे स्टेशन पर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल के नेतृत्व में कार्यकर्ता ने उनका स्वागत किया। रघुवर दास दिन भर रांची में रहने के बाद शाम में देवघर के लिए रवाना होंगे। स्वागत करने वाले में ललित नारायण ओझा, उमेश यादव, रोमित नारायण सिंह, शुभम कुमार जायसवाल, तरुण जायसवाल, रिंकू शेख, जॉनी वॉकर खान, डॉ अनिल कुमार, अंकित कुमार सिंह, रिंकू कुमार सिंह, विनय कुमार, अभिजीत कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चोरी की मोबाइल के साथ एक गिरफ्तार

रांची : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से मोबाइल चोरी करने वाले शातिर चोर अरबाज गद्दी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित के पास से ओप्पो कंपनी का एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया है। एएसआई एसके .जायसवाल ने बुधवार को बताया कि ट्रेन नंबर 12835 (हटिया- बैंगलोर एक्सप्रेस) को प्लेटफॉर्म नंबर 01 से रवाना हो रहा था। इसी दौरान एक व्यक्ति जनरल कोच से उतरकर बहुत जल्दी में बाहर दौड़ रहा था। संदेह होने पर उसे रोका और जांच करने पर उसके पास से एक चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया गया। उसने स्वीकार किया कि वह ट्रेन के यात्री की जेब से फोन चुराया था। इसके बाद मामले में आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी हटिया को सौंप दिया गया।

झारखंड में भाजपा के साथ तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा वाली कहावत चरितार्थ होगी : कांग्रेस

रांची : कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने भाजपा नेता हिमंता विस्वा सरमा, शिवराज सिंह चौहान और लक्ष्मीकांत वाजपेयी को उनके केंद्रीय नेतृत्व ने डूब रही भाजपा की नैया को पर लगाने के लिए भेजा था, लेकिन यह पूरी तरह से झारखंड में भाजपा को डूबो देंगे। झारखंड में भाजपा के साथ तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा वाली कहावत चरितार्थ होगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से यह पूरे झारखंड में घूम-घूम कर जनता के बीच धर्मांधता का बीज बोने की कोशिश कर रहे हैं उसे जनता परिचित है और उनकी कोई कुटील चाल यहां सफल नहीं होने वाली है। शांति ने बुधवार को कांग्रेस भवन में कहा कि देश में एक दशक से भी ज्यादा समय से आम जनगणना नहीं हुई लेकिन फर्जी आंकड़ों के सहारे आदिवासी- मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने के लिए संथाल परगना के डेमोग्राफी में बदलाव की बात करते हैं। हिमंता विस्वा सरमा को बताना चाहिए कि इस मामले में उन्होंने असम में क्या किया है। उन्हें देश के गृह मंत्री से पूछना चाहिए कि देश की सीमाएं अगर सुरक्षित है तो घुसपैठ कैसे हो रही है। बाढ़ से जूझ रही असम की जनता को राहत पहुंचाने की बजाय झारखंड में आग लगाने की कोशिश बंद करें। लोकसभा चुनाव में हिंदू- मुस्लिम के बीच नफरती माहौल बनाने में भाजपा नाकाम रही थी और अपनी आदत के अनुसार झारखंड में धार्मिक तनाव बनाने का प्रयास कर रही हैं।

आम की गुठली से बीज निकालने वाले हस्तचालित यंत्र पर डॉ सुशील पाण्डेय को पेटेंट मिला

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अभियंत्रण विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ सुशील कुमार पांडेय द्वारा विकसित आम की गुठली से बीज निकलने वाले हस्तचालित यंत्र को भारत सरकार ने पेटेंट प्रदान किया है। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत कार्यरत महानियंत्रक पेटेंट, डिजाइन एवं व्यापार चिन्ह द्वारा इस आशय का प्रमाणपत्र जारी किया गया है। उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन से युक्त आम की गुठली का प्रयोग बहुत से बेकरी उद्योग, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं कॉस्मेटिक उद्योग में किया जाता है। इस यंत्र के प्रयोग से समय एवं श्रम लागत की बचत होने से इन उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। डॉ पाण्डेय ने बताया कि इसे बनाने में प्रति यंत्र लागत 15 से 20 हजार रुपये आएगी तथा प्रति घंटा 15 से 18 किलो गुठली से बीज अलग किये जा सकेंगे। इस उपलब्धि पर बीएयू के कुलपति डॉ एससी दुबे ने डॉ सुशील को बधाई दी है।

झारखंड पुलिस के ध्रुव हेलीकाप्टर के किराये और मेंटेनेंस का 11 करोड़ बकाया

रांची : झारखंड में चल रहे नक्सल विरोधी अभियान में सुरक्षा बलों की मदद के लिए इस्तेमाल होने वाले ध्रुव हेलीकाप्टर के किराये और मेंटेनेंस की राशि का अब तक भुगतान नहीं हुआ है। झारखंड गृह विभाग का हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) पर 11 करोड़ का बकाया है। दरअसल पहले ध्रुव हेलीकॉप्टर के रख-रखाव का खर्च एसआरई मद से होता था। हालांकि ऑडिट ने इसपर आपत्ति जतायी है। जिसकी वजह से कंपनी को अब कर किराये और मेंटेनेंस का भुगतान नहीं हो पाया है।

एक नजर

राजगंज में ट्रेलर का चालक गिरकर हुआ घायल

कतरास : राजगंज – कतरास मुख्य मार्ग 4 लाइन सड़क पर फ्लाई ओवर ब्रिज के समीप ट्रेलर चालक ब्रेक फैल होने के बाद गाड़ी पीछे लुढ़कने लगी,जिसे पीछे देखने के क्रम में ड्राइविंग सीट से नीचे गिरने से चालक के सर व चेहरे में चोट लग गयी व काफी खून बहने लगा। घायल ड्राइवर ट्रेलर संख्या सी जे 12 बी टी–3213 का चालक था। स्थानीय लोगो ने 108 को खबर कर उसे अस्पताल भेजा, सोनारडीह व तेतुलमारी के लोगो शुभचिंतक ने सहयोग से घायल को अस्पताल भेजा गया। लेकिन सूचना के आधे घंटे बाद भी राजगंज पुलिस घटना स्थल पर नही पहुची। जो चर्चा का विषय बना हुआ है, सूत्रों ने बताया कि मुहर्रम जुलूस को लेकर पुलिस व्यस्त थी।

बोकारो जेनरल अस्पताल में सीटी कोरोनरी एंजियोग्राम की हुई शुरुआत

बोकारो : बोकारो जेनरल अस्पताल में 17 जुलाई को पहला सी टी कोरोनरी एंजियोग्राम सफलतापूर्वक किया गया। इस एडवांस्ड नॉन –इन्वेसिव प्रोसीजर को अस्पताल में हाल ही में लगाए गए अत्याधुनिक 128 स्लाइस सी टी स्कैनर में चिकित्सकों की टीम ने किया। इस मौके पर उपस्थित अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ बी बी करुणामय ने बताया कि सी टी कोरोनरी एंजियोग्राम एक ऐसी नॉन –इन्वेसिव (बिना चीर–फाड़ के) प्रोसीजर है जिसके द्वारा हृदय में किसी प्रकार के ब्लॉकेज की जाँच की जा सकती है, साथ ही हृदय से जुड़ी धमनियों की भी बारीकी से जाँच की जा सकती है। बीजीएच के रेडियोलोजी विभाग की प्रमुख डॉ प्रियंका जैन ने बताया कि बीजीएच में आरम्भ की गई यह जाँच बोकारो में अपने आप में विशेष स्थान रखती है। हृदय को आपूर्ति करने वाली वाहिकाओं में रुकावट, प्लाक या जन्मजात कोरोनरी विसंगतियों के निदान के लिए ओपीडी के आधार पर की जाने वाली इस प्रक्रिया से बीजीएच में कोरोनरी हृदय रोग के मरीजों को बड़ी मदद मिलेगी।

कानूनी कार्रवाई बाल विवाह के खात्मे की कुंजी : सहयोगिनी

बोकारो : भारत में बाल विवाह के खात्मे में कानूनी कार्रवाइयों और अभियोजन की अहम भूमिका को उजागर करने वाली एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने संस्था कार्यालय आयोजित गोष्ठी मे कहा ने कहा कि कानूनी कार्रवाइयां और कानूनी हस्तक्षेप 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को हासिल करने की कुंजी हैं और उसने करीब एक साल के दौरान बोकारो में 68 बाल विवाह रुकवाए हैं। टूवार्ड्स जस्टिस : इंडिंग चाइल्ड मैरेज शीर्षक से जारी यह रिपोर्ट इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन की शोध टीम ने तैयार की है। सहयोगिनी और चाइल्ड प्रोटेक्शन फंड 2030 तक देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए काम कर रहे बाल विवाह मुक्त भारत के सहयोगी संगठन के तौर पर साथ हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे –5 के अनुसार बोकारो में बाल विवाह की दर 26 प्रतिशत थी जबकि राष्ट्रीय औसत 23.3 है। संगठन ने सरकार से अपील की कि वह अपराधियों को सजा सुनिश्चित करे ताकि बाल विवाह के खिलाफ लोगों में कानून का भय पैदा हो सके। इसीपी की रिपोर्ट ह्यटूवार्ड्स जस्टिस : इंडिंग चाइल्ड मैरेज बाल विवाह के खात्मे के लिए न्यायिक तंत्र द्वारा पूरे देश में फौरी कदम उठाने की आवश्यकता को रेखांकित करती है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में देश भर में बाल विवाह के कुल 3,563 मामले दर्ज हुए, जिसमें सिर्फ 181 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा हुआ।

नावाडीह के बरई गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं एक हिंदू परिवार डेढ़ सौ साल से मना रहा मुहर्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिला अंतर्गत नावाडीह प्रखंड के बरई गांव का एक हिंदू परिवार 150 वर्षों से मुहर्रम का त्योहार मना रहा है। ग्रामीणों के अनुसार इसकी शुरूआत वहां के पूर्व जमींदार स्व पंडित महतो ने की थी और उनके वंशज आज भी उसे निभा रहे हैं। इसमें गांव के अन्य लोग भी शामिल होते हैं, जबकि गांव में एक भी मुस्लिम परिवार नहीं है। पूर्व जमींदार पंडित महतो के परिवार ने अपनी जमीन पर एक इमामबाड़ा व कर्बला भी बनाया है। मुहर्रम को लेकर इस साल भी इमामबाड़ा व कर्बला में शनिवार को लोगों ने ताजिया का निर्माण करने के लिए पहले फातिहा पढ़ी। बुधवार को ताजिया को गांव में घुमाया जायेगा और गांव के कर्बला में दफन किया जायेगा।

आजादी के पहले से चल रही परंपरा

स्व पंडित महतो के वंशज सहदेव साव, योगेंद्र साव, चिंतामणि साव, रवि कुमार, सुरेश साव, उपेंद्र साव, शंभू साव, जितेंद्र साव, कुंदन कुमार ने बताया कि उनके पूर्वज बरई गांव के जमींदार थे। आजादी के पहले पास वाले गांव बारीडीह के तत्कालीन जमींदार से सीमा विवाद को लेकर खूनी संघर्ष हुआ था। इस मामले को लेकर हजारीबाग न्यायालय में मुकदमा चला और उसमें स्व पंडित महतो को फांसी की सजा सुनायी गयी थी। जिस दिन फांसी दी जानी थी , उस दिन मुहर्रम था। जब उनसे अंतिम इच्छा पूछी गयी तो उन्होंने मुजावर से फातिहा सुनने की इच्छा जाहिर की। इच्छा पूरी होने के बाद फैसला अनुसार उन्हें फांसी देने के लिए ले जाया गया। लेकिन तीन बार फांसी का फंदा खुल गया और ब्रिटिश कानून के तहत उन्हें मुक्त कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने नावाडीह प्रखंड के सहरिया गांव के मुजावर की देखरेख में बरई गांव में इमामबाड़ा व कर्बला बना कर मुहर्रम के मौके पर फातिहा पढ़ा और ताजिया बनाकर जुलूस निकाला। तब से स्व पंडित महतो के वंशज उसे परंपरा मानकर अबतक निभा रहे हैं।

महुदा के युवक की ट्रेन से गिरकर हुई मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : महुदा थाना क्षेत्र के लोहापट्टी टोला आमटांड़ निवासी खाढ़ू तुरी के इकलौते पुत्र सुमित कुमार तुरी (20 वर्ष) की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। गुजरात से वापस घर लौटने के क्रम में बिहार के कुदरा रेलवे स्टेशन के पास सोमवार को वह ट्रेन से गिर गया परिजन मंगलवार की सुबह उसका शव लेकर घर पहुंचे। इकलौते पुत्र का शव देख माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्य दहाड़ मारकर रोने लगे। मृतक के चचेरे भाई सुनील कुमार तुरी ने बताया कि सुमित मजदूरी करने गुजरात के अहमदाबाद गया था। कुछ दिन पहले ड्यूटी के दौरान उसके पैर में चोट लग गई थी, जिसकी वजह से वह वापस घर लौट रहा था। सोमवार की सुबह सूचना मिली कि भाई की मौत कुदरा स्टेशन के समीप ट्रेन की चपेट में आने से हो गई है। उसने बताया कि सुमित अहमदाबाद से धनबाद आने वाली ट्रेन की जेनरल बोगी में सफर कर रहा था। अधिक भीड़ की वजह से वह दरवाजे के समीप बैठा था। रविवार की देर रात कुदरा स्टेशन के समीप वह ट्रेन से गिर गया। ट्रेन की चपेट में आकर घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। कुदरा पुलिस की सूचना पर वे लोग पहुंचे और पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर घर लौटे। मंगलवार जमुनिया श्मशान घाट पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। सुमित के पिता खाढ़ू तुरी मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं।

धनबाद में अखाड़ा कमेटियों की भिड़ंत में एक घंटे तक होती रही ईंट-पत्थरों की बारिश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : मुहर्रम के दिन सुबह-सुबह 3 अखाड़ा कमेटियों में भिड़ंत हो गई। एक-दूसरे पर कमेटियों के सदस्यों ने ईंट-पत्थर बरसाए। जमकर मारपीट हुई। मामला धनबाद जिले के झरिया का है। जुलूस निकालने के दौरान आपस में 3 कमेटी के लोग आपस में ही उलझ गए। झरिया में कतरास मोड़ के चौथाईकुली से ऊपरकुली तक एक से डेढ़ घंटे तक तीन अखाड़ों के लोगों ने तांडव मचाया। पत्थरबाजी में एक दर्जन से अधिक लोगों के सिर में गंभी चोटें आईं हैं। घायलों की कुल संख्या का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोगों को पकड़ा गया है। हिंसा की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पत्थरबाजी कर रहे लोगों को रोका। काफी मशक्कत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। सिंदरी डीएसपी खुद मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभाला। डीएसपी वहीं कैंप कर रहे हैं। भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात कर दिया गया है। मुहर्रम के जुलूस के दौरान तरह-तरह के करतबों के बीच कुछ लोग आग के शोलों से खेल रहे थे। पुलिस ने उन्हें ऐसा करतब करने से मना किया, तो कथित तौर पर आग का एक गोला पुलिस पर फेंक दिया गया। गनीमत रही कि कोई पुलिसवाला इसकी चपेट में नहीं आया। सुबह-सुबह मुहर्रम जुलूस के दौरान हुई हिंसा के बाद से इलाके में तनाव का माहौल है। इन लोगों को आई है गंभीर चोट शेख मुद्दीन, मोहम्मद रफीक, कैफ मुर्शीद, रेहानश मोहम्मद आफताब।

या हुसैन, या हुसैन की रही गूंज, मुहर्रम पर शहर में निकाला गया ताजिया जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला मुख्यालय सहित जिले के कसमार, जैना मोड़, गोमिया, चास सहित विभिन्न हिस्सों से मुहर्रम जुलूस निकला। बोकारो में उकरीद, लकड़ीगोला, सेक्टर तीन, सेक्टर वन, डुमरो, हैसाबातू, मखदुमपुर, सिवनडिह से मोहर्रम के अवसर पर ऐतिहासिक ताजिया जुलूस शाही अंदाज में निकाली गई। ढोल-नगाड़ा, ताशों आदि परंपरागत वाद्यों के गूंज के बीच शहर की विभिन्न इलाकों से अंजुमन कमिटी के द्वारा जुलूस निकाली गई ।इस ताजिया जुलूस को शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न सड़कों पर काफी उत्साह के बीच घूमाया गया। इसके बाद आकर्षक ताजिये को मुस्लिम श्रद्धालुओं ने नया मोड़ तक पहुंचाया। वहां से सभी ताजिये को कर्बला में ले जाया जाएगा। जहां परंपरागत तरीके से ताजिया पहलाम करने का प्रचलन है। ज्ञात हो कि मोहर्रम में ताजियां, ताजिया के इजहार के साथ-साथ हक के जीत के प्रदर्शन का प्रतीक माना जाता है। ताजिया स्थापित स्थल पर कुरानखानी पढ़े जाने के बाद वहां से उठायी गई मिट्टी को कर्बला में डालने के बाद इस त्योहार का समापन होता है। ताजिया जुलूस में शामिल बच्चे, जवान, बूढ़े सभी या हुसैन या हुसैन का नारा लगा रहे थे।मौके पर जिला प्रशासन व बोकारो पुलिस मुस्तैद थी और उनके द्वारा माकूल और दुरुस्त व्यवस्था की गई थी। सौहार्दपूर्ण माहौल में जुलूस का समापन हुआ।

महिला को वैन ने मारी जोरदार टक्कर स्थिति नाजुक

बोकारो : पिंड्राजोरा थाना क्षेत्र के कुड़मा गांव के समीप एक पिकअप वैन के चपेट में आने से महिला गंभीर रुप से जख्मी हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जख्मी महिला को पुलिस गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल महिला का इलाज चल रहा है जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है। महिला के सर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले पिकअप वैन को जब्त कर लिया है। घटना के बाद घायल महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी रास्ता पार कर रही थी। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप वैन ने टक्कर मार दी। लहूलुहान स्थित में ही महिला सड़क पर पड़ी हुई थी जिसके बाद पिंडरा जोड़ा थाना की पुलिस ने महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है।

कैमरून में फंसे झारखंड के 27 मजदूरों ने सरकार से वतन वापसी की लगाई गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड के बोकारो, हजारीबाग और गिरिडीह जिले के मजदूरों के विदेश में फंसे होने का मामला सामने आया है. राज्य के 27 प्रवासी मजदूर दक्षिण अफ्रीका के कैमरून में फंसे हैं। मजदूरों को पिछले चार महीने से कंपनी की ओर से मजदूरी का भुगतान नहीं किया गया है। ऐसी स्थिति में मजदूरों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। मजदूरों ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए अपनी परेशानी बताई है। इतना ही नहीं वीडियो जारी कर सरकार से वतन वापसी की गुहार लगाई है। साथ ही उन्होंने बकाया मजदूरी का भुगतान करने की भी मांग की है।

सोशल एक्टिविस्ट ने की अपील

प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर काम करनेवाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली ने केंद्र और राज्य सरकार से मजदूरों की सकुशल वतन वापसी की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह कोई पहला मामला नहीं है। इसके पहले भी कई बार प्रवासी मजदूर अधिक पैसे कमाने की लालच में विदेश जाकर फंस चुके हैं। काफी मशक्कत के बाद इनकी वतन वापसी कराई गई। इसके बावजूद प्रवासी मजदूर पुरानी घटनाओं से सबक नहीं ले रहे हैं। सरकार को मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए रोजगार बढ़ाने की जरूरत है।

इन जगहों के है मजदूर

मजदूरों में गिरिडीह जिले के सरिया थाना क्षेत्र के चिचकी के सुकर महतो, डुमरी थाना क्षेत्र के अटकी के रमेश महतो, विजय कुमार महतो, दुधपनिया के दौलत कुमार महतो, हजारीबाग जिले के बिष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के अचलजामु के बिसुन, जोबार के टेकलाल महतो, खरना के छत्रधारी महतो, चानो के भीखन महतो, चिंतामन महतो व मोहन महतो, डेगालाल महतो, गोविंद महतो, चुरामन महतो, जगदीश महतो, मुरारी महतो, लखीराम, बोकारो जिले के पेंक नारायणपुर थाना क्षेत्र के कद्दुखुटा के पुसन महतो, कमलेश कुमार महतो, महेश कुमार महतो, दामोदर महतो, गोनियाटो के मुकुंद कुमार नायक, नारायणपुर के परमेश्वर महतो, घवैया अनु महतो, धनेश्वर महतो, रालिबेड़ा शीतल महतो, कुलदीप हांसदा शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

डेकोरेटिव आइटमों से सुसज्जित गोकुल बास्केट शोरूम का हुआ उद्घाटन

धनबाद : गोकुल बास्केट का बुधवार को हीरापुर, हरि मंदिर रोड, पेट्रोल पंप के समीप शोरूम का फीता काटकर उद्घाटन समाजसेवी कीनू मोदी ने किया। इस अवसर पर गोकुल बास्केट की संचालिका मेघा मोदी ने कहा की इस शोरूम में ओडिसा, कश्मीर, मुंबई, जयपुर, इंदौर व शहरों अन्य के बेस्ड आइटम उपलब्ध है। जैसे पाइनवुड ट्री, मेटल ट्री, जूट ट्री, प्लास्टिक ट्री, इम्पोर्टेड फ्लावर व फ्लावर कंटेनर, विभिन्न प्रकार के पेपर वैरायटी, रिटर्न गिफ्ट, ड्राई फ्रूट बॉक्स, स्वीट बॉक्स तथा अन्य आकर्षक गिफ्ट और सजावटी सामानो का होलसेल कॉन्सेप्ट में ऐसा कोई दुकान नहीं था। जिसमें उचित रेट में सारे सामान उपलब्ध हो। उन्होंने कहा अपने घरों, प्रतिष्ठानों को सजाने के लिए यह सब डेकोरेटिव सामान लाने मेट्रो सिटी जाते थे धनबाद में अब सब चीजों के शोरूम खुल रहे हैं तो इन डेकोरेटिव आइटमों का क्यों नहीं खुले इसी सोच के साथ मैंने धनबादवासीओं के सुविधा के लिए यह आकर्षक डेकोरेटिव आइटमो का शोरूम खोली हूँ। इसमें 70 से लेकर 1000 तक के आकर्षक गिफ्ट एवं डेकोरेटिव आइटम उपलब्ध है जो देखते ही पसंद आएंगे। शोरूम में विभिन्न आइटमों से सुसज्जित एक से एक गिफ्ट हैंपर भी उपलब्ध है। उन्होंने कहा की शोरूम के मोबाइल पर संपर्क करके पूरे देश में अपने मनपसंद की उपहार के वस्तुओं की सेवा कुरियर और डाक सेवा के माध्यम से उपलब्ध है। मेघा मोदी ने धनबादवासियों से एक बार शोरूम की खूबसूरत आइटमों का अवलोकन का आग्रह की है। उद्घाटन के मौके पर दीपक मोदी व कीनू मोदी ने शोरूम में आए अतिथियों एवं ग्राहकों का स्वागत अभिनंदन किया।

दर्जनों सामाजिक महिला कार्यकर्ताओं ने ग्रहण की जदयू की सदस्यता

कतरास : श्यामडीह मोड़ स्थित यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय में जदयू पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह उपस्थित हुए। सभी ने जदयू पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो तथा प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह पर आस्था रखते हुए फटामहुल पंचायत के सीमा देवी के नेतृत्व मे लालचक एवं खेपचाटांड़ के दर्जनों समाजिक महिला कार्यकर्ताओं ने जदयू का दामन थामा ।इस अवसर पर टुंडी विधानसभा क्षेत्र से सदस्यता ग्रहण करने वाली अंजु देवी, यशोदा देवी, बिल्लु देवी, मालती देवी, ममता देवी,नमिता देवी, देवकी देवी, गीता देवी, चायना देवी, अनिता देवी, रीता देवी, लीला देवी, सुलोचना देवी, मोहीनी देवी, सेफाली देवी, आरती देवी, रुबी देवी, सोनाली देवी, बसंती देवी, बबीता कुमारी, मीना देवी, आदि दर्जनों समाजसेवी महिला कार्यकताओं ने जदयू का दामन थामा ।इस अवसर पर दीप नारायण सिंह ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएं जदयू पार्टी से जुड़ रहे हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में जदयू पार्टी एक मजबूत विकल्प के रूप में झारखंड प्रदेश में दिखाई देगी। सिंह ने कहा कि दिनांक – 23 जुलाई को बाघमारा प्रखंड कार्यालय में भ्रष्टाचार और सरकारी योजनाओं में हो रही लुट के विरुद्ध हल्ला बोल, पोल खोलऱ कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु हजारों की संख्या में बाघमारा प्रखंड कार्यालय चलें। यह आंदोलन गांव – गरीब, मजदूर – किसान भाइयों की लड़ाई है। इस अवसर पर जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह,बाघमारा प्रखण्ड अध्यक्ष गोपाल चन्द्र गोप, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिला महासचिव अशोक कुमार दास, गंगा प्रसाद शर्मा, सीमा देवी, सरीता देवी, सुभाष सिंह आदि उपस्थित रहे।

बीएसएल में रूबरू कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : बीएसएल कार्मिकों का निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में रुबरु नामक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएसएल के लगभग पचास अनाधिशासियों ने भाग लिया। संवाद कार्यक्रम के आरम्भ में निदेशक प्रभारी की अगुवाई में सभी ने सुरक्षा शपथ ली। सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं) कुमार रजनीश ने सुरक्षा संस्कृति परिवर्तन : आगे का रास्ताऱ की थीम पर एक प्रस्तुतीकरण किया। प्रमोद कुमार सिंह, वरीय प्रबंधक (सुरक्षा) ने कवच पोर्टल के बारे में विस्तृत रुप से बताया। प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बीएसएल में सभी कर्मचारियों के बीच सुरक्षा और जिम्मेदारी की भावना को बढ़ाना तथा सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने, संभावित खतरों की पहचान करने और प्रभावी सुरक्षा उपायों को लागू करने के बारे में बताया गया। निदेशक प्रभारी ने बताया कि कैसे दैनिक जीवन में सुरक्षा व्यवहार को शामिल करने से एक सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

निषाद समाज ने वीआईपी सुप्रीमो के पिता के हत्यारों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की

बोकारो : निषाद कल्याण समिति बोकारो झारखंड की एक आवश्यक बैठक सेक्टर 9 में की गई। जिसमे बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं विकाशील इंसान पार्टी सुप्रीमो मुकेश साहनी जी के पिताजी जीतन साहनी जी का निर्मम हत्या बिहार के दरभंगा जिले के घनश्याम पुर थाना अंतर्गत सुपौल बाजार स्थित उनके मूल निवास स्थान पर कर दी गई। उक्त निर्मम हत्या से बोकारो के निषाद परिवार काफी मर्माहत व दुखी हैं। उक्त घटना को अत्यंत ही निंदनीय बताया गया तथा अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई तथा इस बैठक में शामिल सभी सदस्यों ने स्व जीतन साहनी जी केलिए शोक सभा कर 2 मिनट का मौन रख कर उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित की गई।इस बैठक में मुख्य रूप से सामिल प्रमुख लोगो में भाजपा मत्स्य प्रकोष्ठ के प्रदेश संजोयक ललन कुमार निषाद, योगेंद्र कुमार चौधरी, पूर्व बीरचंद किशोर चौधरी, संभू साहनी, सुनील कुमार, अजीत कुमार चौधरी, प्रभु नाथ चौधरी, संजय कुमार निषाद, राजेंद्र चौधरी, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, सुरेंद्र कुमार चौधरी, अरुण कुमार चौधरी।

एक नजर

बिशुनपुर में घुरती रथयात्रा का किया गया आयोजन

बिशुनपुर : प्रखंड मुख्यालय एवं बनारी में बुधवार को घूरती रथ यात्रा धूमधाम के साथ संपन्न हो गया। मौसी बड़ी से भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रहों को विधि विधान के साथ पूजा अर्चना कर रथ में सवार करने के बाद श्रद्धालुओं के द्वारा रथ खींचकर ब्लॉक परिसर स्थित मंदिर से थाना परिसर स्थित मंदिर पहुंचाया गया जबकि बनारी में सिद्धिदात्री दुर्गा मंदिर से देवी मंडप पहुंचाया गया जहां ब्राह्मण मुन्नू पंडित टेमन दास प्रेमचंद मिश्रा के द्वारा विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए महाप्रभु के विग्रहों को मंदिर मैं स्थापित किया गया इस अवसर पर भक्तों के द्वारा हरि बोल के नारे लगाए जा रहे थे। इस मौके पर भिखारी भगत गणेशराम महतो कृष्ण सिंह राजू मांझी बिंदेश्वर साहू अशोक चौरसिया भोला गुप्ता प्रमोद सिंह चंदन गुप्ता मनीष कुमार विद्यानंद ठाकुर वीरेंद्र ठाकुर बैजनाथ महतो सहित के श्रद्धालु उपस्थित थे।

एसपी ने सर्किल इंस्पेक्टर कार्यालय का किया उद्घाटन

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित सिसई थाना परिसर में बुधवार को एसपी शंभु कुमार सिंह ने सर्किल इंस्पेक्टर कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा सिसई सर्किल के अंतर्गत चार थाना क्षेत्र हैं। जिसमे सिसई थाना, भरनो थाना, पूसो थाना और करंज थाना शामिल है। सिसई सर्किल बनने से क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने,एक विशिष्ट भगौलिक क्षेत्र या सर्किल के भीतर प्रशासनिक कार्यो की देखरेख के साथ आम जनों को सुरक्षा मुहैया कराने में पुलिस को काफी मदद मिल पाएगा। वर्तमान में सिसई सर्किल इंस्पेक्टर के रूप में विनय कुमार को पदभार सौंपा गया है। उन्होंने सिसई सर्किल इंस्पेक्टर के रूप में अपना योगदान ग्रहण कर चुके हैं। अभी सिसई थाना परिसर में पूर्व से निर्मित एक पुराने भवन को मारम्मत कर कार्यालय बनाया गया है। जल्द ही एक नया सर्किल भवन बनवाया जाएगा। मौके पर एसडीपीओ गुमला सुरेश प्रसाद यादव,सर्किल इंस्पेक्टर विनय कुमार,थानेदार संदीप कुमार यादव, एसआई अजय कुमार,एसआई आशीष कुमार समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

महुदी की घटना को लेकर सांसद पंहुचे घटनास्थल, हालात का लिया जायजा

बड़कागांव : हजारीबाग जिले के बड़कागांव प्रखंड के महुदी गांव में रामनवमी मार्ग पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे आंदोलनकारी अमन कुमार और अजय सिंह को बाजबरन सोमवार की रात पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसी घटना को लेकर स्थानीय भोला प्रसाद को घर में सोने के दौरान पुलिस द्वारा उठाकर विवाद स्थल पर ले जाया गया और फिर उनपर बेरहमी से लाठी डंडे बरसाई गई। जिससे भोला महतो बुरी तरह घायल हो गए। महुदी प्रकरण को लेकर घटना की जानकारी मिलते ही हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल गंभीर हुए और बुधवार को उन्होंने खुद बड़कागांव के महूदी पंहुचकर हालात का जायजा लिया। सांसद मनीष जायसवाल ने महुदी, शिवाडीह, सोनपुरा, हरली, विश्रामपुर, नयाटांड़, चोपदार बलिया सहित आसपास के कई गांवों में पंहुचकर स्थानीय लोगों से मिलकर बात की। पुलिस की पिटाई से घायल हुए भोला महतो के पक्ष से बड़कागांव थाने को आरोपी पुलिसकर्मी पर कारवाई करने हेतु एफआईआर करने हेतु आवेदन दिया गया ।

मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलने वाले दो आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित सिसई पुलिस को मिली बड़ी उपलब्धि सिसई थाना क्षेत्र के बंधन ग्राम से चोरी के मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलने वाले अभियुक्त के घरों में सिसई पुलिस ने छापामारी कर कुल नौ चोरी के मोटरसाइकिल बरामद किया गया हैं। तथा दो नामदर्ज अभियुक्तों को गिरफ्तार को समय रहते दबोचने में मिली बड़ी सफलता। जबकि उक्त कांड से संबंधित दो अन्य नामजद अभियुक्त अब भी पुलिस पकड़ से बाहर है। सिसई पुलिस ने दो नामजद अभियुक्तों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय एवं मीडिया के समक्ष प्रस्तुत कर भेजा गुमला जिले सिसई पुलिस ने बताया की एक गुप्त सूचना मिली कि शीशे थाना स्थित बंधनी ग्राम निवासी शाहनवाज अंसारी (पिता- खलील अंसारी) के पास चोरी का मोटरसाइकिल है। जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलाया जा रहा है। उक्त सूचना मिलते ही सिसई थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए, उक्त गुप्त सूचना को उच्च पदाधिकारी गुमला जिला पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह एवं एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव को दी गई और उनके दिशा निर्देश पर एक छापामारी दल का गठन किया गया। जिसमें सिसई थाना प्रभारी सह पुअनि संदीप कुमार यादव, के नेतृत्व में पुअनि अजय कुमार, तथा क्रमशः रिजर्व गार्ड हवलदार निमन उरांव, और आरक्षी सुबोध गोप, तथा नरेंद्र सरदार के साथ दिनांक 16-07-2024 को एक सन्हा संख्या 14 /2024 दर्ज करते हुए, उक्त गुप्त सूचना की सत्यापन और आवश्यक कार्य हेतु उक्त छापामारी दल सिसई थाना स्थित बंधनी ग्राम निवासी शाहनवाज अंसारी के घर में छापामारी कर जेएच 3 डी. 4701 बरामद कर, शाहनवाज अंसारी को विधिवत गिरफ्तारी कर उसके निशान दही पर उक्त ग्राम के अभियुक्त रकीब अंसारी के घर से 04 चोरी की मोटरसाइकिल जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाया हुआ था। तथा उक्त ग्राम के एक अन्य अभियुक्त साहब अंसारी के घर से 03 चोरी का मोटरसाइकिल, जिस पर फर्जी नंबर प्लेट लगा हुआ बरामद किया गया। साथ ही साथ आर. सी. कार्ड जो की फर्जी पाया गया, उक्त सभी कुल 09 चोरी के मोटरसाइकिल पर फर्जी नंबर प्लेट लगा हुआ मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उक्त काण्ड के मुख्य प्राथमिक कि अभियुक्त 23 वर्षीय शाहनवाज अंसारी (पिता- खलील अंसारी) उक्त ग्राम दूसरे अभियुक्त 20 वर्षीय तेजारूल अंसारी (पिता - मेहदिन अंसारी) दोनों अभियुक्त सिसई थाना स्थित बंधनी ग्राम निवासी हैं। जिन्हें विधिवत गिरफ्तारी कर न्यायालय में प्रस्तुत कर गुमला जेल भेज दिया गया हैं और दो अन्य उक्त ग्राम के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त रकीम अंसारी पिता - बसीर अंसारी एवं 25 वर्षीय साहब अंसारी पिता- खलील अंसारी के गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह छापामारी की जा रही है। गुमला पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह ने गुमला जिले में अपराधिक घटनाओं में अंकुश लगाने के लिए जिले के सभी विभिन्न थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग, रात्रि गस्ती सहित जिले के बॉर्डर क्षेत्र उड़ीसा झारखंड तथा मध्य प्रदेश झारखंड बॉर्डर क्षेत्रों से ब्राउन शुगर, गांजा, भांग, हीरोइन, स्मैक, अफीम चरस, सहित गोवंशीय तस्करों द्वारा समय-समय पर बड़ी खेप में तस्करी घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं, पुलिस के लाख कोशिश के बावजूद भी समय समय पर उक्त तस्करों द्वारा संचालित प्रतिबंधित अवैध धंधों को पूर्णतः रोका नहीं जा सका है। फिर भी गुमला पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह ने जिले में अवैध धंधों पर और आपराधिक मामलों पर अंकुश लगाने की पूरी तैयारी कर ली गई है।

संक्षिप्त खबरें

मुहर्रम की दशमी पर सरिया में निकाल गया ताजिया जुलूस, युवाओं ने दिखाये करतब

सरिया(गिरिडीह) : सरिया प्रखंड क्षेत्र में मोहर्रम की दसवीं पर बुधवार को कई गांव में ताजिया जुलूस निकाला गया। जो इमामबाड़ा से चलकर रैन टांड पहुंचा। जहां ताजिया मिलन के बाद लोग लाठी डंडे के खेल खेले। युवाओं ने एक से बढ़कर एक हैरत अंग्रेज करतब दिखाए। या अली या हुसैन के नारों से पूरा क्षेत्र गूंजायमान रहा। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर प्रशासनिक रूप से सुरक्षा कर्मियों की प्रति नियुक्ति की गई थी। इस संबंध में मोकामो गांव के पूर्व मुखिया अनवर हुसैन ने बताया कि दोपहर को रैन टांड में ताजिया मिलन के बाद युवाओं ने लाठी डंडे का खेल दिखाए। उसके पश्चात लोग ताजिया को पुनः वापस इमामबाड़ा ले गए। वहीं शाम को मुस्लिम धर्मावलंबी ताजिए के साथ कर्बला मैदान पहुंचे। जहां लोगों ने सिरनी चढ़ाई। वहीं युवाओं ने देर शाम तक पारंपरिक हथियारों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाये। उन्होंने बताया कि मोहर्रम पर्व हजरत हुसैन की याद में मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार मोहर्रम वर्ष का पहला महीना होता है। सरिया क्षेत्र के मोकामो, करतवाटांड, केश्वारी, मधवाडीह, चीरूवां, भागलपुर, उर्रो, आमनारी, न्यू अलीपुर, नावाडीह, संरकी, खेशकरी, पचंबा सहित सभी मुस्लिम बाहुल्य गांव में ताजिया का जुलूस निकाला गया।

नए थाना प्रभारी से मिले पत्रकार संघ के सदस्य, बुके देकर किया स्वागत

चैनपुर : चैनपुर थाना के नए थाना अध्यक्ष के रूप में मंगलवार को कुंदन चौधरी ने पदभार ग्रहण किया। वहीं बुधवार को चैनपुर पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष सचिन कुमार की अगुवाई में पत्रकार संघ के सदस्यों ने नए थाना प्रभारी कुंदन चौधरी को बुके देखकर स्वागत किया। इस दौरान थाना प्रभारी ने सभी पत्रकारों से जान पहचान की। इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण, अवैध तरीके से हो रहे शराब बिक्री पर रोक, शराब तस्करी पर शिकंजा, शांति व्यवस्था कायम रखना व नागरिकों के बीच पुलिस की बेहतर कार्य कुशलता एवं छवि प्रस्तुत करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस पब्लिक समन्वय बनाएं रखने के लिए शांति समिति की बैठक समय-समय पर बुलाई जाएगी। जितने भी पैंडिंग मामले हैं इसका निष्पादन जल्द करने की कोशिश की जाएगी,आपसी भाईचारा एवं सद्भाव बना रहे इसके लिए पुलिस लगातार ग्रामीणों से संपर्क बनाकर कार्य करेगी। साथ ही इस क्षेत्र के होने वाली घटनाओं पर अंकुश लगाने का कार्य करूंगा। जिसपर उन्होंने बहुत से मुद्दों पर चर्चा करते हुए कहा कि यहां के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त किया हूं। जिसमें अंधविश्वास, डायन विसाही, नशा खोरी, चोरी, हत्या और स्वच्छता जैसे मामलों पर भी मैं लोगों को जागरूक करते हुए मामले का निष्पादन करूंगा। उन्होंने आम लोगों से अपील करते हुए कहा है कि थाना से किसी प्रकार का भी कार्य हो तो बेझिझक होकर थाना आये। आपके कार्य व आपकी मदद के लिए ही हम थाना में बैठे हैं। थाना से किसी को डरने की आवश्यकता नहीं है। मौके पर मुख्य रूप से सचिन कुमार, मनोज कुमार, राहुल कुमार, रूपेश गुप्ता, अंकित कुमार, रंजीत कुमार, कुलदीप कुमार, शनिरंजन कुमार, अभिषेक केशरी उपस्थित थे। वहीं बुधवार सुबह से ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व स्थानीय ग्रामीणों का नए थाना प्रभारी कुंदन चौधरी से मिलकर स्वागत करने का सिलसिला जारी रहा।

उषा मार्टिन की पहल से युवाओं के लिए फूड एंड विबरेज कोर्स चलाया गया

अनगड़ा : वर्तमान दौर में आत्मनिर्भर होने के लिए कुशलता जरूरी है। कुशलता के लिए हमारे पास किसी भी क्षेत्र में विशेषज्ञता लेनी होगी। अगर हमारे पास हुनर नहीं है, तो हम जीवन में सफल नहीं हो सकते हैं। उक्त बातें उषा मार्टिन के वरीय महाप्रबंधक मुकुल विश्वास ने कहीं। वह आज उषा मार्टिन परिसर में ग्रामीण युवाओं के लिए फूड एंड विबरेज कोर्स के परिचालान के शुभारंभ होने पर अपना विचार व्यक्त कर रहे थे। चार माह तक चलने वाले इस कोर्स को उषा मार्टिन फॉउंडेशन एवं फ्रोसटिस के संयुक्त तत्ववावधान में चलाया जा रहा है। इसके साथ ही दो पहिया एवं चार पहिया वाहन के मरम्मत एवं रखरखाव का भी कोर्स शुरू किया जा रहा है। इस अवसर पर उप प्रमुख वीणा देवी ने कहा कि उषा मार्टिन जनकल्याण का लगातार कोर्स चला रहा है ताकि ग्रामीणों को स्वरोजगार और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग हो। इसके लिए युवाओं को सीखने की ललक होनी चाहिए। एक बार हुनर आ गया, तो फिर जीवन में मुड़कर नहीं देखना होगा। सत्यजीत पाल ने कहा कि कंपनी के सहयोग से पहले चरण में 30 युवाओं को प्रशिक्षत कर रोजगार के लिए सक्षम बनाया जायेगा। समझौता के तहत 70 फीसदी बच्चों को रोजगार दिलाने में फ्रोसटिस सहयोग करेगी। संस्था के सीएसआर अभिषेक खन्नरा ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं का हुनर निखारा जायेगा। महिलौंग के मुखिया संदीप तिर्की ने कहा कि कंपनी का यह रोजगार देने का प्रयास काफी सराहनीय है। इस अवसर पर उषा मार्टिन के सीएसआर हेड मयंक मुरारी के अलावा, प्लेसमेंट हेड मधुसूदन सिंह, सीएसआर विभाग से प्रिया बागची, वरुण कुमार, संगीता देवी, भुवनेश्वर महतो, मेवालाल महतो आदि उपस्थित थे।

कुलसुद गांव के महुवाडीह टोला के लोग 15 दिनों से अंधेरे में

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत कुलसुद गांव के महुवाडीह टोला में विगत 1 जुलाई की रात के अंधेरे में अज्ञात चोरों के द्वारा ट्रांसफार्मर खोलकर कोयल की चोरी कर लिया गया। ट्रांसफार्मर की क्षमता 10 केवीए का था। बताते चले कि ट्रांसफार्मर में लाइन चालू रहने के बावजूद चोरों के द्वारा डंडे का सहारा लेकर फ्यूज को हटाया गया और कोयल की चोरी की गई जिसके कारण ग्रामीण 15 दिनों से अंधेरे में जीने को विवश हैं। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात का मौसम होने के कारण काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समस्त ग्राम वासियों ने भारत सरकार के रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ को आवेदन देकर नए ट्रांसफार्मर देने की मांग की है।

कार और बाइक में सीधी टक्कर, तीन युवक गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट थाना के पास बसिया मोड़ के पास मोटरसाइकल व कार में सीधा टक्कर। मोटरसाइकल सवार तीन युवक गंभीर। बताते चंलू कि बसिया मोड़ के पास बजाज पल्सर में तीन युवक सवार होकर गुमला तरफ जा रहे थे। तभी सामने से आ रही कार से जोरदार सीधा टक्कर में 20 वर्षीए टेंगरिया खिजूर टोली गांव निवासी शमीम उरांव घायल, दूसरा युवक 19 वर्षीए डहुडांड खूटी टोली निवासी प्रकाश मुंडा व तीसरा युवक अरविंद उरांव 18 वर्षीए डहुडांड खूटी टोली निवासी हैं। तीनो युवकों को दुर्घटना के बाद पालकोट पुलिस को सुचना दिया गया। पालकोट थाना प्रभारी मो० जंहागीर दल के साथ घायल युवकों पालकोट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ईलाज के बाद बेहतर ईलाज के लिए गुमला भेज दिया गया।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत किया गया पौधरोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित सिसई योग गुरु, सह योग प्रचारक गजराज महतो इन दिनों पर्यावरण संरक्षण हेतु पौधा रोपण के लिए एक पेंड़ मां के नाम अभियान चलाए हुए हैं अभी तक वे दर्जनों स्कूलो में पौधा रोपण कर स्कूली बच्चे, शिक्षक सहित आमजनों को अधिक से अधिक पेंड़ पौधे लगाने व उसका संरक्षण करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं. साथ ही धरती से घटती पेंड़ पौधों से होने वाली नुकसान को भी समझा रहे हैं। उन्होंने कहा जिस रफ्तार से पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है उस हिसाब से पेंड़ नही लगाया जा रहा है। जिससे पर्यावरण असंतुलित होते जा रहा है। ऐसी ही स्थिति बनी रही तो एक दिन हमे शुद्ध हवा और पानी के लिए तड़पना होगा। पेंड़ पौधे धरती का श्रृंगार होता है इसी से समस्त जीवों को ऊर्जा मिलती है। हर हिंदुस्तानी प्रत्येक वर्ष सिर्फ एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे तो पेंड़ पौधों की कमी नहीं होगी।आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह करते हुए हम सभी को ऑक्सीजन जनित पेड़ नीम, बरगद,पीपल के साथ फलदार पेड़ आम, जमुन, आंवला, अमरुद, नारियल के साथ छायादार वृक्षों को अभी से लगाना शुरू कर देना चाहिए। अभी तक वे प्रखण्ड मुख्यालय सिसई, कुडुख विद्यालय छारदा, मध्य विद्यालय बघनी, करकरी, बाँस टोली, सोंगरा, शिवनाथपुर, आर सी प्राथमिक विद्यालय सैंदा,माघी बालिका उच्च विद्यालय सिसई, प्राथमिक विद्यालय कुलंकेरी, आश्रम विद्यालय व आरोग्य मंदिर बरगांव, मकुंदा, कुलंकेरी में सैकड़ो पौधा लगवा चुके हैं। एक पेंड़ माँ के नाम अभियान को स्कूलों बच्चों का खासा समर्थन मिल रहा है।

छत्तरपुर में शांति और सौहार्द के साथ मनाया गया मुहर्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

छतरपुर : छतरपुर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से मोहर्रम का जुलूस बुधवार को पूरे शहर छतरपुर में निकाल गया, लगभग सभी जुलूस छतरपुर थाने परिसर में आकर एक सभा में तब्दील होकर अस्त्र-शस्त्र लाठी डंडे तलवार गड़ासे से प्रदर्शन करते हुए अपनी अपनी करतब दिखाकर बड़े शांति का परिचय देते हुए मुहर्रम का त्यौहार संपन्न किया। साथ ही या अली या हुसैन के नारो से पूरा छतरपुर शहर गुंजायमान रहा। इसमें विभिन्न कमिटियों का अपना अहम योगदान रहा, खाटीन, मसीहानी, खेंदरा, अर्जूनडीह, रामगढ़, बसनाराज, छतरपुर ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नौशाद आलम के द्वारा ताजिया को देख प्रथम द्वितीय एवं तृतीय प्राइज से पुरस्कृत किया गया। सभा को सम्बोधित करते हुए सरताज खान ने बताया कि मैं अपने छतरपुर के हिंदू मुस्लिम एकता को सलाम करता हूं। कहा कि कभी भी यहां प्रायः देखा गया है कि कोई भी पर्व हो शांति और सौहार्द के साथ ही हिंदू मुस्लिम मानते है। थाने परिसर में सभा संचालन नौखेज खान के द्वारा किया गया।

मुरी पूर्वी और बांसारूली पंचायत में टैंकर से उपलब्ध कराया गया पानी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड अंतर्गत बुधवार के दिन मुरी पूर्वी और बांसारूली पंचायत के लोहार टोला में विभिन्न जगहों पर झारखंड सरकार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो के दिशा निर्देश के अनुसार मुरी पूर्वी पंचायत समिति सदस्य अरविंद कुमार और आजसू पार्टी के पंचायत प्रभारी की मदद से टैंकर के द्वारा ग्रामीणों के बीच पानी की आपूर्ति की गई। बताते चलें कि क्षेत्र में आवश्यकता अनुसार बारिश नहीं होने के कारण पानी की किल्लत अभी भी जारी है। लोगों को शादी विवाह और मृत्यु भोज करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय विधायक की पहल पर ग्रामीणों के बीच पानी उपलब्ध कराया गया। जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

मुहर्रम को लेकर पुरानी रायडीह में ताजिया मिलन मेला सह आखाड़ा का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गुमला : मोहर्रम पर्व को लेकर बुधवार को रायडीह प्रखंड के पुरानी रायडीह में ताजिया मिलन मेला सह मोहर्रम आखाड़ा का आयोजन किया गया। मेले में प्रखंड के चार गांव नवागढ़ पतराटोली, बरगीडांड़, महुआटोली व पुरानी रायडीह का ताजिया मिलन किया गया साथ ही फातिया खानी कर हुसैन के सदके में सभी अमन चैन की दुआ मांगी गयी मेले में आकर्षण का केंद्र बना ताजिया, सिपड़ व झांकी शेरे अली का तलवार जुल्फेकार, इस एतिहासिक मेला सह मोहर्रम आखाड़ा का मुख्य अतिथि के रुप में चैनपुर स्पेक्टर महिन्द्र करमाली थे उन्होंने अपने संदेश में कहा की जिस प्रकार सभी समुदाय के लोग इस मेले का आयोजन किये है काबिले तारीफ है इस प्रकार का एकता शायद ही कहीं होगा यह पुरे देश में एक मिशाल कायम करेगा और जिस प्रकार से अस्त्र-शस्त्र से खेल का प्रदर्शन किया गया है इसे लगातार अभ्यास में रखे यह हमे स्वास्थ्य रहने में मदद करेगा। वहीं गुमला अंजुमन इस्लामिया के सदर मोशाहीद आजमी पम्मू ने कहा की मोहर्रम पर्व हुसैन के शहादत में मनाया जाता है और हमारे हुसैन ने सच्चाई के लिए अपनी शाहदत दे दी उन्होंने सच्चाई के लिए सर कटाना चहा पर सर झुकाना नहीं चाहा हमें उनके नक्शे कदम पर चलने की जरुरत है वहीं उन्होंने कहा की हमारे समुदाय के लोग शिक्षा में काफी मेहनत करें बच्चों को पढाए तभी आपका विकास होगा। वहीं मुस्लिम युवाओ के द्वारा एक से बढ़कर एक खेल कर्तब अस्त्र-शस्त्र चालन का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर चारो गाँव से जुटे बुजुर्ग बुद्धिजीवी गणमान्य सभी समुदाय के अविभावको को पगड़ी पोसी व बैच देकर सम्मानित किया गया। इसके पुर्व मोहर्रम की नवमी तारीख मंगलवार रात्रि नवागढ़ पतराटोली मे भव्य मोहर्रम जुलुस निकाला गया, जुलुस नवागढ़ पतराटोली इमाम बाडाऩे शुरू होकर नेशनल हाईवे 43 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ईदगाह मुहल्ला तक गया जहां ताजिया और सिपड़ का मिलान किया गया। तत्पश्चात जुलुस पुनः इमाम बाड़ा पहुंच कर संपन हुआ, जुलुस मे अतिथि के रूप मे चैनपुर एसडीपीओ अमिता लकड़ा, चैनपुर इंस्पेक्टर महेन्द्र करमाली, गुमला अंजुमन सदर मोशाहीद आजमी पम्मु, सेक्रेटरी मकसुद आलम, पूवार्नुमान इस्लामिया के सचिव शहजाद अनवर भाजपा नेता विनय कुमार लाल, जेएमएम नेता मोहम्मद लड़न, भाजपा जिला महामंत्री मिशिर कुजूर शामील हुए।

संविधान हत्या दिवस की आवश्यकता क्यों?

मृत्युंजय दीक्षित

कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है।6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था।शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे।

लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस के नेतृत्व में इंडी गठबंधन ने एक झूठा नैरेटिव व्यापक स्तर पर चलाया था कि अगर केंद्र में नरेन्द्र मोदी इस बार 400 सीटों के साथ सरकार बनाने में सफल हो जाते हैं तो संविधान बदल दिया जाएगा तथा भविष्य में फिर कोई चुनाव नहीं होगा। इस झूठ ने चुनाव को प्रभावित किया और भाजपा अकेले पूर्ण बहुमत नहीं ला पाई। चुनाव के बाद संसद के प्रथम सत्र में इंडी गठबंधन के नेता संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते दिखाई दिए। संविधान की सुरक्षा को लेकर देश में तीखी राजनीतिक बहस चल रही है। राहुल गांधी, अखिलेश यादव और शशि थरूर आदि ने संविधान के इसी पॉकेट साइज संस्करण को हाथ में लेकर शपथ ली। विपक्ष का इरादा आगामी विधानसभा चुनाव में भी संविधान की रक्षा करने का नैरेटिव चलाने का है, क्योंकि अब उसे लग रहा है कि संविधान, आरक्षण और लोकतंत्र की रक्षा के झूठे नैरेटिव के सहारे ही भाजपा का विजय रथ रोका जा सकता है। संविधान की रक्षा के नाम पर दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों आदि को भाजपा से दूर किया जा सकता है।

इस वर्ष देश को कांग्रेस द्वारा आपातकाल के अंधेरे में झोंकने के भी पचास वर्ष हो रहे हैं। संविधान के पॉकेट साइज संस्करण को लहराते लोगों को वास्तविकता का स्मरण कराते हुए संसद के प्रथम संक्षिप्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और प्रधानमंत्री मोदी ने आपातकाल को याद करते हुए कांग्रेस सहित संपूर्ण विपक्ष को आईना दिखा दिया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में आपातकाल को सबसे बड़ा काला अध्याय बताया था। आपातकाल कांग्रेस व उसके सहयोगियों की एक दुखती रग है। लोकसभा अध्यक्ष आपातकाल की भर्त्सना का प्रस्ताव लाए और सदन में दो मिनट का मौन रखा।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश की राजनीति के सबसे काले अध्याय आपातकाल से वर्तमान और भारी पीढ़ियों को अवगत कराने के लिए अब केंद्र सरकार ने प्रतिवर्ष 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेते हुए इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी है। यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय है, क्योंकि जन सामान्य जिसने आपातकाल का दौर नहीं देखा उसे पता होना चाहिए कि संविधान बदलना और उससे खिलवाड़ करना वास्तव में क्या होता है, जो कांग्रेस ने आज से पचास साल पहले किया था।

संविधान हत्या दिवस की अधिसूचना आने के बाद अब हर वर्ष

25 जून को कांग्रेस के काले कारनामे जनता को याद दिलाए जायेंगे स्वाभाविक है इससे कांग्रेस और इंडी गठबंधन असहज है और अनापशनाप बयानबाजी कर रहा है। प्रियंका गांधी वाड्रा से लेकर शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे गुट के संजय राऊत तक सभी बहुत ही विकृत बयान दे रहे हैं। इनका कहना है कि जिस घटना को 50 वर्ष हो चुके हैं भाजपा उसे क्यों याद रखना चाहती है? इनका तर्क माने तो फिर स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस भी नहीं मनाना चाहिए क्योंकि उसके तो पचहत्तर वर्ष बीत गए हैं? कुतर्क कांग्रेस का चरित्र बन गया है।

वास्तविकता यह है कि 25 जून हर उस व्यक्ति और परिवार के घाव पर मरहम लगाने और स्मरण करने का दिन है जो इंदिरा गांधी की सत्ता लोलुपता के लिए लगाए गए आपातकाल की क्रूरता का पीड़ित है। इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए जिस तरह संविधान का गला घोंटा था वह संविधान की हत्या के रूप में ही याद किया जा सकता है। उस दौरान देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को पूरी तरह से छीन लिया गया था। लाखों लोगों को बिना कारण जेल भेज दिया गया था। जेल में लोगों पर क्रूर अमानवीय अत्याचार किए गए थे। लाखों परिवारों को आपातकाल में अथाह दुःख सहन करना पड़ा था। इस दौरान सत्तारूढ़ कांग्रेस के नेताओं ने भयंकर भ्रष्टाचार किया और देश की संपत्ति को अंग्रेजों और मुगल आक्रमणकारियों की तरह लूटी गई। चाहे फिल्म और संगीत जगत रहा हो या समाचार जगत या फिर राजनीति कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं बचा था जहां आपातकाल के अत्याचार न पहुंचे हों। डर और कुंठा के उस माहौल को क्यों भूल जाना चाहिए? देश को पता चलना चाहिए कि आपातकाल और तानाशाह क्या होता है जिससे कोई भी व्यक्ति कभी भी इंदिरा गांधी जैसी हरकत दोबारा न कर सके। जो सबसे जघन्य अपराध संविधान के साथ हुआ वह था उसकी आत्मा की हत्या करके उसकी प्रस्तावना में पंथ निरपेक्ष और समाजवाद शब्द जोड़ा जाना, यह तुष्टीकरण का सबसे घृणित उदाहरण है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हिटलर कहने वाली कांग्रेस की रग-रग में तानाशाही भरी है। एक समय था जब कांग्रेस समाज के हर वर्ग को अपनी इच्छा के अनुरूप ही नियंत्रित करती थी फिर वह चाहे कार्यपालिका हो, न्यायपालिका या फिर मीडिया और मनोरंजन जगत। राज्यों में गैरकांग्रेसी सरकारों को ताश के पत्तों के घर की तरह गिरा दिया जाता था। कांग्रेस ने केवल 25 जून को ही संविधान की हत्या नहीं की अपितु कई अवसरों पर संविधान का गला घोंटा। गांधी परिवार ने कई बार देश की न्यायपालिका के आदेशों को खारिज करवाया जिसमें शाहबानो प्रकरण की चर्चा अभी भी हो रही है। कांग्रेस के आपातकाल में सबसे अधिक संविधान संशोधन किए गए थे और जमकर मुस्लिम तुष्टिकरण का खेल भी खेला गया।

राहुल गांधी अपने पूर्वजों की राह पर चलते हुए वर्तमान समय में भी तानाशाही रवैया अपना रहे हैं और देश में अराजकता का वातावरण बनाने का प्रयास कर रहे हैं। अठारहवीं लोकसभा के के प्रथम सत्र में देश के इतिहास में पहली बार प्रधानमंत्री को बोलने से रोकने के लिए गजब का हंगामा किया गया। नेता प्रतिपक्ष ने स्वयं सांसदों को वेल में जाकर हल्ला मचाने को बाध्य किया। ये किसी भी स्थिति में स्वस्थ लोकतंत्र का परिचायक नहीं है और कांग्रेस की तानाशाही मानसिकता दिखता है।

कुछ लोग संविधान हत्या दिवस नामकरण का विरोध कर रहे हैं कि यह नाम उचित नहीं है जबकि यह नाम पूरी तरह से सही भी है और एकदम सटीक भी क्योंकि कांग्रेस लगातार संविधान की हत्या ही करती आ रही है। 6 दिसंबर 1992 को अयोध्या के विवादित ढांचे के टूट जाने के बाद भाजपा शासित चार राज्यों की चुनी हुई सरकार को बिना कारण बर्खास्त कर दिया गया था। शिवसेना नेता संजय राऊत तो दो कदम आगे निकलकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल विहारी वाजपेयी पर ही आरोप लगा रहे हैं कि वह भी आपातकाल लगा सकते थे। संजय राऊत यह बात भूल गए हैं कि यह अटल जी ही हैं जिन्होंने गठबंधन राजनीति में भी शुचिता की पराकाष्ठा स्थापित की और किसी भी प्रकार का गलत गठबंधन नहीं किया, अपितु अपनी सरकार के एक वोट से गिरने पर सीधे इस्तीफा देने राष्ट्रपति भवन चले गये थे। केंद्र सरकार ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस घोषित करके एक तीर से कई निशाने साधे हैं। इससे जहां एक और कांग्रेस असहज हुई है वहीं जो लोग केंद्र सरकार को बहुत कमजोर समझ रहे थे वो भी सकते में हैं साथ ही आपातकाल के बाद जन्मी पीढ़ी इसके विषय में जानने को उत्सुक दिख रही है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

थोक महंगाई में बढ़त

खुदरा महंगाईके बाद अब थोक महंगाई ने भी आम लोगों को तगड़ा झटका दिया है। जून महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.08 फीसद पर पहुंच गई थी जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। अब थोक महंगाई ने भी लगातार चौथे महीने बढ़त दिखाई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि थोक महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह खाद्य पदार्थों, कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस ग खनिज तेल तथा अन्य विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धिरही। गौरतलब है कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई मई में 2.61 फीसद के स्तर पर थी। जून, 2023 में यह शून्य से 4.18 फीसद नीचे रही थी। फरवरी, 2023 में यह 3.85 फीसद थी। खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर जून में 10.86 फीसद बढ़ी जबकि मई माह में यह 9.82 फीसद थी। सब्जियों की महंगाई दर जून में 38.76 फीसद रही जो मई माह में 32.42 फीसद थी। प्याज की महंगाई दर 66.37 फीसद रही जबकि आलू की महंगाई दर 66.37 फीसद रही। दालों में भी 21.64 फीसद की बढ़त दर्ज की गई। फलों, अनाज, दूध आदि अन्य खाद्य पदार्थों के दामों में भी बढ़त का रुझान रहा। दरअसल, जून माह में थोक दामों में बढ़ोतरी व्यापक रही। ईंधन और बिजली को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्रों में दाम बढ़े। बेशक, जुलाईमाह में कुछराहत मिलने के अनुमान है। अनुकूल तुलनात्मक आधार के साथ-साथ वैश्विक जिंस कीमतों में कुछ नरमी के कारण जुलाई माह में थोक महंगाई में दो फीसद तक नरमी आने की उम्मीद अर्थशास्त्री जतला रहे हैं। अलबत्ता, नरमी की संभावना को कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता से झटका लग सकता है। जुलाई माह में कच्चे तेल के दामों में अस्थिरता के चलते मांग-आपूर्ति के मद्देनजर मासिक आधार पर कच्चे तेल में वृद्धि का रुझान देखने को मिला तो थोक महंगाईपर दबाव बढ़ सकता है। बेशक, थोक महंगाई में बढ़त का रुझान केंद्रीय बैंक को उतना चिंता में नहीं ड़ालता जितना खुदरा महंगाई का रुळझान। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। लेकिन यह भी सच है कि थोक दामों का असर भी खुदरा महंगाई पर कुछ समय बाद दिखलाई पड़ने लगता है। फिर, धारणा से भी निश्चित ही आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैंग जिससे इनकार नहीं किया जा सकता। बहरहाल, कर संग्रह आदि आर्थिक संकेतक मजबूत हैंग जिससे दामों के सीजनल दबावों से पार पाने में मदद मिलेगी।

चिंतन-मनन

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संभारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है।

दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं।

और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है। ऐसा है। क्यों? और सभी कहते हैं कि हम सुख को खोजते हैं।

मेरे पास रोज लोग आते हैं, जो कहते हैं-हम सुख चाहते हैं। अगर तुम सुख चाहते हो तो कोई भी बाधा नहीं है; सुख तो लुट रहा है। सुख तो चारों तरफ मौजूद है। गंगा सामने बहती है और गंगा के लिए तो चाहे दो कदम भी उठना पड़े, सुख तो उससे भी करीब है। सुख तो तुम्हारा स्वभाव है। डूबो इस स्वभाव में। जिन्होंने भी कभी आनंद पाया है, उन्होंने एक बात निरंतर दोहराई है कि आनंद तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार है। तुम जिस दिन तय कर लोगे कि आनंदित होना है, उसी क्षण आनंदित हो जाओगे। फिर एक पल की भी देरी नहीं है। देरी का कोई कारण नहीं है।

बजट का हलुवा और हलुए का बजट

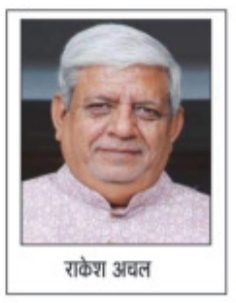

राकेश अचल

भारत अनोखा देश है। यहां सब कुछ अनोखा होता है ,जो दुनिया के शायद तमाम देशों में न होता हो। भारत में सरकार बजट पेश करने से पहले एक समारोह करती है जिसे अंग्रेजी में हलुवा सेरेमनी कहते हैं। इस हलुवा समारोह का लिखित इतिहास मुझे तो खोजने पर नहीं मिला,लेकिन जाहिर है कि इसके पीछे भी कांग्रेस ही रही होगी ,क्योंकि आज का भारत तो 2014 के बाद का भारत है। आज के भारत में स्टेशनों,शहरों और कानूनों के नाम बदले गए लेकिन गनीमत है कि इस हलुवा सेरेमनी को अभी तक हाथ नहीं लगाया गया है।

भारत में हलुवा और बजट आम आदमी के लिए ही बनाया जाता है। हलुवा सबसे सस्ता और सुलभ मिष्ठान भी है। गांवों से लेकर शहरों तक लोकप्रिय है। अमीर-गरीब सभी इस हलुए को पसंद करते हैं। शायद अंग्रेज भी करते हों। हलुवे की लोकप्रियता कालांतर में इतनी बढ़ी कि इसे मुहावरे का सम्मान मिल गया। किसी भी काम में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार या गोलमाल करने को भी हलुवा करना ही कहा जाता है। हलुवा बनाना और हलुवा करना एक खास कला है ,इस्सके कलाकार ज्यादातर सियासत में या नौकरशाही में मिलते हैं। जहाँ ईमानदारी से हलुवा बनता है वो जगह केवल गुरुद्वारा है ,लेकिन गुरुद्वारों में बनने वाले हलुवे को हलुवा नहीं कड़ा-प्रसाद कहा जाता है। हलुवा जब प्रसाद बन जाता है तो आत्मा को सुकून देता है ,लेकिन जब हलुवा बजट बनता है तो हमेशा मीठा नहीं लगता।

वैसे आपको बता दूँ कि हलुआ एक प्रकार का मिष्ठान्न है जिसकी उत्पत्ति फ़ारस से हुई है और व्यापक रूप से पूरे मध्य पूर्व में फैली हुई है।। हलुवा साधारणतः आटे, सूजी, गहि और शर्करा से बनता है। बाद में आप इसमें बारीक पिसे हुए बीज या बादाम भी मिला सकते हैं आजकल तो हर चीज का हलुवा बननी लगा है जो बजट हलुवे से सर्वथा भिन्न होता है। हलुवा अब हैसियत से बाबस्ता हो गया है। जिसकी जैसी हैसियत उसका वैसा हलुवा। मठ का अलग,मंदिर का अलग और कर्तव्यपथ का लग किस्म का हलुवा होता है। मुंबई वालों का हलुवा तो सबसे अलग होता ही है। भाई अनंत की शादी में किस तरह का हलुवा बना हमें पता नहीं।

इस साल के बजट का हलुवा समारोह नार्थ ब्लाक में सम्पन्न हो गया। आम बजट के हलुवे को किसने बनाया मुझे नहीं पता, किन्तु केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने सबसे पहले ये बजट हलुवा अपने मंत्रालय के अधिकारीयों और कर्मचारियों में तकसीम किया। इसी नार्थ ब्लाक में बजट छपने वाली छपाई मशीन लगी है। ताकि बजट लीक न हो। बजट लीक हो या न हो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क इस बात से पड़ता है कि बजट में हलुवे की जो मिठास है वो आम आदमी तक भी पहुँच पायेगी या नहीं ? देश में कांग्रेस ने दशकों तक बजट का हलुवा किया। अब एक दशक से भाजपा ये काम कर रही है। इस साल के बजट में तो भाजपा के साथ टीडीपी और जेडीयू को भी हलुवा करने का सौभाग्य मिला है।

कोई भी सरकार हो बजट में हलुवा करना उसका जन्मसिद्ध अधिकार है। सरकार चाहे केंद्र की हो या राज्य की बजट में हलुवा करती ही है। ये बात और है कि अनेक राज्यों में हलुवा सेरेमनी नहीं होती। निर्मला जी मुझसे चार महीने छोटी हैं लेकिन मुझसे ज्यादा पढ़ी लिखी हैं। निर्मला जी के पास हलुवा बनाने की कोई उपाधि नहीं है किन्तु उन्होंने भाजपा सरकार के लिए सबसे ज्यादा बार बजट हलुवा तैयार किया। वे राजनीति में पिछले दरवाजे से [राज्य सभा] आयीं थीं लेकिन वे पिछले छह -सात मर्तबा बजट हलुवा बनाने का सौभाग्य हासिल कर चुकी हैं। वे भाजपा की सबसे ज्यादा सौभाग्यशाली वित्त मंत्री हैं। उनके हलुवा बनाने पर किसी को संदेह नहीं हैंसिवाय उनके अपने पति को । भाजपा सरकार ने बीच में उन्हें हलुवा बनाने की जिम्मेदारी से मुक्त कर देश कोई रक्षा का और बाद में कारपोरेट का काम भी सौंपा लेकिन जब दूसरे वित्त मंत्री ढंग से बजट हलुवा नहीं बना पाए तो उन्हें वापस वित्त मंत्री बनाकर बजट हलुवा बनाने की जिम्मेदारी दे दी गयी।

देश में किसी भी दल की सरकार हो लेकिन आम जनता को उसके बजट हलुवे से तमाम उम्मीदें बनी रहतीं है। इस बार के बजट से देश के सभी वर्गों के लोगों को काफी उम्मीदें हैं। आगामी बजट को लेकर आम लोगों को उम्मीद है कि इस बार उन्हें सरकार की तरफ से थोड़ी राहत दी जाएगी। चूंकि यह बजट आम चुनावों के बाद का पहला बजट है ऐसे में सरकार के लिए भी यह बजट काफी महत्वपूर्ण होने वाला है।

आम चुनाव में सरकार ले-देकर बनी है। इसलिए सरकार पर बजट को मीठा बनाने का दबाव है। सरकार के सामने कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव भी है। इस कारण सरकार द्वारा अपने वोट बैंक को भुनाने के लिए आम बजट में लोगों को खुश को लेकर ऐलान किए जाने की उम्मीद की जा रही है.

नौकरीपेशा यानी सैलरी क्लास से लेकर, महिलाएं, किसान, टैक्सपेयर्स और युवावर्ग तक के लोग इस बार के बजट में सरकार से राहत की उम्मीद कर रहे है। उन्हें उम्मीद है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब बजट 2024 - 25 पेश करेंगी तो उनके लिए कोई खास ऐलान किया जा सकता है। बजट 23 जुलाई 2024 को पेश किया जाएगा । तब तक सभी को बजट हलुवे की महक से ही काम चलना पडेगा। बजट हलुवे का स्वाद कैसा होगा ये 23 जुलाई को ही पता चलेगा । भाजपा सरकार का नया बजट स्वाद में चाहे जैसा हो किन्तु उसका रंग तो भगवा ही रहने वाला है। देश का भगवाकरण हो रहा है तो बजट और उसका हलुवा इस रंग से कैसे बच सकता है।

इस समय देश को ऐसे हलुवे की जरूरत है जो किसानोन्मुखी हो। किसान हलुवा पेश होने की फ़िक्र किये बिना अपनी पुरानी मांगों को लेकर छह महीने का राशन - पानी लेकर दिल्ली आने वाले है। इस बार सरकार उन्हें दिल्ली आने से रोक भी नहीं सकती ,क्योंकि माननीय अदालत ने किसानों के दिल्ली जाने के अधिकार को संवैधानिक बता दिया है। अब देखना ये है की आने वाले दिनों में केंद्र द्वारा बनाया गया हलुवा फ़ैल तो नहीं जाएगा ? भगवान करे कि ऐसा न हो।

वायरस प्रकोपः लापरवाही बरतने से बचे सरकार

अजय प्रताप तिवारी

भारत में हीटवेव और प्रचंड गर्मी से थोड़ी राहत मिली नहीं कि वायरसों ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कई राज्य वायरस की गिरफ्त में हैं। महाराष्ट्र में जीका वायरस, केरल में दिमाग को खाने वाले अमीबा बुखार, कर्नाटक में डेंगू आफत बन चुका है। बढ़ते जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से दुनिया में समय-समय पर विभिन्न प्रकार के वायरस पनप रहे हैं, जो मनुष्यों के जीवन के लिए घातक सिद्ध हुए हैं। ये वायरस इतने खतरनाक होते हैं कि पल भर में मनुष्यों के जीवन को लील देते हैं।

जीका वायरस का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं को है, क्योंकि इससे नवजात शिशुओं में माइक्रोसेफैली होने का खतरा होता है, जिससे शिशुओं के मस्तिष्क का विकास नहीं हो पाता। जीका वायरस का वाहक एडिज मच्छर है। यह वायरस इंसानों से पहले रीसस बंदरों में देखा गया था जो अफ्रीकी देश युगांडा के जीका जगलों में पाया गया था। इसका प्रकोप इंसानों पर 2007 से तेज हुआ है। जीका वायरस ने 2015 में पूरे विश्व में तबाही मचाई जिसमें लाखों लोगों की जान चली गइफ विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे 2016 में वैश्विक आपदा घोषित किया। भारत में पहली बार जीका वायरस का मामला 2016-17 में गुजरात में प्रकाश में आया था। मानव के मस्तिष्क के तंतुओं को नष्ट कर देने वाला अमीबा बुखार मानव जीवन

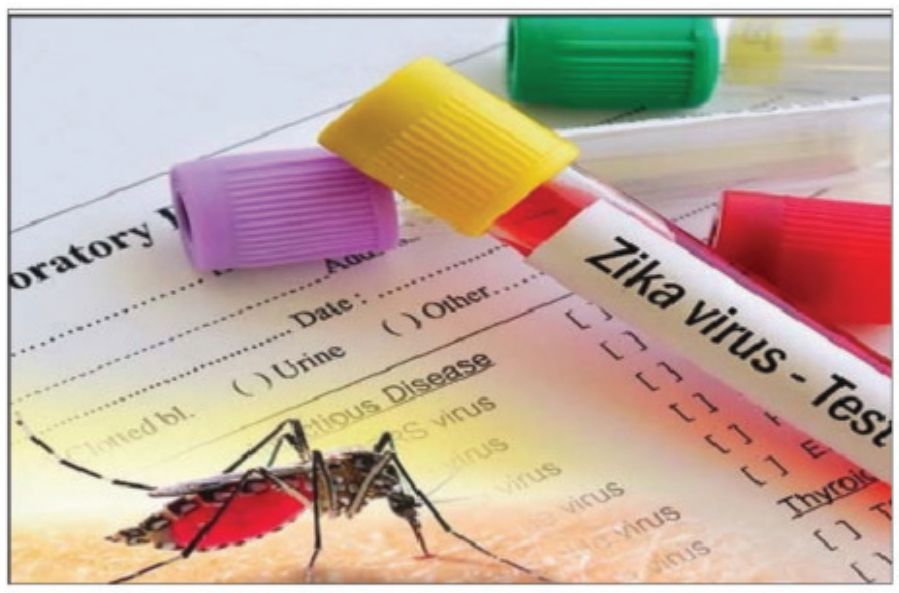

के लिए बड़ी चुनौती है। इस बुखार का पहला मामला 2016 में केरल में सामने आया था। तब से अब तक यहां आठ मरीज मिले हैं, और सभी की मौत हुई। केंद्र सरकार के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार अब तक केरल से हरियाणा और चंडीगढ़ तक 22 लोगों की मौत हुई हैग जिनमें से छह मौत 2021 के बाद दर्ज की गईं। नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुतवज्ञान अनुसंधान संस्थान के अनुसार, 2019 तक देश में इस बीमारी के 17 मामले सामने आए लेकिन कोविड-19 महामारी के बाद तमाम तरह के नये संक्रमणों में उछाल देखने को मिला है।

पिछले कुछ वर्षों में मंकीपॉक्स, इबोला, निपाह वायरस, कोविड-19, जीका वायरस लगातार पैर पसार रहे हैं। ये संक्रमण इतनी तेजी से फैलते हैं कि देखते ही देखते पूरे शहर को संक्रमित कर देते हैं। जीका वायरस एडीज मच्छर से फैलने वाला घातक वायरस है। एडिज एजिप्टी डेंगू और चिकनगुनिया का वाहक भी है। जीका वायरस यौन संबंध से भी फैलता हैग मां से भ्रूण में प्रवेश कर जाता है जो पेट में पल रहे बच्चे के तंत्रिका तंत्र को प्रभावित कर देता है। जीका वायरस भविष्य में कोविड-19 से भी भयानक रूप ले सकता है। यह मनुष्यों के लिए ही घातक नहीं है, बल्कि भावी नस्ल को भी मानसिक रूप से कमजोर करेगा। विभिन्न प्रकार के संक्रमण इंसानों को आतथक एवं सामाजिक रूप से कमजोर बनाते हैं। देश में तेजी से फैलता संक्रमण न केवल स्वास्थ्य चिंता का विषय है, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी पटरी से उतार देता है। पर्यटन एवं उद्योग के साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी हद तक प्रभावित करता है, आयात-निर्यात पर भी गहरा प्रभाव ड़ालता है। संक्रमण के चलते लंबे समय तक स्वास्थ्य समस्याएं बनी रहने से कार्यबल में गिरावट आती है जिसका प्रभाव उत्पादन क्षमता पर पड़ता हैग काम का दबाव बढ़ता है। सामाजिक दूरियां बढ़ती हैंग जिसका असर कोविड-19 के समय भी देखने को मिला था। संक्रमण समय से नहीं रोका नहीं गया तो मानव सभ्यता को नष्ट कर ड़ालेगा। जलवायु परिवर्तन और प्रकृति में मानवीय हस्तक्षेप से संक्रमण का प्रभाव पशु-पक्षियों में भी देखने को मिल रहा है।

भारत में इस वक्त में बारिश का मौसम है। इसलिए सबसे ज्यादा खतरे की बात है। जगह-जगह जल-भराव की समस्या से एडिज मच्छर पनपते हैं। गांवों के तालाबों, नालियों और गड्ढों में तब्दील जमीनों में साफ पानी का भराव होता है जिससे एडिज मच्छर पनपने की गुंजाइश बनती है, इससे गांवों में जीका वायरस फैलने का खतरा है। भारत में जीका वायरस या नये वायरसों के निदान की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है, यदि है भी तो बहुत सीमित। बढ़ता संक्रमण रोकने के लिए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी नीति-निर्माण आवश्यक है। जीका वायरस के निदान हेतु बाहर से आने वाले यात्रियों की गहन जांच की जाए और उनका डाटा तैयार किया जाना चाहिए ताकि शहर या गांव में किसी भी प्रकार के वायरस का पता लगने पर उन व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया जा सके जो बाहर से आए हैं। राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर संक्रमण निवारण केंद्र बनाने की जरूरत है। त्वरित जांच टीम बनाना जरूरी है। जागरूकता अभियान और शिक्षा के माध्यम से शहरों और गांवों में लोगों को इसके बारे में जानकारी देनी चाहिए। गांव, कस्बों में स्वास्थ्य मित्र नियुक्त करके महीने में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करते रहना चाहिए, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरदानी वितरण और दवा का छिड़काव समय-समय पर किया जाना चाहिए ताकि मच्छरों का प्रकोप बढ़ न पाए। मच्छरों का प्रकोप कम करने के लिए जीएम मच्छरों को तैयार करना चाहिए। इंसानों के साथ ही पशु-पक्षियों में पनप रहे संक्रमण को रोकने का भी उपाय करना चाहिए।

एक नजर

पत्रकार शेख अलाउद्दीन की मौत, दुर्घटना या हत्या, निष्पक्ष जांच करें प्रशासन : गुलाम रब्बानी

चांडिल : पत्रकार शेख अलाउद्दीन की संदिग्ध सड़क दुर्घटना में मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया। मालूम हो कि वे मंगलवार को दोहपर करीब 12 बजे आपने मोटरसाइकिल से खबर संकलन के लिए सरायकेला जिला मुख्यालय के लिए घर से निकलें थे। इसी दौरान सरायकेला थाना क्षेत्र के बैगनबाड़ी के समीप फ्लाई एश लदे वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। इस दौरान वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। जहां उन्हें बेहतर इलाज के टाटा मुख्य अस्पताल जमशेदपुर भेजा गया था। जहां इलाज के क्रम में उनकी निधन हो गई। उनके निधन से जिले के पत्रकार मर्महित हैं। साथ ही पत्रकारों में रोष भी व्याप्त है। इधर पत्रकार शेख अलाउद्दीन की संदिग्ध मौत के बाद जिले के पत्रकार गुलाम रब्बानी ने बुधवार को सरायकेला के पुलिस अधीक्षक, उपायुक्त एवं कोल्हान के डीआईजी को एक पत्र लिखा है और पत्रकार शेख अलाउद्दीन की मौत को सुनियोजित हत्या बताया है। पत्रकार गुलाम रब्बानी ने उनकी मौत की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सरायकेला या मुख्यालय डीएसपी के नेतृत्व में एक जांच टीम का गठन करने और आसपास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर उक्त वाहन को चिन्हित कर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया है।

डीबीएल कंपनी में सामान चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने भेजा जेल

साहिबगंज : जिले में साहिबगंज से मनिहारी के बीच गंगा नदी पर गंगा पुल बना रही डीबीएल कंपनी का लोहे का प्लेट की चोरी करते मंगलवार की देर रात को डीबीएल कंपनी के कर्मी ने एक चोर को रंगेहाथ चोरी किए गए सामानों के साथ पकड़ कर मुफस्सिल थाना क्षेत्र की पुलिस को सूचना देकर पुलिस के हवाले कर दिया था। उधर मुफस्सिल थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि डीबीएल कंपनी के साइट से लोहे का प्लेट चोरी करने के मामले में महादेवगंज तीरटोला निवासी आरोपी सुभाष यादव पिता बिष्णुदेव यादव का सदर अस्पताल में मेडिकल जाँच के करवाने के बाद बुधवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

दो बाइकों की आमने सामने की टक्कर में 3 युवक हुए घायल

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के लोहंडा में दो बाईकों की आमने सामने की टक्कर में 3 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए जहां सभी घायलों को पुलिस के सहयोग से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा हैं कि लोहंडा पेट्रोल पंप के पास प्रेमनगर निवासी मनकू कुमार अपने बाइक पर सवार होकर घर जा रहा था इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक पर सवार रामा शंकर व कृष्णा कुमार दोनों की आमने सामने टक्कर हो गई जिसमें तीनों युवक घायल हो गया। फिलहाल जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र की पुलिस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रही है।

अपनी मांगों को लेकर कर्मचारियों ने बैठक कर बनायी रणनीति, कलम बंद हड़ताल आज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

उधवा : राज्य स्तरीय कमेटी द्वारा निर्धारित 14.7.2024 की एक दिवसीय धरना में लिए गए निर्णय तथा ज्ञापांक 41 दिनांक 14.7.2024 द्वारा जारी की गई प्रेस विज्ञप्ति के आलोक में आज दिनांक 15.7.2024 को साहेबगंज समाहरणालय के सभागार में जिला के जिला अध्यक्ष के अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में समाहरणालय कर्मी के अलावे संविदा के आधार पर नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर तथा आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटर तथा समाहरणालय अंतर्गत चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों द्वारा भी भाग लिया गया। आज की बैठक में सर्वप्रथम 9 सूत्री मांग पत्र तथा इससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। तदोपरांत राज्य स्तरीय कमेटी द्वारा लिए गए निर्णय यथा कल दिनांक16.7.2024 को काला बिल्ला लगाकर कार्य करना, 18.7.2024 को कलम बंद हड़ताल करना, दिनांक 20.7.2024 को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपना, 20.7.2024 के शाम को कैंडल मार्च निकालना तथा दिनांक 22.7.2024 से अनिश्चितकालीन हड़ताल में जाने का जानकारी दिया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी कर्मियों के द्वारा राज स्तरीय कमेटी के द्वारा लिए गए निर्णय को सहमति दी गई। यह निर्णय लिया गया क्योंकि कल आंदोलन का पहला चरण है जिसमें सभी कर्मियों को काला बिल्ला लगाना है। इस क्रम में सभी कार्यालय प्रधान को निर्देश दिया गया कि अपने अपने स्तर से अपने कार्यालय के सभी कर्मियों के लिए काला बिल्ला की व्यवस्था कर सभी कर्मियों को काला बिल्ला लगवाना सुनिश्चित करेंगे, साथ ही काला बिल्ला सहित सामुहिक फोटो ग्रुप के माध्यम से शेयर करना सुनिश्चित करेंगे। पुनः यह निर्णय लिया गया कि 20.07.2024 को प्रखंड अंचल सहित सभी कार्यालय के कर्मीगण जिला मुख्यालय में 12:00 बजे दिन में उपस्थित होकर उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने हेतु कार्य में भाग लेंगे। आज की बैठक में मुख्य रूप से संघ के मुख्य संरक्षक भरत यादव, जिला तथा अनुमंडल मुख्यालय के अनुसचिवीय कर्मीगण एवं कम्प्युटर आपरेटर उपस्थित थे।

साहिबगंज में ताजिया जुलूस को लेकर जिला प्रशासन चौकस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मुहर्रम पर्व 17 जुलाई 2024 को मनाया गया। मुहर्रम पर्व के अवसर पर धूमधाम से ताजिया जुलूस शहर के हबी पुर, एलसी रोड, कुलीपाड़ा, रसूलपुर दहला, अंजुमन नगर, चैती दुर्गा, से निकाला गया। इस अवसर पर असामाजिक एवं आपराधिक तत्वों के द्वारा उपद्रव करने की संभावना बनी रहती है, इसको लेकर जिला के प्रशासन द्वारा सभी चिन्हित संवेदनशील स्थलों पर सतर्कता एवं निगरानी हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई एवं सुरक्षा व्यवस्था किया गया। मोहर्रम पर्व के अवसर पर शांति और विधि व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव एवं उपायुक्त हेमंत सती द्वारा संयुक्त आदेश जारी कर दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल और लाठी बल की प्रतिनियुक्ति की गई। साथ ही सभी प्रखंडों के वरिय प्रभारी पदाधिकारी को विशेष दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति किया गया है। सदर प्रखंड के सैकड़ो स्थलों पर गश्ती दल सहित दंडाअधिकारी के साथ पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षा बलों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी सहित सशस्त्र बल को अपने प्रतिनियुक्ति स्थान पर निश्चित रूप से योगदान देने का निर्देश दिया गया था। साथ ही जुलूस में डीजे बजाना पूर्ण रूप से प्रतिबंधित है। जुलूस में उत्तेजक, भड़काऊ गाना, नारेबाजी, तथा प्रतिबंधित हथियारों का प्रदर्शन नहीं किया जाना है। इस हेतु अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सभी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जहां समाहरणालय मे जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। जिला नियंत्रण कक्ष में 24*7 पालीवार पदाधिकारी और कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। शिवगादी आने वाले वाहनों को वनवे, धर्मशाला में कांवरियो को रहने एव लाइटिंग की व्यवस्था, सावन में बेहतर संचालन को लेकर वॉलिंटियर, कांवरियों के लिए मेडिकल हेल्थ कैंप, इन सभी विषयों पर बारीकी से चर्चा की गई। वहीं वालंटियर, पुलिस एवं शिवगादी प्रबंध समिति श्रद्धालुओं को पीतांबरी शिवलिंग पर सुलभ जलअर्पण कराए। वहीं मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष रूपक साह, उत्पल दत्त, संजय गुप्ता, प्रदीप डोकानिया, निरंजन भगत, नंदकिशोर भगत, के अलावा अन्य सदस्य मौजूद थे।

बरहरवा में उपेक्षा का दंश झेल रहा है जल जीवन मिशन योजना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहरवा : प्रखंड के विभिन्न पंचायत में संचालित जल जीवन मिशन हर घर जल योजना विभागीय उपेक्षा का दंश झेल रहा है। नगर पंचायत को छोड़कर लगभग सभी 24 पंचायत में सरकार का यह महत्वाकांक्षी योजना का आलम यह है कि राशि के अभाव में अधिकांश योजनाएं अधूरा स्थिति में पड़ा है। जिस कारण से लोगों को अभी तक शुद्ध पेयजल का लाभ मिलता नहीं दिख रहा है। शुरू में जब गांव घरों में जल जीवन मिशन योजना का कार्य प्रारंभ हुआ था तो लोगों में थोड़ी बहुत आस जगी थी कि शायद अब उन्हें आसानी से शुद्ध पेयजल मिल जाएगा पर बाद में विभागीय लापरवाही एवं राशि के अभाव में यह योजना धूल फांक रहा है।प्रखंड के मिजार्पुर पंचायत के टीला गांव में इसी तरह का यह योजना अपूर्ण स्थिति में पिछले चार महीने से लटका पड़ा है। पूछे जाने पर कनीय अभियंता उमेश कुमार मंडल ने बताया कि प्रखंड के विनोद पुर एवं बिंदु पाड़ा पंचायत में फिलहाल यह योजना पूर्ण रूप से काम कर रहा है। जबकि बाकी के पंचायत में राशि के अभाव में यह सारी योजनाएं अपूर्ण स्थिति में पड़ा हुआ है। फंड में पैसे मिलने के साथ ही सभी योजना का कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ कर दी जाएगी, एवं जनमानस को इसका समुचित लाभ मिलना प्रारंभ हो जाएगा।

शिवगादी मिनी बाबा धाम में विधि व्यवस्था को लेकर हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहेट : प्रखंड अंतर्गत शिवगादी मिनी बाबा धाम में बुधवार को शिवगादी प्रबंध समिति अध्यक्ष सह बीडीओ अंशु कुमार पांडे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिवगादी प्रबंध समिति के कार्यकारी अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संरक्षण, सदस्य, शामिल हुए। बैठक में उपस्थित लोगों को 22 जुलाई से सावन माह की शुरूआत हो रही है, संचालक को लेकर चचाएं की गई। बैठक में अध्यक्ष अंशु कुमार पांडे ने कहा कि सावन माह में बंगाल, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, से लाखों की संख्या में श्रद्धालु कांवर लेकर बाबा धाम पहुंचते हैं। कांवरियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो हर संभव कांवरियों को बेहतर सुविधा मिले इसका ध्यान रखा जाए। सावन में बरहेट से

या अली, या हुसैन के नारों से गूंजी फिजा, चौड़ा में निकला ताजिया जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कुकडू : बुधवार कों मुहर्रम का त्यौहार शांति व भाईचारे के साथ संपन्न हुआ। मुहर्रम के मौके पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कुकडू प्रखंड के चौड़ा में आकर्षक ताजिया व निशान के साथ जुलूस निकाला। इस दौरान या अली, या हसन, या हुसैन के नारा से पूरी फिजा गूंजती रही। चौड़ा मिल मैदान में चौड़ा ऊपर टोला, चौड़ा माझी टोला व पश्चिम बंगाल के हुडूमदा, पाटाहेसल का ताजिया जुलुस शामिल हुआ था। जबकि सिरकाडीह का निशान आया था। इस दौरान मिल मैदान चौड़ा में युवाओं ने तलवार, लाठी, भाला से कई हैरतअंगेज लाठी खेल का प्रदर्शन किया। मुहर्रम के जुलुस के दौरान जगह - जगह सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये थे। जहां तिरुलडीह थाना की पुलिस थाना प्रभारी अलम चाँद महतो के नेतृत्व में मुस्तैद दिखी। वहीं जिला प्रशासन ने सरायकेला के डीटीओ शंकराचार्य सामड एवं बीईईओ रविशंकर महतो कों दंडाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया था। वहीं कुकडू प्रखंड के प्रभारी बीडीओ कीकू महतो भी जुलुस के दौरान मौजूद थे। मालूम हो कि त्याग व बलिदान का पर्व मुहर्रम इमाम हुसैन की कर्बला के मैदान में इस्लाम की खातिर कुबार्नी व उनकी शहादत को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस दौरान मुहर्रम महीने के नवमी और दसवीं को मुहर्रम का रोजा उपवास रखा जाता है। इधर ताजिया जुलुस के दौरान चौड़ा मिल मैदान में फातेहाखानी भी किया गया। मौके पर मुख्य रूप से मुहर्रम कमिटी के लाइसेंसी अध्यक्ष शायेद अंसारी, थाना प्रभारी अलम चाँद महतो, उपप्रमुख मो. एकराम, मुखिया प्रतिनिधि रामलाल सिंह मुंडा, ग्राम प्रधान शंकर सिंह मुंडा,अब्दुल रशीद अंसारी, मो. तनवीर आलम, गाफिर अंसारी, बनारसी रजक, अंसार अली, सफाई अंसारी, एनामुल हक अंसारी आदि मौजूद थे।

शांति नगर में एकदिवसीय सत्संग व भंडारे का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के शांति नगर में बुधवार को शिरोमणि संत सम्राट सतगुरु कबीर साहेब के वार्षिकी के मौके पर एकदिवसीय सत्संग व भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के राज्यों से महात्माओं ने वार्षिक सत्संग भंडारा में उपस्थित होकर अपने देवरूप का दर्शन दिया। वही अभिलाषी शिष्य और कबीर पंथ के अनुयायियों ने उनकी वाणी का श्रवण कर अपने जीवन को किरदार बनाया। इसमें सत्संग करने वाले वार्षिक सत्संग भंडारा जो हरेक साल की भांति इस साल भी कराया गया। वही संत किशोर साहब, संत यशोदा साध्वी, संत मीना साध्वी एवं शांति नगर के सत्संग प्रेमियों के द्वारा इस सत्संग और भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता महंत गोपाल साहब ने उपस्थित सभी श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस मनुष्य जीवन को सुगम बनाने के लिए गुरु के बताए हुए मार्ग पर चलने का मार्गदर्शन दिया। आगे उन्होंने कहा कि जिस तरह किसी भी गाड़ी को चलाने के लिए एक ड्राइवर की आवश्यकता होती है एवं हवाई जहाज को चलाने के लिए एक पायलट की जरूरत होती है ठीक उसी तरह जीवन रूपी इस शरीर को मुक्ति की ओर ले जाने के लिए जीवन में एक गुरु का होना बहुत जरूरी है। जिस तरह रेलगाड़ी में इंजन कट जाने से बोगी छूट जाता है इस तरह जो व्यक्ति गुरु को नहीं मानते हैं गुरु के शरण में नहीं जाते हैं वे इस संसार में छूट जाते हैं। वही नाना प्रकार के योनियों में भटकते हुए पुनः फिर से मनुष्य शरीर को धारण करता है। उधर सत्संग व भंडारा के बाद संतों को वस्त्र आदि देकर विदाई दी गई।

महादेवगंज में जमीनी विवाद में पांच लोग गंभीर रूप से घायल

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज में बीती रात जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई जिसमें दोनों पक्ष के पांच लोग घायल हो गए। उधर सभी घायल अपनी शिकायत को लेकर मुफस्सिल थाना पहुंचे जहां मुफस्सिल पुलिस ने सभी घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। वही इस मारपीट की घटना में एक पक्ष के महादेवगंज निवासी मनोज यादव व श्रीनिवास यादव गंभीर रूप से घायल हो गए हैं तो वही दूसरे पक्ष के शिवमुनि यादव, राजकुमार यादव व अजय यादव भी गंभीर रूप से घायल है जहां सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज जारी है।

संक्षिप्त खबरें

डाटू सिंह जमानत पर रिहा, सुखराम ने माला पहनाकर किया स्वागत

ईचागढ़ : नीमडीह थाना क्षेत्र के चालियामा पंचायत के बाधडीह गांव के निवासी डाटू सिंह सरदार को जंगली सूअर का मांस पकाने के आरोप में फॉरेस्ट टीम द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। एक माह बाद जिला न्यायलय से 16 जुलाई 2024 को डाटु सिंह जमानत पर रिहा होकर घर पहुंचे। बुधवार सुबह झारखंड आंदोलनकारी स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल के संस्थापक सुखराम हेमर्ब्रम अपने सामाजिक कार्यकर्त्ता के साथ राहुल प्लेस होटल में डाटु सिंह को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। हेंब्रम ने कहा कि हमारे भोले भाले आदिवासी को झूठे केस में फसाकर वन विभाग अन्याय करते हैं। जिसके विरोध में हम लोग दलमा वनक्षेत्र प्रभावित संघर्ष समिति निमडीह, बोड़ाम, पटमदा, चांडिल व एमजीएम के बैनर तले आंदोलन किया गया। हमारे परंपरागत के अनुसार शिकार करना पूर्वजों द्वारा चलाया गया परंपरा है। जिस पर रोक लगाना हम कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि आज वन्य जीवजंतु दलमा सेंचुरी से पलायन कर रहा है। पांच वर्षो से दलमा वन्य प्राणी आश्रयनी के जंगल से हाथी की झुंड भोजन पानी के तलाश में पलायन कर ईचागढ़ विधान सभा क्षेत्र के गांव के आसपास में डेरा डाला हुआ। वन्य जीव जंतु विलुप्त की कगार पर है इसका जिम्मेदार कौन हैं। इस अवसर पर लाल माहोन गोराई, विश्वनाथ मंडल, तारा माझी, राजेन टुडू, भास्कर टुडू, बलदेव बेसरा, सुखदेव सिंह सरदार, दिनबंधु सिंह, रविंद्र सरदार, मलिंद्र सिंह, रंजित सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रशासन ने मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर धार्मिक स्थानों में की बेरीकेडिंग

साहिबगंज: मुहर्रम पर्व को लेकर अखाड़ा जुलूस मार्ग में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। सुरक्षा व्यवथा को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन मुहर्रम जुलूस मार्ग में पड़ने वाले धार्मिक स्थलों में बेरिकेटिंग करके सीसीटीवी कैमरा लगा रही है। बेरिकेटिंग समीप पुलिस बलो की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक चौबंद रहेगी। ड्रोन व सीसीटीवी से मुहर्रम जुलूस का निगरानी किया जाएगा। जहां एसडीओ, थाना प्रभारी सहित आला अधिकारी मुहर्रम जुलूस मार्ग का लगातार जायजा ले रहे है। ड्रोन से संवेदनशील, अति संवेदनशील स्थलों, मुहर्रम जुलूस मार्ग में पढ़ने वाले गली, मुहल्ले, घरों, स्थलों सुनसान जगह रेलवे लाइन क्षेत्रों में विशेष नजर बनाकर रखी गई है। नियंत्रण कक्ष भी एक्टिव, बिजली कटने पर सीसीटीवी कैमरा चालू रहेगा और सोलर सिस्टम से जोड़ा गया नियंत्रण कक्ष सीसीटीवी कैमरा मॉनिटर को। उपद्रवी, हुड़दंगी व नशेबाज पर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन की रहेगी विशेष नजर। रामनवमी, लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण कराने के बाद जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन मुहर्रम शांतिपूर्ण संपन्न कराने में जुटी हुई है।

डिवाइन पब्लिक स्कूल को 10+2 तक के लिए सीबीएसई से मिली मान्यता

देवघर: डिवाइन पब्लिक स्कूल देवघर को प्राप्त हुआ सीबीएसई से 10 + 2 तक के लिए मान्यता।आज डिवाईन पब्लिक स्कूल, नन्दन पहाड़ रोड देवघर में पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में स्वागत विद्यालय के बच्चों द्वारा बैगपाइपर बैंड से किया गया उसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत गान तथा गणेश वंदना के साथ की गई।सम्मेलन के माध्यम से विद्यालय की सचिव ममता किरण ने जानकारी दी कि डिवाईन पब्लिक स्कूल को 10+2 तक के लिए सीबीएसई से मान्यता प्राप्त हो गई है 10 + 2 तक की सीबीएसई सम्बद्धता पांच साल तक के लिए एक साथ प्राप्त होना भी विद्यालय के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है,क्योंकि देवघर का यह पहला विद्यालय है जिसे एक साथ सीधे तौर पर 10+2 तक के लिए सीबीएसई सम्बद्धता प्राप्त हुई है। विद्यालय को सीबीएसई सम्बद्धता प्राप्त होने के साथ ही अब छात्र 10+2 तक की पढाई विद्यालय से ही पूरी कर सकेंगे। अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए ममता किरण ने सभी छात्रों, शिक्षकों, कार्यरत कर्मचारियों व अभिभावकों को बधाई दी तथा बच्चों के सर्वांगिण विकास व विद्यालय की प्रगति में अभिभावकों के सहयोग की अपेक्षा की है। विधालय में पढाई के साथ साथ विभिन्न प्रकार के खेल, लडकियों के लिए फ्री ताइकानडो क्लास,डांस क्लास,स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब,ड्राइंग क्लास,तानसेन बैंड ,म्युजिक क्लास,सांइस लैब, फिजिक्स लैब,कैमिस्ट्री लैब,मैथ्स लैब कम्पोजिट लैब,स्पोर्ट्स, लिफ्ट आदि की भी सुविधा उपलब्ध है, साथ ही चार्टर एकाउंटेंट की भी परिक्षा होती है, पिछले वर्ष ऑलंपिक में चैंपियन रहा डिवाईन पब्लिक स्कूल साथ ही हमारे कुछ बच्चे नेशनल भी खेल कर आए हैं जो विद्यालय के लिए बहुत ही सम्मान की बात है। ममता किरण ने घोषणा की कि कुछ दिनों पहले सीता होटल के समीप हुए भवन गिरने की घटना में जिन बच्चों ने अपने अभिभावकों को खोया है उनकी नि:शुल्क शिक्षा का दायित्व डिवाईन पब्लिक स्कूल लेना चाहता है। घटना से प्रभावित बच्चों के वर्तमान में जो भी अभिभावक हो यदि उनकी इच्छा हो तो वे बच्चों का नामांकन हमारे विद्यालय में करा सकते हैं। देवघर के कई विद्यालयों के डायरेक्टर / प्रधानाचार्य व प्रतिनिधियों के साथ ही अन्य कई गणमान्य अतिथियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यालय प्रबंधन के द्वारा कार्यक्रम के अंत में सभी के लिए भोजन का प्रबंध भी किया गया था।

आजसू महिला मोर्चा ने चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह का किया आयोजन

साहिबगंज: बुधवार को आजसू महिला मोर्चा चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह तालझारी प्रखंड के जमुनी फाटक के समीप जिला महिला मोर्चा की सचिव दुर्गा देवी के आवासीय परिसर में संपन्न हुआ। सम्मेलन में सर्वप्रथम उपस्थित सभी चूल्हा प्रमुख महिला कार्यकताओं का शपथ दिलाया गया। सम्मेलन का संचालन प्रखंड सचिव कलावती मुंडा ने किया एवं सम्मेलन की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष माला देवी द्वारा किया गया। सम्मेलन में प्रखंड के सभी पंचायत एवं गांव से चूल्हा प्रमुख महिला कार्यकताओं की उपस्थिति में सर्वसम्मति से प्रस्ताव लिया गया कि हर घर तक महिला संगठन को पहुंचाया जाएगा एवं प्रत्येक गांव से एक महिला नेतृत्व खड़ा किया जाएगा। सम्मेलन में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष चतुरानंद पांडे, जिला उपाध्यक्ष मणिकांत मिश्रा, जिला कार्यकारिणी सदस्य गोविंद पासवान, राम प्रवेश, महिला चूल्हा प्रमुख नेत्री चैती देवी, प्रियंका कुमारी, मनिया देवी, अंगद देवी, अरुणा देवी, चांदनी देवी, खुशबू कुमारी, डोली कुमारी, चिंता देवी, गुड़िया देवी, लक्ष्मी देवी, सुचिता देवी, अनीता देवी, परणन कुमार मंडल, सरवन ठाकुर, पप्पू सिंह, आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एप्पल ने 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ

-इस तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को कर दिया परेशान

नई दिल्ली।

टेक दिग्गज कंपनी एप्पल ने वित्त वर्ष 2024 में भारत में लगभग 8 बिलियन डॉलर की मजबूत बिक्री को छुआ है, जो लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) है। भारत द्वारा उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लागू करने के कारण घरेलू विनिर्माण में आई तेजी ने चीन और वियतनाम जैसे देशों को परेशान कर दिया है। दोनों ही देश चीन और वियतनाम इस मामले में लड़खड़ा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार दुनिया के दूसरे सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजार में प्रीमियमीकरण की सोच के कारण आईफोन की बिक्री में तेजी आई है। न केवल बेहतरीन घरेलू बिक्री, क्यूपर्टिनो बेस्ड कंपनी ने निर्यात में भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। घरेलू विनिर्माण को मिल रहे शानदार समर्थन और मजबूत वितरण के कारण इस साल आईफोन शिपमेंट में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है। काउंटरप्वाइंट रिसर्च के अनुसंधान निदेशक तरुण पाठक ने बताया कि प्रीमियमाइज़ेशन के शुरू होने के साथ ही एप्पल को एक बार फिर अपने उपकरणों और निवेश प्रस्तावों के माध्यम से इसका लाभ उठाने का सही समय मिल गया है। इसके अतिरिक्त, ब्रांड मजबूत हुआ है और कंपनी इसका भी आनंद ले रही है और देश में अपने नेटवर्क का विस्तार कर रही है, जिससे इसे बढ़ने में मदद मिल रही है। भारत द्वारा पीएलआई योजना को बढ़ावा देने के कारण मोबाइल फोन निर्यात में वित्त वर्ष 2024 में काफी वृद्धि हुई। इसकी वजह से चीन और वियतनाम जैसे मोबाइल बनाने वाले दिग्गज देश भारत से पीछे रह गए। चीन से मोबाइल फोन का निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 136.3 बिलियन डॉलर से घटकर वित्त वर्ष 2024 में 132.5 बिलियन डॉलर हो गया। इसी तरह, नवीनतम उद्योग आंकड़ों के अनुसार, वियतनाम में वित्त वर्ष 2023 में 31.9 बिलियन डॉलर से घटकर पिछले वित्तीय वर्ष 2024 में 26.27 बिलियन डॉलर हो गया। उद्योग के

अनुमान के अनुसार, मोबाइल फोन का उत्पादन 2014-15 में 18,900 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में अनुमानित 4.10 लाख करोड़ रुपये हो गया। जो लगभग 2,000 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। जानकारी के अनुसार भारत में प्रीमियम सेगमेंट के अधिकांश उपभोक्ताओं ने स्मार्टफोन खरीदने के लिए फाइनेंशियल स्कीम का चुनाव किया। भारत में एप्पल के नेतृत्व में देश से मोबाइल फोन निर्यात वित्त वर्ष 2023 में 11 बिलियन डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में लगभग 16 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

सेबी ला रहा नया प्रोडक्ट, निवेश के लिए लगाने होंगे 10 लाख, जोखिम भी होगा

नई दिल्ली।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने निवेशकों को एक नए तरह का विकल्प लाने का प्रस्ताव दिया है, जो बाजार में जोखिम उठाकर ज्यादा से ज्यादा कमाई कर सकते हैं। अभी पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाएं (पीएमएस) या वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ) बहुत महंगे हैं। अभी सेबी ने इस नए प्रोडक्ट को नाम नहीं दिया है और इसमें निवेश के लिए कम से कम 10 लाख रुपए लगाने होंगे। यह सीमा पीएमएस (50 लाख) और एआईएफ (एक करोड़ रुपए) से काफी कम है। वहीं, म्यूचुअल फंड में तो सिर्फ 100 रुपए से भी निवेश शुरू किया जा सकता है।

सेबी का कहना है कि वह नए तरह का निवेश का तरीका लाना चाहता है। इसमें ज्यादा पैसा लगाना होगा और ज्यादा रिस्क भी उठाना होगा। ये इसलिए ताकि लोग जोखिम वाले गलत निवेश ना करें। नया तरीका ना तो म्यूचुअल फंड जैसा होगा ना ही प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट जैसा, बल्कि दोनों के बीच का रास्ता होगा। सेबी को लगता है कि अभी तक ऐसा कोई निवेश का तरीका नहीं है जिसमे थोड़ा ज्यादा रिस्क लेकर ज्यादा कमाई की जा सके।

इसी का फायदा उठाकर गलत लोग ज्यादा मुनाफे का झांसा देकर लोगों को ठगते हैं। इसलिए सेबी नया निवेश ला रहा है। ये तरीका म्यूचुअल फंड जैसा होगा लेकिन थोड़ा ज्यादा जोखिम वाला। इसमें शेयर बाजार के कुछ ऐसे तरीकों का इस्तेमाल भी किया जाएगा जो आम तौर पर म्यूचुअल फंड में इस्तेमाल नहीं होते हैं। जैसे म्यूचुअल फंड सिर्फ शेयरों को गिरने से बचाने के लिए ही एक अलग तरह का दांव लगा सकते हैं। वहीं, नया तरीका सीधे शेयरों के ऊपर या नीचे जाने का दांव लगाने की इजाजत देगा। इससे ज्यादा फायदा हो सकता है, लेकिन ज्यादा नुकसान का भी रिस्क है। इसी तरह, नए तरीके में सरकारी बॉन्ड या रीट और इनविट में निवेश की सीमाएं थोड़ी ढीली होंगी, मतलब आप इनमें थोड़ा ज्यादा पैसा लगा सकेंगे। सेबी इस नए निवेश तरीके को म्यूचुअल फंड और बाकी निवेश विकल्पों से अलग दिखाना चाहता है ताकि लोग इसे गलत नहीं समझें। इस नए तरीके का एक अलग नाम होगा ताकि ये साफ हो कि ये ना तो म्यूचुअल फंड है और ना ही प्राइवेट वेल्थ मैनेजमेंट, एआईएफ, रीट या इनविट जैसा कोई दूसरा मौजूदा निवेश है। सेबी ने बताया है कि कौन सी कंपनियां इस नए निवेश तरीके की पेशकश कर सकती हैं। इसके लिए सिर्फ वही कंपनियां योग्य होंगी जो कम से कम तीन साल से बाजार में मौजूद हैं और जिनके पास 10,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है। अगर कोई कंपनी इन शर्तों को पूरा नहीं करती तो भी वह कुछ और शर्तें पूरी करके आवेदन कर सकती है। इसके लिए उस कंपनी को मुख्य निवेश अधिकारी को नियुक्त करना होगा जिसके पास कम से कम 10 साल का फंड मैनेजमेंट का अनुभव हो और कम से कम 5,000 करोड़ रुपए की संपत्ति का प्रबंधन करने का अनुभव हो। साथ ही उन्हें नए निवेश तरीके के लिए एक और फंड मैनेजर की नियुक्ति भी करनी होगी जिसके पास कम से कम साल साल का फंड मैनेजमेंट का अनुभव हो और कम से कम 3,000 करोड़ रुपये की संपत्ति का प्रबंधन करने का अनुभव हो।

एसबीआई लेकर आया स्पेशल डिपॉजिट स्कीम, जमा राशि पर मिलेगा 7.25 फीसदी ब्याज

नई दिल्ली।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने एक विशेष जमा योजना अमृत वृष्टि शुरू की है, जो 444 दिनों की जमा राशि पर 7.25 फीसदी ब्याज दे रही है। इस योजना के तहत वरिष्ठ नागरिकों को एक्स्ट्रा 0.50 फीसदी ब्याज दी जा रही है। यह कदम बैंकों द्वारा जमा की जा रही रकम में धीमी जमा वृद्धि और अधिक क्रेडिट-डिपॉजिट ग्रोथ गैप को देखते हुए उठाया गया है। इससे पहले, बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने भी उच्च ब्याज दरों के साथ विशेष जमा योजनाएं शुरू की थीं, ताकि वे अधिक जमा राशि जुटा सकें। बैंक ऑफ बड़ौदा की विशेष योजना बीओबी मानसून धमाका डिपॉजिट स्कीम 399 दिनों के लिए 7.25 फीसदी और 333 दिनों के लिए 7.15 फीसदी सालाना ब्याज दर दी रही है, जो तीन करोड़ रुपए से कम की जमा राशि के लिए है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) की विशेष योजना में 10 करोड़ रुपए तक की जमा राशि के लिए चार अलग-अलग समय अवधियां हैं। यह 200 दिनों के लिए 6.90 फीसदी, 400 दिनों के लिए 7.10 फीसदी, 666 दिनों के लिए 7.15 फीसदी और 777 दिनों के लिए 7.25 फीसदी ब्याज दर दे रही है। एमबीआई की यह विशेष जमा योजना-अमृत वृष्टि योजना, 31 मार्च, 2025 तक निवेश के लिए उपलब्ध है। एसबीआई चेयरमैन ने कहा अमृत वृष्टि एक नई प्रकार की सावधि जमा योजना है, जो विभिन्न प्रकार के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई है। यह योजना हमारे मूल्यवान ग्राहकों को धन वृद्धि के अवसर प्रदान करने की एसबीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।' भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) बैंकों को बार-बार बढ़ते उधार-जमा अनुपात पर चेतावनी दे रहा है, जिससे अगर क्रेडिट वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक रही तो सिस्टमेटिक रिस्क पैदा हो सकता है।

माइक्रोसॉफ्ट और ऐमजॉन को टक्कर देगा गूगल, विज का अधिग्रहण करने की तैयारी

नई दिल्ली।

गूगल की पेरेंट अल्फाबेट कंपनी तेजी से बढ़ रही साइबर सिक्योरिटी स्टार्टअप विज का अधिग्रहण करने की तैयारी में है। यह डील 23 अरब डॉलर की हो सकती है। यह कंपनी क्लाउट कंप्यूटिंग के लिए साइबर सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर बनाती है। अगर डील होती है तो यह गूगल की अब तक की सबसे बड़ी खरीदारी होगी। इससे यह बात भी सामने आई है कि गूगल साइबर सिक्योरिटी बाजार में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। विज ने इसी साल वेंचर कैपिटल इनवेस्टर्स से एक अरब डॉलर जुटाए थे। उसके बाद से ही गूगल और विज के बीच बातचीत हुई थी। सूत्रों का कहना है कि दोनों कंपनियों के बीच डील अभी फाइनल नहीं हुई है और आगे कुछ भी हो सकता है। हालांकि दोनों कंपनियों ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गूगल के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी डील मोटोरोला की खरीद थी। करीब एक दशक पहले गूगल ने मोटोरोला को 12.5 अरब डॉलर में खरीदा था। भारी नुकसान होने के कारण गूगल ने दो साल बाद ही मोटोरोला को बेच दिया था। हालिया फंडिंग राउंड में विज की वैल्यूएशन 12 अरब डॉलर लगाई गई थी। गूगल उसे वैल्यूएशन से दोगुनी कीमत दे रही है।

मार्च, 2022 में अल्फाबेट ने साइबर सिक्योरिटी फर्म मनडियंट को 5.4 अरब में खरीदा था। इसका मकसद अपने क्लाउड कंप्यूटिंग बिजनस को मजबूत करना और कंपनियों के साइबर हमलों से बचाना था। कंपनी अपने कोर सर्च एडवरटाइजिंग बिजनस से इतर अपने रेवेन्यू को डाइवरसिफाई करना चाहती है। इसमें क्लाउड पर उसका खासा जोर है। कंपनी की क्लाउड सेल्स बढ़ी है लेकिन उसे माइक्रोसॉफ्ट और ऐमजॉन से कड़ा मुकाबला करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में क्लाउड कंप्यूटिंग की अहमियत बढ़ रही है।

केंद्र सरकार चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य में बढ़ोतरी करने पर कर रही विचार

एनएफसीएसआर ने कहा-मौजूदा नीतियां चीनी उद्योग के लिए बन रहीं समस्या

नई दिल्ली। उत्पादन लागत बढ़ने से परेशान चीनी मिलों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही है। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना संघ (एनएफसीएसआर) ने सरकार से चीनी का न्यूनतम विक्रय मूल्य बढ़ाकर 42 रुपए प्रति किलोग्राम करने की मांग कर रहा है। बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को चालू रखने में मदद मिल सके। राष्ट्रीय सहकारी चीनी कारखाना संघ लिमिटेड के निदेशक ने कहा कि केंद्र सरकार के निर्णय नहीं लेने से चीनी उद्योग में कम मुनाफा, कर्ज जैसी समस्याएं फिर से उत्पन्न हो सकती हैं। सरकार ने गन्ने का एफआरपी (उचित एवं लाभकारी मूल्य) तीन बार बढ़ाया है, लेकिन चीनी के एमएसपी में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। सभी राज्य महासंघ पांच साल से इसकी मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने इस पर विचार नहीं किया है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी नीतियां चीनी उद्योग के लिए समस्या उत्पन्न कर रही हैं। हम सिर्फ चीनी उत्पादन की लागत की मांग कर रहे हैं। हम उत्पादन लागत के रूप में कम से कम 41 रुपए प्रति किलोग्राम चाहते हैं। गन्ने और परिवहन लागत बढ़ गई है और मजदूरी शुल्क भी बढ़ा दिया गया है, लेकिन चीनी की कीमत वही है।

एनएफसीएसआर के अध्यक्ष और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के निदेशक, पूर्व मंत्री हर्षवर्धन पाटिल ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में निर्णय लेने का आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि सहकारी चीनी मिलों को लेकर अगले दस साल का रोड मैप तैयार किया है और चीनी उद्योग में आमूल-चूल परिवर्तन किये जायेंगे। गन्ने का एफआरपी बढ़ रहा है, इसकी तुलना में चीनी की कीमत नहीं बढ़ रही है। इसके कारण चीनी मिलों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

इसलिए अगर चीनी उद्योग को बचाना है तो चीनी की न्यूनतम कीमत 4200 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में की गई है।

डिजिटल साम्राज्य में उतरने अनंत की शादी में बुलाए दुनिया के रईस और ताकतवर लोग

- 60 करोड़ डॉलर की शादी धूमधाम ही नहीं, बिजनेस की सोची समझी चाल

नई दिल्ली।

हाल ही में भारत के बड़े बिजनेस मैन और दुनिया के अमीर लोगों में गिने जाने वाले मुकेश अंबानी ने अपने बेटे अनंत अंबानी की शादी की थी इस शादी में करोड़ों रुपया खर्च भी किया गया और देश दुनिया की जानी मानी हस्तियां इस शादी में शामिल हुई थी।मुकेश अंबानी अब बड़े मनोरंजन जगत के खिलाड़ी बन गए हैं। उनका डिजिटल साम्राज्य शेयर बाजार में उतरने की तैयारी में है, जिसकी कीमत 112 अरब डॉलर बताई जा रही है। और इस डिजिटल साम्राज्य के आने का ऐलान करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता था कि दुनिया के रईस, चमकदार और ताकतवर लोगों को पांच महीने लंबे शादी के उत्सव में बुलाया जाए।

मुकेश अंबानी के तीन बच्चों में सबसे छोटे अनंत अंबानी ने मार्च में अपनी शादी की धूमधाम शुरुआत कर दी थी। शादी के पहले एक पार्टी हुई, जिसमें मशहूर डांसर रिहाना ने परफॉर्म किया था। इस शादी समारोह का समापन मुंबई में दो दिनों तक चला था। इस शादी के कार्यक्रमों में बॉलीवुड के कलाकारों के साथ कार्दशियन परिवार भी शामिल हुआ। ये जस्टिन बीबर के प्री-वेडिंग फंक्शन के दो हफ्ते बाद हुआ था। इस बीच, शादी की पार्टी एक यूरोपीय क्रूज पर भी गई थी, जिसमें इटली में बैकस्ट्रीट बॉयज़ और कान्स में कैटी पेरी शामिल हुए थे। अंबानी के डिजिटल बिजनेस में अहम निवेशक मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. के मार्क जुकरबर्ग से लेकर उन्हें 5जी उपकरण देने वाली कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के बॉस जय वाई ली तक, इन समारोहों में शामिल होने वाले लोगों को भारत के कॉर्पोरेट जगत में अंबानी परिवार के रुतबे की याद दिलाई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरी शादी पर कुल 600 मिलियन डॉलर खर्च हुए हैं। अंबानी परिवार के अपने न्यूज़ मीडिया में इस शादी की झलकियां दिखाई हैं। मेहमान क्या तोहफे लाए, यह तो पता नहीं, लेकिन दूल्हे के करीबी दोस्त 18 कैरेट गुलाबी सोने की ऑडिमर्स पिगेट घड़ियां वापस लौटे।

इस दौरान मुकेश अंबानी की जियो के 48 करोड़ से ज्यादा कस्टमर्स को इस महीने से डाटा के लिए 21 फीसदी ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। इस पर सोशल मीडिया पर मीम्स तो बन गए, लेकिन असली सवाल ये है कि आखिर इस वक्त इतना पैसे का दिखावा क्यों? खासकर, जब ब्राज़ील दुनिया के सबसे अमीर लोगों से उनकी संपत्ति का सालाना 2फीसदी टैक्स लेने का प्रस्ताव ला चुका है। भारतीय स्टील कारोबारी लक्ष्मी मित्तल ने अपनी बेटी की शादी के लिए 2004 में पेरिस के टीयुलरीज गार्डन और लुई सोलहवें के वर्साय के महल को किराए पर लिया था। ये शादी उस समय हुई थी, जब लक्ज़मबर्ग की कंपनी आर्सेलर एसए को खरीदने की बोली जीती थी। उस शादी में भी 6 दिनों में 60 मिलियन डॉलर खर्च हुए थे। लेकिन वह अलग मामला था।

अंबानी परिवार ने शादी में न सिर्फ दिखावे में नया रिकॉर्ड बनाया बल्कि ज्यादातर खर्चा भारत में ही किया और वह भी ऐसे समय में, जब देश का राजनीतिक माहौल अशांत है और भारत के अरबपति राज की बढ़ती असमानता की हर तरफ आलोचना हो रही है। पीएम नरेंद्र मोदी की सत्ता पर पकड़ पिछले महीने उनकी पार्टी के संसदीय बहुमत खोने के बाद कमजोर हो गई है। चुनाव प्रचार के दौरान नेता राहुल गांधी ने मोदी पर लगातार हमले किए कि वे सिर्फ दो व्यापारियों, अंबानी और गौतम अडाणी के लिए ही काम कर रहे हैं।

कुछ अर्थशास्त्री इसे भारत के कलंकित पूंजीवाद का 2ए वैरिएंट कहते हैं। उनका कहना है कि एक छोटे से समूह को पसंद करना भारत में विदेशी निवेश घटने और प्राइवेट पूंजी खर्च के ठहरने का एक कारण है। कोई भी राष्ट्रीय चैंपियनों के खिलाफ जाना नहीं चाहता। यह देखना दिलचस्प है कि क्या बदली हुई राजनीतिक स्थिति मुकेश अंबानी के उपभोक्ता साम्राज्य को और ज्यादा कंपटीशन का सामना करने के लिए मजबूर करेगी। नरेंद्र मोदी नवविवाहित जोड़े को बधाई देने पहुंचे, जैसा कि प्रमुख विपक्षी नेताओं ने किया लेकिन राहुल गांधी दूर रहे। मुकेश अंबानी अपने प्रतिद्वंदी अडाणी से बढ़त हासिल करने के लिए कुछ जोखिम उठा रहे हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले आठ महीनों में 43फीसदी की बढ़त को बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। अडाणी बंदरगाहों, हवाई अड्डों, डेटा सेंटरों और निर्माण सामग्री जैसे बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। वह चाहते हैं कि इस दशक के अंत तक हर तीन में से एक भारतीय उनके नए सुपर-ऐप पर हो लेकिन वह टेलिकॉम या पेमेंट जैसी बड़े कंज्यूमर उद्योगों में अंबानी से मुकाबला किए बिना उन्हें कैसे आकर्षित कर पाएंगे? यही वह चीज़ है जिसे मुकेश अंबानी को बचाकर रखना है। वॉल्ट डिज्नी कंपनी की भारत में टीवी फ्रेंचाइजी के साथ अपने मीडिया कारोबार को मिलाने के बाद, उनकी बॉलीवुड और क्रिकेट पर पकड़ मजबूत हो गई है, ये दो चीजें हैं जो दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचती हैं।

सरकार ने दी चेतावनी जमाखोरी और मुनाफाखोरी की तो होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली।

कई महीनों के बाद अब अरहर या तुअर और उड़द की दाल की थोक कीमतें घटी हैं। सरकार ने बताया कि इन दालों की कीमतों में करीब चार फीसदी की कमी आई है। इसके साथ ही उम्मीद थी कि अब खुदरा बाजार में भी कीमतें कम होंगी लेकिन, रिटेल बाजार में इन दालों की कीमत घटने के बजाय बढ़ गई है। इसके बाद केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने देश के रिटेलरों के साथ बैठक की। सरकार ने रिटेलरों को चेतावनी दी है कि थोक बाजार के अनुरूप ही खुदरा बाजार में भी कीमतें कम हो। बीते दिन सरकार ने रिलायंस रिटेल, डी मार्ट, टाटा स्टोर्स, स्पेंसर्स, आरएसपीजी, वी मार्ट जैसे बड़े रिटेलर्स के साथ बैठक की थी। इस दौरान उन्होंने रिटेलर्स को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर दालों की कीमतें कम नहीं हुईं तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। पिछले कुछ दिनों से थोक मंडियों में तुअर, चना और उड़द जैसी दालों की कीमतों में मामूली गिरावट आई है लेकिन, रिटेल बाजार में कीमत कम नहीं हुई है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के मुताबिक पिछले एक महीने में प्रमुख मंडियों में चना, तुअर और उड़द की कीमतों में 4फीसदी तक की गिरावट आई है, लेकिन खुदरा कीमतों में समान गिरावट नहीं देखी गई है। रिटेलर्स के साथ बैठक में सरकान ने कहा कि अगर स्टॉक सीमा का उल्लंघन, जमाखोरी और मुनाफाखोरी करते हुए पाए गए तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मतलब अब सरकार की इन कमोडिटी पर कड़ी नजर रहेगी। साथ ही जमाखोरी के नियमों का भी कड़ाई से पालन किया जाएगा। कृषि मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक दलहन का रकबा बढ़कर 62.32 लाख हेक्टेयर हो गया है, जबकि पिछले साल यह 49.50 लाख हेक्टेयर था। दलहन में तुअर की खेती 9.66 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 28.14 लाख हेक्टेयर हो गई है। रिटेल उद्योग से दालों की कीमतों को उपभोक्ताओं के लिए किफायती रखने के सरकार के प्रयासों में हर संभव मदद करने को कहा है।

भारत में ग्रीन सर्टिफाइड ए-ग्रेड ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ी, चेन्नई टॉप पर

नई दिल्ली। भारत में ग्रीन सर्टिफाइडए-ग्रेड ऑफिस स्पेस की मांग बढ़ रही है। इन ऑफिस की हिस्सेदारी भी तेजी से बढ़ रही है। ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की हिस्सेदारी में चेन्नई टॉप पर है। इसके बाद एनसीआर का बाजार है। ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस का किराया भी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सात प्रमुख शहरों में ए-ग्रेड ऑफिस के कुल स्टॉक में ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की हिस्सेदारी बढ़कर 65 फीसदी हो गई। इस समय सात प्रमुख शहरों में ए-ग्रेड ऑफिस का कुल स्टॉक 88.85 करोड़ वर्गफुट है। इनमें से 57.77 करोड़ वर्गफुट यानी 65 फीसदी ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस हैं। भारत में 1,362 ए-ग्रेड ऑफिस में से 805 यानी 59 फीसदी ऑफिस ग्रीन सर्टिफाइड हैं। जो भारत के निर्माण के प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं । पांच लाख वर्गफुट से कम बिल्ड-अप एरिया वाली 47 फीसदी ऑफिस ग्रीन सर्टिफाइड हैं। दस लाख वर्गफुट से ज्यादा बिल्ड-अप के 19 फीसदी ऑफिस ही ग्रीन सर्टिफाइड है। एक लाख वर्गफुट से कम बिल्ड-अप वाली ऑफिस में ग्रीन सर्टिफिकेट बहुत ही कम हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में ऑफिस बाजार के लिए सात प्रमुख शहरों में ए-ग्रेड ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की सबसे ज्यादा 83 फीसदी हिस्सेदारी चेन्नई में है। चेन्नई में ए-ग्रेड ऑफिस के कुल स्टॉक 8.26 करोड़ में 6.83 करोड़ वर्गफुट ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस हैं। इसके बाद एनसीआर के 12.97 करोड़ स्टॉक में से 70 फीसदी 9 करोड़ वर्गफुट स्टॉक ग्रीन सर्टिफाइड है। ऑफिस स्पेस के सबसे बड़े बाजार बेंगलुरु के कुल 27 करोड़ वर्गफुट स्टॉक का 64 फीसदी हिस्सा ग्रीन सर्टिफाइड है। हैदराबाद के कुल आफिस स्टॉक में ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस की हिस्सेदारी 63 फीसदी, कोलकाता में यह 62 फीसदी, मुंबई में 61 फीसदी, जबकि पुणे में सबसे कम 56 फीसदी है। रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन सर्टिफाइड ऑफिस के किराये पर बिना ग्रीन सर्टिफाइड से 12 से 14 फीसदी प्रीमियम ज्यादा है। जो बिल्डरों को इन बिल्डिंग को बनाने में निवेश के लिए प्रोत्साहित करता है। बेंगलुरु 23 से 25 फीसदी प्रीमियम के साथ टॉप पर है। चेन्नई और हैदराबाद में यह प्रीमियम 12 से 14 फीसदी और 13 से 15 फीसदी है। मुंबई और पुणे में डेवलपर ग्रीन सर्टिफाइड बिल्डिंग के लिए बिना ग्रीन सर्टिफाइड बिल्डिंग की तुलना में 8 से 12 फीसदी प्रीमियम लेते हैं। कंपनियां पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने और कर्मचारियों की भलाई के लिए प्रीमियम का भुगतान करती हैं।

नासिक से टमाटर की आवक बढ़ने से कम हो जाएंगे दाम

नई दिल्ली। बाजार में अगस्त में नासिक से टमाटर की आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद है, जिससे टमाटर की कीमतों में कमी आ सकती है। हिमाचल से आने वाले माल में बारिश के कारण दाम बढ़े हैं, लेकिन आने वाले दिनों में दामों में गिरावट की उम्मीद है। व्यापारी अंकित सेतिया के अनुसार, रिटेल मार्केट में ग्राहकों की मांग दोगुनी है, जिसके कारण टोमैटो प्यूरी की बिक्री में तीन गुना तक वृद्धि हुई है। सप्ताह भर में आमतौर पर पांच से सात किलो की बिक्री होती थी, लेकिन इस बार इस आंकड़े ने बीस किलो तक का आंकड़ा छू लिया है। व्यापारी डिंपी सचदेवा बताते हैं कि अगस्त के अंतिम दिनों में नासिक से टमाटर की आपूर्ति आएगी, जिससे बाजार में दामों में कमी आ सकती है। इसके बाद लोकल टमाटर भी बाजार में उपलब्ध हो जाएंगे, जिससे दाम निश्चित रूप से कम हो जाएंगे। मकसूदां सब्जी मंडी के थोक कारोबारी बताते हैं कि इन दिनों टमाटर की लोकल फसल खत्म हो जाती है तथा हिमाचल से ही टमाटर की आपूर्ति होती है। इस बार हिमाचल में लगातार बारिश के कारण माल की सप्लाई बाधित हो रही रही है। साथ ही दामों में भी रोजाना इजाफा हो रहा है। मकसूदां सब्जी मंडी में मंगलवार को बेंगलुरु से भी टमाटर की सप्लाई हुई है, लेकिन इसके दाम में थोक में 80 रुपये प्रति किलो हैं। ऐसे में बेंगलुरु से सप्लाई के बाद भी दामों में कमी की उम्मीद नहीं है। अगस्त में टमाटर की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

क्वांट म्युचुअल फंड में फंट रनिंग के आरोपों के बाद सेबी ने कहा प्रबंधन कंपनियां जल्द लागू करें सख्त नियम

नई दिल्ली।

क्वांट म्युचुअल फंड में फंट रनिंग की आशंका के चलते संस्थागत प्रक्रिया व्यवस्था का क्रियान्वयन तेज कर दिया है। इस व्यवस्था का मकसद फंट रनिंग और फर्जी लेनदेन के जरिये होने वाला बाजार का दुरुपयोग रोकना है। व्यवस्था को अप्रैल में सेबी की बैठक में मंजूरी मिली थी। इसे अधिसूचित होने के छह महीने बाद लागू होना था लेकिन सेबी ने जून में बैठक में नया रास्ता बताया, जिसमें बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) से कहा कि यह व्यवस्था जल्द लागू करें। सेबी की बैठक की घोषणा के समय इसका जिक्र नहीं हुआ था लेकिन बैठक के एजेंडे का ब्योरा जारी होने पर इसका पता चला।

बाजार नियामक ने एजेंडा पत्र में कहा है कि कुछ बड़ी एएमसी छह महीने की मियाद से पहले ही संस्थागत प्रक्रिया व्यवस्था लागू कर सकती हैं। सेबी एक एएमसी के ट्रेड में फंट रनिंग के आरोपों की जांच कर रहा है और इन आरोपों के कारण ही एएमसी में संस्थागत प्रक्रिया का क्रियान्वयन तेज किया जा सकता है। सेबी की 27 जून को हुई बैठक फंट रनिंग के आरोप में क्वांट म्युचुअल फंड के परिसरों की तलाशी के करीब हफ्ते भर बाद हुई। पिछले हफ्ते ऐसेट मैनेजर ने स्वीकार किया कि सेबी की खोजबीन नियमित कवायद नहीं थी ब?ल्कि अदालत की मंजूरी वाली तलाशी और जब्ती कार्रवाई थी।

जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि इस फंड कंपनी पर फंट रनिंग के आरोप लगने के साथ ही सेबी ने अपने बोर्ड को संस्थागत प्रक्रिया व्यवस्था के क्रियान्वयन की जानकारी देने और बड़ी फंड कंपनियों में इसे जल्द लागू कराने का फैसला लिया। सूत्रों ने कहा कि ज्यादातर बड़े फंड कंपनियां इसके लिए तैयार हैं। नियामक ने म्युचुअल फंड उद्योग पर सतर्कता बढ़ा दी है। पिछले कुछ सालों में देशभर के परिवारों से बड़ी मात्रा में रकम फंड कंपनियों तक पहुंचने लगी है। उद्योग के द्वारा संभाली जा रही परिसंपत्ति (एयूएम) 2021 के शुरुआती दौर से दोगुनी हो चुकी हैं। मार्च 2020 में 2.1 करोड़ म्युचुअल फंड ग्राहक थे, जिनकी संख्या अब दोगुनी से ज्यादा होकर 4.6 करोड़ हो गई है।

प्रस्तावित व्यवस्था की अधिसूचना नियामक ने अभी जारी नहीं की है। इसका मकसद फ्रंट रनिंग जैसे संवेदनशील जानकारी का फ्रंट रनिंग जैसा दुरुपयोग और कदाचार रोकने के लिए एएमसी में एकसमान निगरानी और आंतरिक नियंत्रण स्थापित करना है। इसके तहत नियामक ऐसे मामलों में एएमसी प्रबंधन पर ज्यादा जिम्मेदारी और जवाबदेही भी डालेगा। यह व्यवस्था म्युचुअल फंड के संगठन एम्फी द्वारा कामकाज के लिए तैयार की गई मानक प्रक्रिया पर आधारित होगी। अभी यह नहीं पता कि एम्फी ने सेबी को यह प्रक्रिया भेजी है या नहीं। अभी सभी फंड कंपनियों के पास निगरानी की अपनी-अपनी व्यवस्था है। सेबी के निर्देश के मुताबिक बाजार में कारोबार के दौरान फंड मैनेजरों और डीलरों की पूरी बातचीत रिकॉर्ड की जाती है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद नियामक इसमें ढील दे सकता है।

मुजफ्फरपुर गोलीकांड के 21वें दिन एसएसपी से मिली

पीड़िता कहा–पति को टॉर्चर कर रही थी रुपा शर्मा

मुजफ्फरपुर। के बेला में महिला कंप्यूटर ऑपरेटर संस्कृति वर्मा पर फायरिंग को 21 दिन हो गए हैं, लेकिन अब तक पुलिस के हाथ खाली हैं। तीन गोली लगने से जख्मी हुई संस्कृति वर्मा की स्थिति अब ठीक है। सोमवार को वो एसएसपी से मिलने उनके ऑफिस पहुंची थी। संस्कृति पहली बार मीडिया के सामने आई और कहा कि पूर्व मंत्री सुरेश शर्मा की बहू रुपा शर्मा ने मुझ पर गोली चलवाई है। वो मेरे पति को कहती थी कि पत्नी और बच्चे को छोड़कर मेरे ऑफिस में काम करो। संस्कृति वर्मा ने बताया कि मैंने रुपा शर्मा के खिलाफ [illegible] दर्ज करवाई है। मैंने अपना बयान नहीं बदला है। रुपा शर्मा का शहर में गाड़ी का शोरूम है। मेरे पति इसी शोरूम में काम करते थे। बता दें कि 25 जून को अपराधियों ने संस्कृति को 3 गोली मारी थी। फायरिंग तब हुई थी, जब वो अपने ऑफिस के लिए निकली थी। संस्कृति वर्मा ने बताया कि मेरे पति ने रुपा शर्मा के यहां 7 साल जॉब किया। मैंने उन्हें जॉब छोड़ने के लिए कहा। क्योंकि, रुपा पति मेरे को टॉर्चर करती थी। वो कहती थी- अपनी फैमिली और बच्चे को छोड़ दो, मेरे ऑफिस में काम करो। जैसा मैं बोलू, उस हिसाब से काम करो। संस्कृति ने बताया कि जब पति ने मुझे रुपा की इन बातों को बताया तो मैंने कहा- अब वहां जॉब करने की कोई जरूरत नहीं। इसके बाद 25 अप्रैल को भी मुझ पर कुछ लोगों ने ठीक वहीं पर हमला किया, जहां 25 जून को मुझे गोली मारी थी। उस दौरान उन्होंने मुझे कहा था कि रुपा शर्मा से भिड़ रही हो, अच्छा नहीं होगा। संस्कृति के अनुसार, मेरे मोहल्ले में एक आरती सिन्हा हैं, जो रुपा शर्मा के संपर्क में थी। वो आरती सिन्हा से फोन पर मेरे परिवार की हर एक्टिविटी की सूचना लेती थी। जॉब छोड़ने के बाद मेरे पति को अननोन नंबर से कॉल करती थी। इसके साथ ही वो हमारे हर एक्टिविटी की जानकारी रखती थी। मेरे पति को फोन पर कहती थी- तुमने जॉब क्यों छोड़ दी। वापस आ जाओ। उन्होंने मेरे पति पर हर तरह से दबाव बनाया कि वो मुझे और बच्चों को छोड़ दें। लेकिन, जब वो कामयाब नहीं हुईं तो मुझ पर हमला शुरू करवा दिया। पीड़िता संस्कृति वर्मा ने एसएसपी राकेश कुमार से मिलकर जल्द से जल्द न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में दिखा फिलिस्तीन का झंडा

मुजफ्फरपुर में पुलिस पर पथराव, 12 घायल

बिहार। के मुंगेर, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, पटना और वैशाली में मोहर्रम जुलूस के दौरान बवाल की खबर सामने आई है। मुंगेर में मोहर्रम जुलूस के दौरान दो अखाड़ा दल के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों की ओर से जमकर पत्थरबाजी हुई, जिसमें 6 लोग घायल हुए। इसके बाद माहौल तनाव पूर्ण हो गया है। वैशाली में भी ताजिया जुलूस निकाल रहे दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान एक दूसरे के ताजिया जुलूस के अखाड़े पर ईंट-पत्थर फेंके गए। इसमें 6 लोग घायल हो गए, जबकि एक युवक पर तलवार से हमला किया गया। उसे बिदुपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से स्थिति को नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर कर दिया है। मोतिहारी में ताजिया जुलूस के दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराया गया। इसका वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। पटना में मुहर्रम जुलुस में करतब दिखाने के दौरान एक शख्स का सिर फट गया। मौके पर मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने सिर में पटटी बांधा। वहीं, मुजफ्फरपुर में भी डीजे जब्त करने पहुंची पुलिस टीम पर भी हमला किया गया। पुलिसकर्मियों पर आक्रोशित भीड़ ने रोड़ेबाजी की है। इसमें करीब 12 पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। इनमें महिला पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। भीड़ ने 1KM तक पुलिस को दौड़ा कर पत्थर बाजी की। पटना में भी दुकान में तोड़फोड़ हुई है। मुंगेर के हवेली खड़गपुर थाना क्षेत्र के मुख्य बाजार के मोमिन टोला और रौशन नगर के इमामबाड़ा के समीप मोहर्रम जुलूस के दौरान दो अखाड़ा दल सदस्यों के बीच विवाद हो गया। इस दौरान मुख्य बाजार में काफी देर तक अफरा-तफरी रही। और लोगों में भगदड़ मच गई। मारपीट और रोड़ेबाजी को रोकने पुलिस बल के जवान और मुख्य पार्षद पहुंचे, तो उन्हें भी धक्का देकर गिरा दिया गया। मोतिहारी के मेहसी थाना क्षेत्र में मोहर्रम को लेकर ताजिया जुलूस निकाला गया। इसमें 20 से 30 की संख्या में युवक हाथों मे लाठी डंडा लेकर करतब दिखा रहे थे। इस बीच एक युवक हाथ में फिलिस्तीन का झंडा लेकर घुमा रहा था। वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने इसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। मामले को लेकर चकिया एसडीपीओ सतेंद्र सिंह ने बताया कि युवक से पूछताछ की जा रही है, उसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। वैशाली के बिदुपुर थाना के माइल भैरोपुर गांव में मोहर्रम जुलूस में निकालने के दौरान दो पक्ष आपसे में भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर ईंट पत्थर से हमला कर दिया। घटना में कई लोगों को चोट भी लगी। इस संबंध में बिदुपुर थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर दोनों अखाड़ें के बीच विवाद हुआ था। मौके से पहुंच कर मामले को शांत कराया गया। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इधर, मुजफ्फरपुर में मंगलवार रात मोहर्रम जुलूस में डीजे जब्त करने पहुंची पुलिस टीम पर हमला हुआ है। पुलिसकर्मियों पर आक्रोशित भीड़ ने रोड़ेबाजी की। इसमें 12 से अधिक पुलिसकर्मी जख्मी हो गए। इनमें महिला पुलिसकर्मी भी हैं। करीब एक किलोमीटर तक असामाजिक तत्वों ने पुलिस का पीछा कर रोड़े-पत्थर बरसाए। मौके पर उपद्रवियों के चंगुल में फंसे पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट भी की गई। हमले में 112 नंबर सहित पुलिस की कई गाड़ी में तोड़फोड़ की गई। किसी तरह अहियापुर पुलिस और 112 नंबर की गाड़ी वहां से निकली। भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने सड़क जाम कर हंगामा करने लगे। वहां से गुजर रहे यात्रियों के साथ भी मारपीट कर वाहनों पर पथराव किया गया। इसमें बस, कार सहित करीब छोटी-बड़ी एक दर्जन से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पथराव में दो यात्रियों का सिर फटने और एक का हाथ टूटने की सूचना है। हालांकि, देर रात तक किसी ने भी थाने में शिकायत नहीं की है। मामला अहियापुर थाना के सिपाहपुर बखरी की है। पटना के राजा बाजार में ताजिया जुलूस के दौरान देर रात तोड़फोड़ हुई। राजा बाजार के मदरसा गली में शुभम किराना स्टोर में ताजिया के दौरान तोड़फोड़ की तस्वीर सामने आई। पहले दुकानदार ने हमले की बात कही। वहीं बुधवार सुबह पुलिस से मुलाकात के बाद दुकानदार तोड़फोड़ की बात से मुकर गया। दुकानदार के परिवार के सदस्यों ने बताया कि मोहल्ले की बात है। जो हुआ सो हुआ। हमलोग किसी से लड़ाई झगड़े नहीं करना चाहते हैं। यहीं रहना है, यहीं बिजनेस करना है। भविष्य में इस तरह की घटना नहीं हो। इसका ख्याल रखना चाहिए। बता दें कि बुधवार को दोनों पक्षों को थाने पर बुलाया गया है। सिटी एसपी चंद्र प्रकाश और एसडीपीओ 2 ने पूछताछ की है। सिटी एसपी ने कहा कि पुलिस अपने बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर रही है। सिटी एसपी चंद्रप्रकाश ने लोगों से शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील की है। लाइसेंस होल्डर को भी बुलाया गया है। वो पहचान कराने में मदद कर रहे हैं। जुलूस लाइसेंस रद्द करने के सवाल पर सिटी एसपी ने कहा कि जो उचित कार्रवाई होगी, वो की जाएगी। अफवाह फैलाने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। सीतामढ़ी के नगर थाना क्षेत्र के मेहसौल चौक और किरण चौक के बीच दो ताजिया जुलूस के बीच जमकर पत्थरबाजी हुई है। बुधवार की सुबह दो ताजिया जुलूस में शामिल लोगों के बीच विवाद हुआ। फिर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर पत्थर फेंकने लगे। इस घटना में करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए है। घायल लोगों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। इधर, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। डीएसपी सदर राम कृष्णा ने बताया कि दोनों पक्षों को समझाकर शांत करा दिया गया है।

एक साथ 7 दुकानों में घुसे चोर सीसीटीवी तोड़ा

मुजफ्फरपुर। में एक साथ 7 दुकान में चोरी हुई। घटना एनएच के किनारे सिहो चौक स्थित एक मार्केट की है। मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। घटना को लेकर लोगों में नाराजगी है। दुकानदार घटना को लेकर पुलिस की गश्ती पर सवाल उठा रहे हैं। सात दुकानों में चोरी की सूचना के बाद मौके पर पहुंची सकरा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इसके पूर्व महज 6 KM की दूरी पर बीते एक माह पहले भी एक साथ कई दुकानों को निशाना बनाया गया था, लेकिन पुलिस अब तक मामले का खुलासा नहीं कर सकी। जिन दुकानों में वारदात हुई उनमेंज्वेलरी शॉप, किराना स्टोर, परचून दुकान, बर्तन की दुकान और मोबाइल फोन की दुकान शामिल हैं। पीड़ित दुकानदारों ने बताया कि 12 लाख से अधिक संपत्ति की चोरी की गई है। दुकान में लगी CCTV को उखाड़ दिया। जाते समय डीवीआर भी तोड़ दिया। ताला को बिना काटे शटर को उखाड़ कर घुस गए। फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

जेडीयू के जनसुनवाई से फिर गायब रहे मंत्री

पटना। लोगों को न्याय दिलाने और उनकी समस्याओं के निदान के लिए जनसुनवाई कार्यक्रम पर लगातार मंत्रियों के गायब रहने से सवाल खड़े हो गए हैं। जदयू के जन सुनवाई कार्यक्रम से लगातार मंत्री गायब दिख रहे हैं। इस वजह से अब फरियादी भी मुंह मोड़ने लगे हैं। पिछले दिनों भी दैनिक भास्कर ने बताया था कि कैसे जन सुनवाई कार्यक्रम महज दिखावा बनकर रह गया है। एक बार फिर जब हमने जन सुनवाई कार्यक्रम की पड़ताल की तो हकीकत सामने निकल कर आ गया। आज जदयू के जन सुनवाई कार्यक्रम में मंत्री श्रवण कुमार, जयंत राज और सुनील कुमार को शामिल होना था। लेकिन, जन सुनवाई में सिर्फ श्रवण कुमार और जयंत राज ही पहुंचे। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार बुधवार को जन सुनवाई कार्यक्रम में पहुंचे ही नहीं थे। इसका साफ असर फरियादियों पर देखा गया। जदयू में आज भी गिने-चुने लोग ही अपनी समस्या लेकर पहुंचे। मंत्रियों के नहीं रहने की वजह से अब जन सुनवाई कार्यक्रम में लोग नहीं पहुंच रहे हैं। वहीं, जन सुनवाई कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार मे लगातार हो रही हत्याओं पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमने कभी दावा नहीं किया कि क्राइम को पूरी तरह कंट्रोल कर लिया है। घटनाओं की जांच हो रही है।

परिवार के बीच झगड़ा फायरिंग में पड़ोसी का बच्चा जख्मी

नालंदा। में बुधवार को एक 10 साल के बच्चे को गोली लग गई। गोली बच्चे के दाएं पैर में लगी। इसके बाद बच्चा खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा। वो दर्द से परेशान है और लगातार रो रहा है। घटना नूरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत जगदीशपुर तियारी गांव की है। यहां एक ही परिवार के चाचा-भतीजा के बीच झगड़ा हो रहा था। इसी बीच चाचा ने बंदूक से फायरिंग कर दी और पास में खेल रहे पड़ोसी के बच्चे को गोली लग गई। इधर, जख्मी के परिजनों का आरोप है कि आरोपी ने जानबूझ कर बच्चे को गोली मारी है। जख्मी बच्चे की पहचान विपिन रविदास के बेटे दीपक कुमार के रूप में की गई है। घटना के बाद दीपक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। दीपक के परिजनों ने बताया कि गांव में कलम गोप अपने भतीजे से झगड़ा कर रहा था। पास में ही दीपक के परिजन कुछ बच्चों के साथ पीपल के पेड़ के नीचे बैठे हुए थे। बच्चे खेल रहे थे। इसी बीच कलम गोप गुस्से में अपने घर में घुसा और बंदूक निकालकर फायरिंग करने लगा। दीपक के परिजनों के अनुसार, कलम गोप ने हमें भी गाली दी और यहां से भाग जाने की बात कही। उसने 5 राउंड फायरिंग की और इसी दौरान एक गोली दीपक के पैर में लग गई। उसने जानबूझ कर भीड़ की ओर फायरिंग की, जिससे यह घटना हुई है। इधर, नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर कलम गोप और उसके भतीजे में विवाद हो रहा था। इसी बीच कलम द्वारा गोली चला दी गई। इसमें एक बच्चे को गोली लग गई। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच छानबीन में जुट गई है।

बच्चों की पढ़ाई नहीं होगी प्रभावित, सुरक्षित स्थान पर संचालित विद्यालयों में जाएंगे स्टूडेंट

दरभंगा। बाढ़ के कारण कुशेश्वरस्थान, किरतपुर, घनश्यामपुर गौड़ा, बौराम, बिरौल आदि प्रखंडों के सैकड़ों विद्यालयों में लाखों बच्चों की पढ़ाई तीन महीने तक बाधित रहती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। बाढ़ से घिरने के बावजूद बच्चों की पढ़ाई निरंतर चलती रहेगी। डीईओ समर बहादुर सिंह ने संबंधित बीईओ से कहा है कि जो विद्यालय बाढ़ से घिरे हैं, वहां के बच्चों को निकटतम सुरक्षित स्थल पर संचालित विद्यालयों से टैग कर पढ़ाई चालू रखी जाए। टैग विद्यालयों में चल रही पढ़ाई का फोटो भी भेजने का निर्देश दिया है। डीईओ ने कहा कि सबसे पहले बाढ़ से प्रभावित होने वाले विद्यालय की पहचान हो जानी चाहिए। किस विद्यालय के कक्ष तक पानी जाता है और कहां केवल परिसर प्रभावित होता है। इसके अनुसार विद्यालय के अभिलेख, शिक्षण सामग्री, उपकरण और उपस्कर विशेष रूप से डेस्क बेंच को बाढ़ की स्थिति में कैसे सुरक्षित रखा जाएगा। इसकी व्यवस्था की जाए। किरतपुर और कुशेश्वरस्थान जहां बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है, वहां बच्चों की पढ़ाई जारी रखने की वैकल्पिक व्यवस्था तुरंत की जाए। कुछ विद्यालय ऐसे भी हैं जहां बाढ़ आने पर राहत शिविर संचालित किए जाते हैं। वहां भी बच्चे की पढ़ाई बाधित होती है। लेकिन हमें वैसे विद्यालयों के बच्चों की पढ़ाई को निरंतर जारी रखना है। बच्चे भी विद्यालय नहीं आते। भले ही यह पढ़ने और सीखने तक ही सीमित क्यों नहीं हो।

अररिया में हाईटेंशन तार की चपेट में आया ताजिया 15 झुलसे

अररिया। में मोहर्रम जुलूस के दौरान हादसा हुआ है। जुलूस में निकला ताजिया 11 हजार वोल्ट के हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। करंट लगने से 15 लोग झुलस गए हैं। कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को पलासी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी हुई है। हादसा पलासी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत पिपरा बिजवाड़ में हुआ है। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद चार घायलों की गंभीर स्थित देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर कर दिया। फिर यहां से एक घायल की गंभीर स्थिति देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया गया है। एसडीओ अनिकेत कुमार ने बताया कि लगभग 15 से 16 लोग घायल हैं। 3 लोग सदर अस्पताल में भर्ती हैं जो खतरे से बाहर हैं। बाकी 2 पेशेंट प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहे हैं, हालांकि इनकी भी स्थिति में सुधार है। जुलूस का रूट बदला गया था, इसकी जांच कर रहे हैं। गंभीर रूप से झुलसे हैं। सभी को अस्पताल लाए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कूड़े में फेंका मिला नवजात बच्चा लोगों ने पहुंचाया अस्पताल

रोहतास। जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल, सासाराम के गेट के पास के कूड़े में एक नवजात बच्चा पॉलिथीन में लपेटा हुआ मिला। बच्चे की आवाज सुन कर लोग वहां जमा हुए। वहां एक स्थानीय व्यक्ति ने तुरंत बच्चे को उठाया और सदर अस्पताल में नवजात शिशु देखभाल इकाई एसएनसीयू में पहुंचाया, जहां बच्चे का इलाज शुरू किया गया, और बच्चे को बचा लिया गया। एसएनसीयू के डॉक्टर विवेक कुमार प्रभात ने बताया कि थोड़ी देर पहले एक व्यक्ति दौड़ते हुए आए, उनके गोद में एक नवजात बच्चा था। उनका कहना था कि अस्पताल गेट के पास कूड़ा में बच्चा पड़ा हुआ था। गुजरते समय बच्चे की आवाज सुन देखा तो बच्चा को यहां लेकर आए बच्चे की हालत नाजुक थी। बच्चे को सांस लेने में थोड़ी तकलीफ हो रही थी, बदन ठंडा था, और हाथ-पैर नीला पड़ रहा था। इसका बच्चे का वजन ठीक था। बच्चा कुछ ही घंटों पहले पैदा हुआ है और दो किलो 85 ग्राम का है। तक्काल एसएनसीयू में बच्चे का इलाज शुरू किया गया है और उसके स्वास्थ्य में सुधार जारी है।

समस्तीपुर में जहरीली शराब पीने से 1 की मौत

समस्तीपुर। में जहरीली शराब का सेवन करने से एक युवक की मौत हो गई। जबकि उसके 5 अन्य दोस्त बीमार हैं। सभी लोगों का इलाज पटना के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। घटना मोहनपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव का है। मृतक गांव के स्वर्गीय सुरेंद्र राय का बेटा विक्की कुमार(25) बताया गया है। वहीं, बुधवार की शाम 4 बजे विक्की का शव पटना से गांव पहुंचा। इससे परिवार के लोगों के बीच कोहराम मच गया। हालांकि, इस मुद्दे पर लोग उतना खुलकर नहीं बोल रहे हैं। मृतक के परिजन राजनंनद राय ने बताया कि सोमवार को विक्की ने गांव के ही 5 अन्य युवकों के साथ मुर्गी फार्म पर पार्टी मनाई थी। उधर, एसपी विनय तिवारी ने बताया कि जलालपुर गांव में एक युवक की मौत और कुछ लोगों के बीमार होने की सूचना है। पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया है। ताकि यह स्पष्ट हो सके की मौत का कारण क्या है। अभी परिवार के लोगों का भी बयान लिया जा रहा है। इसके बाद उचित कार्रवाई की जाएगी। बताया गया है कि छोटू कुमार गांव के ही प्रिंस कुमार, तिल्यंती, रूपेश कुमार, सिंकु कुमार और विक्रम कुमार के साथ मुर्गी फार्म पर पार्टी कर रहा था। पार्टी के बाद सभी लोग घर लौट आए। रात में अचानक सभी की स्थिति खराब होने लगी। कुछ युवकों की आंख की रोशनी भी जाने लगी। इसके बाद आनन-फानन में परिवार के लोगों ने सभी को पहले मोहिउद्दीन नगर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। फिर सभी को पटना ले आए। पटना में इलाज के दौरान विक्की कुमार की बुधवार को मौत हो गई। जबकि अन्य की स्थिति अभी गंभीर बनी हुई है। गांव के लोगों में चर्चा है कि अब तक कुछ पीड़ितों की आंख की रोशनी वापस नहीं लौटी है। सुमन राय का बेटा प्रिंस कुमार, वीरेंद्र राय का बेटा तिल्यंती, बुलबुल राय का बेटा रूपेश कुमार, बैजनाथ राय का बेटा सिंकु कुमार और विक्रम कुमार का इलाज पटना के निजी अस्पताल में चल रहा है। जहां सभी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बता दें कि मोहनपुर और मोहिउद्दीन नगर के क्षेत्र में पहले भी जहरीली शराब पीने से एक जवान समेत 6 लोगों की मौत हो चुकी है। यह घटना 2 साल पहले घटी थी। बताया गया कि गंगा के दियारा क्षेत्र में अवैध शराब का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाता है। इन्हीं अवैध फैक्ट्रियों में निर्मित की गई शराब का सेवन उक्त लोगों ने किया था। बता दें कि आए दिन दियारा इलाके में उत्पादन और जिला पुलिस की टीम अवैध शराब निर्माण की भट्ठी को भी ध्वस्त करती रही है। बावजूद यह कारोबार बड़े पैमाने पर दियारा क्षेत्र में होता रहता है। एसपी विनय तिवारी ने बताया कि मोहनपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में संदिग्ध स्थिति में मौत और कुछ लोगों के बीमार होने की सूचना मिली है। पुलिस की टीम को गांव में भेजा गया है, ताकि यह स्पष्ट हो सके की मौत का सही कारण क्या है।

पहाड़ों की चादर ओढ़े

मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉग

मेघालय का कैपिटल शिलॉग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉग न देखें । शिलॉग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

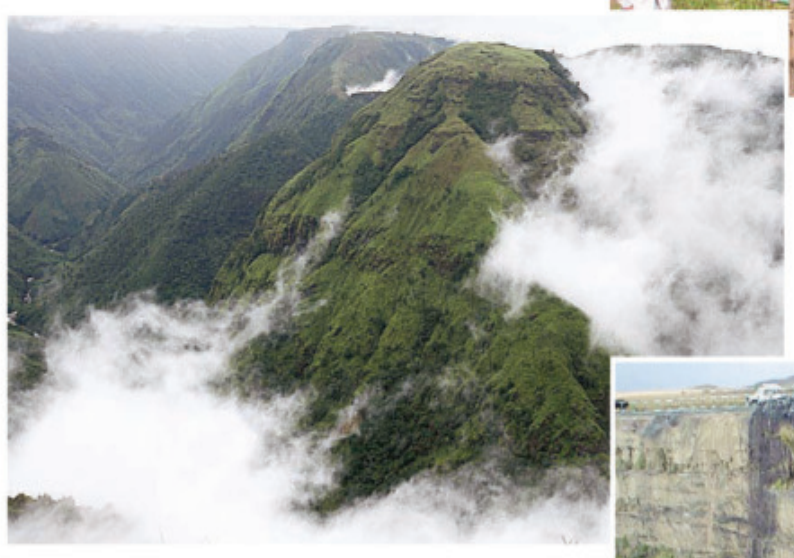

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक हद्धद्धहद्ध है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

आईसीसी रैंकिंग : सूर्यकुमार दूसरे स्थान पर बरकरार, जायसवाल छठे स्थान पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर बरकरार हैं जबकि युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायवाल छठे स्थान पर पहुंच गए। रुतुराज गायकवाड़ टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान के नुकसान से आठवें पायदान पर हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 श्रृंखला में भारत की 4-1 की जीत के बाद रैंकिंग को अपडेट किया गया है। श्रृंखला में 141 रन बनाने वाले जायसवाल को चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे हैं। सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में जिंबाब्वे दौरे पर भारतीय टीम की अगुआई करने वाले शुभमन गिल पांच पारियों में 170 रन बनाकर श्रृंखला के शीर्ष स्कोरर रहे। वह 36 स्थान की लंबी छलांग के साथ 37वें स्थान पर हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई भारतीय शीर्ष 10 में नहीं है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ श्रृंखला से अक्षर पटेल को ब्रेक दिया गया था और वह चार स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर खिसक गए हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और वाशिंगटन सुंदर को रैंकिंग में फायदा हुआ है। तीन मैच में आठ विकेट चटकाने वाले मुकेश 36 स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पांच मैच में आठ विकेट हासिल करने वाले सुंदर 21 स्थान की छलांग के साथ 73वें स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के आदिल राशिद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के एनरिच नोर्किया और श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा का नंबर उनके बाद आता है। टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर की सूची में भारत के हार्दिक पंड्या चार स्थान के नुकसान से छठे स्थान पर खिसक गए जबकि अक्षर एक स्थान के नुकसान से 13वें स्थान पर हैं। सुंदर और शिवम दुबे आठ और 35 स्थान के फायदे से क्रमश- 41वें और 43वें स्थान पर हैं। श्रीलंका के हसरंगा ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर चल रहे हैं।

वापसी के लिए तैयार शमी ने जारी किया नेट अभ्यास का वीडियो

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। शमी एकदिवसीय विश्वकप के बाद से ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर चल रहे थे पर अब वह फिट हो गये हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह नेट्स में गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं। शमी ने इसमें शानदार गेंदबाजी करते हुए विकेट भी उड़ा दिये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है।

शमी ने इसी साल फरवरी के महीने में अपनी एड़ी की सर्जरी भी कराई थी। जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज से भी बाहर थे। वह आईपीएल और टी20 विश्व कप 2024 से भी बाहर थे। शमी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें वह नेट्स में गेंदबाजी करते हुए दिख रहे हैं। उनके इस पोस्ट पर स्पिनर कुलदीप यादव और क्रिकेटर इरफान पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। शमी अपनी इस वीडियो में स्टंप उखाड़ते हुए नजर आ रहे है। उन्होंने लिखा है कि में एक बार फिर लय हासिल करने का प्रयास कर रहा हूं। शमी हालांकि श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं किये जाएंगे। माना जा रहा है कि वह बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज से वापसी कर सकते हैं।

एशिया कप से पहले बोली स्मृति मंधाना, अपनी मानसिकता और जोखिम-गणना का किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप 2024 से पहले अपनी मानसिकता और जोखिम-गणना के दृष्टिकोण के बारे में खुलकर बात की। मंधाना ने खुलासा किया कि उन्हें टी20आई में सरल दृष्टिकोण रखना पसंद है और यही उनकी सफलता की कुंजी रही है। भारतीय टीम आगामी महिला एशिया कप 2024 में भाग लेगी। टूर्नामेंट की शुरुआत 19 जुलाई से होगी जिसमें भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आमने-सामने होंगे। गत विजेता टीम इंडिया अपने खिताब की रक्षा करने के लिए टूर्नामेंट की पसंदीदा टीम के रूप में शुरुआत करेगी। मंधाना ने कहा, 'मेरी मानसिकता सिर्फ गेंद की खूबियों के हिसाब से खेलने की है। कभी-कभी आप पहले बल्लेबाजी करते हैं या फिर दूसरे। निश्चित रूप से, जब आप दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, तो आपके सामने वह स्कोर होता है, और आप

अपने जोखिमों की गणना कर सकते हैं, और आप इसके लिए जा सकते हैं। पहली पारी में मुझे लगता है कि टी20 में, यह थोड़ा नुकसानदेह है कि आपको नहीं पता कि आपको क्या करना है। लेकिन मुझे लगता है कि इसे बहुत ज्यादा जटिल नहीं बनाना चाहिए, बस गेंद की खूबियों के हिसाब से खेलना चाहिए। यह बहुत आसान है, बस इसे सरल रखें। मुझे ऐसा ही लगता है।' महिला टी20आई में पाकिस्तान के खिलाफ मंधाना का रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। 8 मैचों में मंधाना ने 26.71 की औसत से 187 रन बनाए हैं।

हार्दिक नहीं, सूर्यकुमार यादव श्रीलंका दौरे पर होंगे टी20 टीम के कप्तान !

मुम्बई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव को श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए टीम के मौजूदा उप-कप्तान हार्दिक पंड्या से पहले भारत का नया टी20ई कप्तान नियुक्त किया जाना तय है। सूर्यकुमार ने रोहित शर्मा का स्थान लिया है, जिन्होंने पिछले महीने कैरेबियन में भारत को टी20 विश्व कप दिलाने के बाद विराट कोहली और रवींद्र जड़ेजा के साथ टी20ई से संन्यास ले लिया था। हालांकि हार्दिक टी20 विश्व कप में रोहित के डिप्टी थे और एक अधिक अनुभवी कप्तान हैं - उन्होंने आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस का नेतृत्व करने के अलावा तीन वनडे और 16 टी20ई में भारत का नेतृत्व किया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी20 टीम की कप्तानी हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को सौंपने का विकल्प चुना है। बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि 'लंबी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए' इस फैसले पर विचार किया

जा रहा है। सूत्रों ने सुझाव दिया कि चयन पैनल टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए किसी ऐसे खिलाड़ी को नियुक्त करना चाहता है जो लंबे समय तक उपलब्ध रह सके।

श्रीलंका में टी20ई नए कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में भारत का पहला कार्य होगा, जो टी20 विश्व कप के बाद राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। इसे अगले टी20 विश्व कप की तैयारी की दिशा में पहले कदम के रूप में भी देखा जा रहा है, जिसकी भारत 2026 में सह-मेजबानी करने वाला है।

बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव

सूर्यकुमार यादव का भारतीय टी20 में कप्तान के रूप में एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया का नेतृत्व किया है और दोनों टी20 सीरीज जीती हैं। बतौर कप्तान उनके नाम अब तक 5 जीत और 2 हार का रिकॉर्ड है। सूर्यकुमार ने इन 7 मैचों में कप्तानी करते हुए 300 रन बनाए हैं जिसमें 2 अर्द्धशतक और एक शतक शामिल है।

श्रीलंका के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में टी20 में श्रीलंका पर दबदबा बनाए रखा है। 29 मैचों में से भारत ने 19 बार जीत हासिल की है जबकि 9 बार उसे हार मिली है। 2020 में गुवाहाटी में एक मैच बारिश के कारण रद्द कर दिया गया था। 1979 में पहली बार भिड़ने के बाद से भारत ने श्रीलंका के खिलाफ 168 एकदिवसीय मैच खेले हैं। भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ 100 एकदिवसीय जीत पूरी करने से एक कदम पीछे है। उन्हें 57 में हार मिली जबकि 11 मैचों का कोई नतीजा नहीं निकला। फरवरी 2012 में एडिलेड ओवल में एक मैच टाई पर समाप्त हुआ था।

रोहित, विराट और बुमराह को छोड़कर अन्य सभी के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य : बीसीसीआई

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के लिए खाली समय में घरेलू क्रिकेट खेलना जरुरी नहीं है। वहीं ने बोर्ड के नये नियम के अनुसार अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। अगर वे ऐसा नहीं करते तो राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं बना पायेंगे। टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए हर एक खिलाड़ी के लिए कम से कम एक घरेलू मुकाबला खेलना जरुरी है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने गत वर्ष कहा था कि नये नियम के अनुसार सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। साथ ही कहा था कि आईपीएल के लिए घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा सकती है। साथ ही कहा कि जब खिलाड़ी अंतराष्ट्रीय सीरीज नहीं खेल रहे हों तो उन्हें अपनी घरेलू टीम की तरफ से मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहना होगा। पिछले साल श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। जिसके बाद से ही ये दोनो टीम से बाहर हैं। इन्हें केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं मिला है। वहीं रोहित, विराट और बुमराह को बीसीसीआई की तरफ से जारी सूची से अलग रखा गया है। इसके आलावा जितने भी टीम में जगह बना चुके या बाहर बैठे खिलाड़ी हैं, सबके लिए बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि कम से कम एक घरेलू मैच तो खेलना होगा।

कपिल देव की ओलंपिक के लिए जाने वाले खिलाड़ियों को सलाह

नई दिल्ली - भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के अध्यक्ष कपिल देव ने बुधवार को ओलंपिक जाने वाले भारतीय खिलाड़ियों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ में स्वच्छंद होकर खेलने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतेगा। पेरिस में भारत का प्रतिनिधित्व 117 सदस्यीय दल करेगा और देश को तोक्यो में जीते सात पदकों की संख्या को बेहतर करने की उम्मीद है। ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियन्स लीग (टीजीसीएल) के दूसरे सत्र की घोषणा के मौके पर कपिल ने कहा, 'मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है।' 'उन्होंने कहा, 'सभी को (भारतीय खिलाड़ियों) मेरी सलाह होगी कि वे जाएं और खुद को जाहिर करें, स्वच्छंद होकर खेलें। हम क्यों उम्मीद नहीं करेंगे कि हम दोहरे अंक में पदक जीतेंगे।' कपिल ने हालांकि भारतीय क्रिकेट और नवनियुक्त मुख्य कोच गौतम गंभीर पर टिप्पणी करने से परहेज किया। उन्होंने कहा, 'अगर गौतम गंभीर वह पद (भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद) संभाल रहे हैं तो मैं उन्हें और टीम को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे पहले से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। मैं भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देना चाहता हूं।' गोल्फ के शौकीन कपिल ने उम्मीद जताई कि देश में यह खेल आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा, 'जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह इस ऊंचाई पर पहुंचेगा। मुझे उम्मीद है कि एक दिन गोल्फ भी क्रिकेट की ऊंचाइयों पर पहुंच जाएगा।'

ओलंपिक में भारत को भाला फेंक, मुक्केबाजी और बैडमिंटन में अधिक पदकों की उम्मीद रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 27 जुलाई से शुरु हो रहे पेरिस ओलंपिक में पिछले बार से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। पिछले बार हुए टोक्यो ओलंपिक में भारत को एक स्वर्ण सहित कुल सात पदक मिले थे जबकि इस बार भारत को अधिक पदकों की उम्मीद रहेगी। इस बार भारतीय दल में 100 से अधिक खिलाड़ी शामिल हैं। भारत को मुक्केबाज , जैवलिन थ्रो, भारोत्तोलन और बैडमिंटन व हॉकी में पदक जीतने की उम्मीद है। इससे पहले टोक्यो में भारत के नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था। इस बार भी उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना रहेगा। वहीं भारोत्तोलन में महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में मीराबाई चानू पदक की दावेदारी पेश करेंगी। उन्होंने टोक्यो में रजत पदक जीता

था। ऐसे में अब उनसे स्वर्ण की उम्मीद है। महिला बैडमिंटन स्टार पी.वी. सिंधु ने ओलंपिक में रजत और कांस्य पदक जीता है। इस बार उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना रहेगा। बैडमिंटन में एच.एस. प्रणय, लक्ष्य सेन समेत कई अन्य स्टार खिलाड़ी भी दल में शामिल हैं। ऐसे में भारत को बैडमिंटन में भी दो-तीन पदक की उम्मीद है।

वहीं मुक्केबाजी की बात करें तो इसमें भारत का प्रदर्शन हमेशा अच्छा रहा है। इस बार भारतीय दल से कम से कम दो-तीन पदकों की उम्मीद है। अनुभवी निखत जरीन, लवलीना बोरगोहेन सहित अमित पंघाल जैसे मुक्केबाज जीत के इरादे उतरेंगे। इसके अलावा मनु भाकर भी बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। भाकर एकमात्र ऐसी एथलीट हैं जो एक से अधिक व्यक्तिगत स्पर्धाओं, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल और महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में भाग ले रही हैं और कई पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। 2020 टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। इस बार उसका लक्ष्य पदक के रंग को बदलना रहेगा।

शौर्य बावा मिस्र के मोहम्मद जकारिया से हारे, विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य पदक से करना पड़ा संतोष

नई दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद जकारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। बावा पिछले साल के उपविजेता जकारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11 5-11 9-11 से हार गए। कुश कुमार (2014 में) के बाद बावा विश्व जूनियर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं। लड़कियों के वर्ग में अनाहत सिंह क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई थी। भारत की 16 वर्ष की राष्ट्रीय चैम्पियन को मिस्र की नादियां इल्हामामी ने 11-8, 11-9, 5-11, 10-12, 13-11 से हराया था।

पेरिस ओलंपिक में पदक का रंग बदलने उतरेंगे : ललित

बेंगलुरु । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के खिलाड़ी ललित उपाध्याय को उम्मीद है कि इस बार उनकी टीम अपने पदक का रंग बदलने में सफल रहेगी। भारतीय टीम ने पिछले ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इस बार हालांकि भारतीय टीम को कठिन ग्रुप मिला है। इसमें उसके पूल चरण में ही ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गजों से मुकाबला करना है। ललित ने कहा ,''ओलंपिक में पूल पर ध्यान देना सही नहीं है क्योंकि सभी टीमें पूरी तैयारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने आती हैं। ऐसे में हम मैच के हिसाब से रणनीति बनायेंगे और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करेंगे।' भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक से पहले मानसिक मजबूती के लिए स्विटजरलैंड के माइक होर्न्स बेस में तीन दिवसीय शिविर के बाद नीदरलैंड में अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय टीम को ओलंपिक में पूल बी के पहले मैच में 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से जबकि 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड और एक अगस्त को बेल्जियम और दो अगस्त को पूर्व चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करना है। इस खिलाड़ी ने कहा कि सभी उत्साहित है और टीम को पदक जीतने का पूरा भरोसा है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका और पाकिस्तान के दौरे की पुष्टि की, जारी किया शेड्यूल

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ने पुष्टि की है कि वे इस साल की गर्मियों में श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ एक सफेद गेंद की श्रृंखला की मेजबानी करेंगे, साथ ही इस साल के अंत में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पहले से घोषित आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला की भी मेजबानी करेंगे। आईसीसी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कीवी पुरुष टीमों ने बुधवार को अपने ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें टीमें नवंबर के अंत से लेकर अप्रैल की शुरुआत तक अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करेंगी। इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला 28 नवंबर को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी जिसमें न्यूजीलैंड नए साल के दोनों ओर श्रीलंका के खिलाफ एक सफेद गेंद की श्रृंखला और मार्च के मध्य से पाकिस्तान के खिलाफ आठ और सफेद गेंद की प्रतियोगिताएं जोड़ेगा। न्यूजीलैंड की पुरुष टीम के लिए यह एक व्यस्त सफेद गेंद का कार्यक्रम है, जिसमें कीवी टीम ने पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजन से ठीक पहले फरवरी में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला की पुष्टि की है। व्हाइट फर्न्स ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इन मैचों के बीच श्रीलंका के खिलाफ भी छह मैच खेलेगी, जबकि एशियाई टीम मार्च में न्यूजीलैंड का दौरा करेगी।

भारतीय दल को सर्वश्रेष्ठ सुविधा देने का प्रयास कर रहे, फिर भी हो रही आलोचना: पीटी उषा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक में भाग ले रहे खिलाड़ियों को उनकी पसंद का सहयोगी स्टाफ मुहैया कराने के लिए खेल मंत्रालय, आईओए और राष्ट्रीय महासंघों ने मिलकर बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने इस शानदार तालमेल पर गौर नहीं करने के लिए आलोचकों को लताड़ भी लगाई।

खेल मंत्रालय ने 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए 117 खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को मंजूरी दी है। इनमें निजी कोच, मानसिक ट्रेनर और फिजियोथैरेपिस्ट भी शामिल हैं। आईओए विशेष रूप से प्रसिद्ध खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में गठित 13 सदस्यीय खेल विज्ञान टीम भी दल के साथ भेज रहा है।

उषा ने कहा, 'आईओए में हम एक ऐसे युग में प्रवेश कर चुके हैं, जहां खिलाड़ी हमारी योजना और तैयारियों के केंद्र में हैं। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों के बीच सामान्य 3=1 अनुपात के बजाय हमने इसे 1:1 अनुपात से थोड़ा बेहतर करने के लिए कड़ी मेहनत की है।' उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की हर मांग पूरी करने के प्रयासों के बावजूद कुछ रिपोर्टों में काम की नकारात्मक तस्वीर पेश करना निराशाजनक है। उषा ने कहा, 'खेल मंत्रालय और इसकी इकाइयों, राष्ट्रीय खेल महासंघों और कॉर्पोरेट भागीदारों के साथ मिलकर आईओए ने शानदार टीमवर्क से काम किया है। यह देखकर हैरानी होती है कि कुछ लोगों ने इस तरह के तालमेल को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है।'

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले छह पहलवानों में से एक अंतिम पंघाल कथित तौर पर अपने चार सदस्यीय सहायक स्टाफ के लिए वीजा का इंतजार कर रही हैं, जिससे उनके अभ्यास में बाधा पड़ रही है। उषा ने कहा कि वह सुनिश्चित करेंगी कि खिलाड़ियों के गैर मान्यता प्राप्त सहयोगी स्टाफ के लिए वीजा में और देरी न हो और वह भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ अंतिम के कोच भगत सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट हीरा और स्पारिंग पार्टनर विकास का मुद्दा उठाएंगी। उषा ने इसके लिए अब भंग कर दी गई तदर्थ समिति को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा, 'कुश्ती का संचालन करने वाली (आईओए द्वारा नियुक्त) तदर्थ समिति ने ओलंपिक खेल आयोजन समिति को भेजे गए नामों की लंबी सूची में अंतिम के कोच या फिजियोथेरेपिस्ट का नाम शामिल नहीं करने का फैसला किया।' उषा ने कहा, 'यह अजीबोगरीब है कि खिलाड़ियों, कोच और सहयोगी स्टाफ की लंबी सूची को मंजूरी देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों ने भगत सिंह या हीरा या विकास को शामिल करने की सिफारिश करना उचित नहीं समझा।'

टेस्ट में दो बार भारतीय टीम के छह खिलाड़ी शून्य पर ही आउट हुए

मुम्बई । टेस्ट क्रिकेट में अब तक 8 अवसरों पर एक पारी में किसी टीम के 6 बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाये। भारतीय टीम के साथ ये दो बार हुआ है। अगस्त 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट की पहली पारी में भारतीय टीम 152 रन पर आउट हो गई थी। तब मुरली विजय, चेतेश्वर पुजारा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा, भुवनेश्वर कुमार और पंकज सिंह शून्य पर ही आउट हुए थे। तब कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने 71 और आर अश्विन ने 40 रन बनाए थे। इंग्लैंड की ओर से स्टुअर्ट ब्रॉड ने 25 रन देकर 6 विकेट लिए थे. जनवरी 2024 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में एक बार फिर भारतीय टीम के 6 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए थे। इस मैच में यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मो. सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा 0 पर आउट हुए थे। टेस्ट क्रिकेट में न्यूजीलैंड टीम के 6 बल्लेबाज एक बार शून्य पर आउट हुए हैं। नवंबर 2018 के दुबई टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम पहली पारी में 90 रन पर आउट हो गई थी। तब रॉस टेलर, हेनरी निकोलस, कॉलिन डि ग्रैंडहोम, ईश सोढ़ी, नील वेगनर और ट्रेंट बोल्ट 0 पर आउट हुए थे।

बहुत हो गया...मासिक धर्म अवकाश को लेकर नीति बनाए केंद्र

नई दिल्ली । भारत में अनिवार्य मासिक धर्म अवकाश का मुद्दा फिर चर्चा में है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने आदेश में केंद्र को निर्देश दिया कि वे राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श कर महिला कर्मचारियों के लिए मासिक धर्म अवकाश पर एक मॉडल नीति तैयार करे। जामिया मिलिया इस्लामिया की मास्टर्स की एक छात्रा हर महीने मासिक धर्म अवकाश की वकालत करने वाली महिलाओं में से एक हैं। छात्रा बताती है कि उन्हें हर महीने मासिक धर्म यानी पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पी.सी.ओ.एस.) की चुनौती से कैसे जूझना पड़ता है। वह बताती हैं पी.सी.ओ.एस. से होने वाला दर्द और तकलीफ बहुत ज्यादा हो सकती है। इसके बाद क्लास में जाना और अपनी पढ़ाई पर ध्यान देना लगभग असंभव होता है। एक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत महिलाएं चाहती हैं कि कंपनियां मासिक धर्म अवकाश की अनुमति दें। एक मार्केटिंग पेशेवर महिला ने बताया कि मासिक धर्म के दौरान दर्द और तकलीफ इतनी गंभीर होती है कि काम पर ध्यान केंद्रित करना असंभव होता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में कुछ कंपनियों ने इस मुद्दे को हल करने के लिए कदम उठाए हैं। स्विगी ने बिना किसी सवाल के महीने में दो दिन मासिक धर्म अवकाश नीति लागू की है। स्विगी के अनुसार मासिक धर्म अवकाश या भुगतान किया गया अवकाश प्रदान करना उनके महिला कर्मचारियों की अनूठी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करता है, विशेष रूप से वे जो भोजन की डिलीवरी जैसी शारीरिक रूप से कठिन भूमिकाओं में लगी हुई हैं। स्विगी ने कहा कि जब हमने पहली बार मासिक धर्म अवकाश लागू किया, तब सकारात्मक प्रतिक्रिया में अचानक वृद्धि हुई।

चार राज्य में फैला चांदीपुरा वायरस...100 में से 70 बच्चों की हो जाती हैं मौंत

नई दिल्ली । देश के चार राज्यों में खतरनाक देसी वायरस चांदीपुर ने अपने पांव पसार लिए हैं। जिससे मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी पुणे को अलर्ट पर रखा गया है। एम्स में पीडियाट्रिक विभाग के पूर्व एचओडी डॉ. एम बाजपेयी ने बताया कि इस वायरस के चपेट में आने से 100 में से 70 बच्चों की मौत हो सकती है। डॉ बाजपेयी ने कहा कि इसमें मोर्टेलिटी 56 से 70 फीसदी तक है। डॉ. बाजपेयी ने बताया कि वायरस में बहुत कम समय में यानी की 24 से 48 घंटे में मृत्यु हो सकती है। इसलिए जरूरी यह है कि हाइजीन का ध्यान रखें। फुल स्लीव्स वाले कपड़े पहने। मच्छरों से बचे। जैसे ही लक्षण होता है अस्पताल तुरंत जाएं। इसमें कोई एंटी वायरस थैरेपी नहीं होती है। डॉ.बाजपेयी ने कहा कि जैसे फ्लू के साधारण लक्षण होते हैं इसमें भी लगभग वहीं लक्षण दिखाते हैं, जैसे कि बुखार आता है, सिरदर्द होता है, डायरिया हो सकता है, दौरे भी पड़ सकते हैं, यह ब्रेन को बहुत ही जल्दी पकड़ता है। बहुत जल्दी बच्चा कोमा में चला जाता है और मौत तक हो सकती है। इसलिए इस मौसम में इस तरह के लक्षण आने पर उसे हल्के में ना लें। गुजरात में अपने पांव पसारने के बाद चांदीपुरा वायरस ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश के बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया है। सभी बच्चों के खून के सैंपल पुणे की राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान भेजे गए हैं। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा है कि जहां चांदीपुर वायरस के फैलाव सामने आया है वहां अब तक 8600 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। यहां पूरे इलाके को 26 जोन में बांटा गया है।

पूजा ने खबरों को बताया भ्रामक बोलीं, जांच में हो जाएगा दूध का दूध और पानी का पानी

मुंबई। ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर ने मीडिया के सामने एक बार फिर से बयान दिया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए बताया कि वो जांच में पूरा सहयोग करेंगी और जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसे वो स्वीकार करेंगी। पूजा खेडकर ने पत्रकारों से अपील करते हुए कहा, मेहरबानी कर आप लोग इस संबंध में कोई भी झूठी खबर मत फैलाइए। अगर आप ऐसा करेंगे, तो आम लोगों के बीच में जहां एक तरफ गलत सूचना फैलेगी, वहीं दूसरी तरफ लोग दिग्भ्रमित होंगे। लिहाजा, मेरी आप लोगों से दरख्वास्त है कि आप ऐसा मत कीजिए। पत्रकार और पत्रकारिता को भारतीय लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। राष्ट्र निर्माण में इसकी अहम भूमिका होती है। ऐसे में मेरी अपील है कि जिम्मेदारीपूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन करें। पूजा खेडकर से महिला पुलिसकर्मियों को अपने आवास पर बुलाने के संबंध में जब सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि मुझे कुछ निजी काम था, जिसे देखते हुए मैंने उन्हें बुलाया था। बाकी ऐसा कुछ और नहीं था। वहीं, कमेटी की जांच के संबंध में पूजा खेडकर ने कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कमेटी की जांच को लेकर मैं किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं कर सकती। उधर, पूजा खेडकर से शैक्षणिक दस्तावेजों के संबंध में भी सवाल किया गया। उनसे सवाल किया गया कि आपके दस्तावेजों से यह साफ जाहिर हो रहा है कि आप अपनी उम्र छुपाते हुए नजर आ रही हैं। इस पर उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में किसी भी प्रकार की टिप्पणी नहीं कर सकती हूं।

विदेश में फंसे 27 मजदूरों को चार माह से नहीं मिला वेतन, अब रोटी के पड़े लाले

रांची। अफ्रीकी देश कैमरून में एल एंड टी कंपनी में मजदूरी करने गए झारखंड के 27 मजदूरों को बीते चार माह से कंपनी ने वेतन नहीं दिया है। ऐसे में उनके पास दो जून की रोटी के भी लाले पड़ रहे हैं। कैमरुन से निकालने के लिए श्रमिकों ने वीडियो जारी अपनी स्थति बयां की है। मूल रूप से हजारीबाग, बोकारो और गिरिडीह के रहने वाले इन श्रमिकों ने भारत सरकार और राज्य सरकार से मदद मांगी है। सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर अपनी दुर्दशा व्यक्त करते हुए कहा है कि वे कैमरून में एलएंडटी कंपनी में कार्यरत हैं, लेकिन चार महीने से उन्हें वेतन नहीं दिया गया है। उन्हें वहां ले जाने वाला ठेकेदार भी फरार है। उनके समक्ष भूखों मरने की नौबत आ गई है। विष्णुगढ़ अचलजामो के बिशुन महतो, जोबर के टेकलाल महतो, खरना के छत्रधारी महतो, भीखन महतो, चानो के चिंतामन महतो, गिरिडीह के शुकर महतो, रमेश महतो, विजय महतो, दौलत महतो, बोकारो के मोहन महतो, डेगलाल महतो, गोविंद महतो, चुरामन, जगदीश, मुरारी महतो, लखीराम, पुशन, कमलेश महतो, महेश महतो, दामोदर महतो, मुकुंद नायक, परमेश्वर महतो, अनु महतो, धनेश्वर महतो, शीतल, कुलदीप हांसदा आदि शामिल हैं। मजदूरों ने जारी वीडियो में बताया कि वे सभी 27 लोग एक ठेकेदार के माध्यम से ट्रांसमिशन लाइन में काम करने के लिए 29 मार्च को कैमरून गए थे। एलएंडटी कंपनी में उन्हें काम तो मिल गया, लेकिन वेतन नहीं मिलने से खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। यहां कोई मदद करने वाला नहीं है। इसलिए भारत और झारखंड की सरकार उनके बकाए वेतन का भुगतान कराने और वतन वापसी में मदद करें। इधर, प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकंदर अली ने कहा कि सरकार श्रमिकों की वापसी के लिए ठोस पहल करे। पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। सरकार को प्रवासी मजदूरों के लिए स्थानीय स्तर पर रोजगार की व्यवस्था करनी चाहिए।

मतदान करने से रोके गए मतदाताओं ने की राज्यपाल से मुलाकात, मिला आश्वासन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हाल में हुए उपचुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कार्यकर्ताओं ने मतदान करने से रोके गए मतदाताओं ने बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनंद बोस से मुलाकात की। मतदाताओं ने आरोप लगाया कि उन्हें उपचुनावों में और लोकसभा चुनावों के दौरान अपने मत का उपयोग नहीं करने दिया। राज्यपाल बोस ने इन लोगों से बातचीत के बाद उन्हें मामले पर गौर करने का आश्वासन दिया। इन लोगों ने नेता प्रतिपक्ष शुभेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में राज्यपाल से मुलाकात की थी। शुभेन्दु अधिकारी ने कहा कि वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगेंगे और इन मतदाताओं को उनके पास ले जाएंगे ताकि वह उन हुए अत्याचारों के बारे में बता सकें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति देश की संवैधानिक प्रमुख हैं और उन्हें भी जानकारी होनी चाहिए कि पश्चिम बंगाल में क्या चल रहा है। इसे जारी रहने नहीं दिया जा सकता। उनसे मिलने का समय मांगा जाएगा और इनमें से पांच लोगों को उनसे मिलवाने ले जाएंगे।

सबका साथ-सबका विकास' नहीं चाहिए, बंद करो यह नारा, मचा बवाल

-बीजेपी के नेता सुवेंदु अधिकारी के बिगड़े बोल, कहा- हमें अल्पसंख्यक मोर्चे की जरूरत नहीं

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा के नेता सुवेंदु अधिकारी ने पीएम मोदी के 'सबका साथ-सबका विकास' नारे को लेकर कहा है कि 'सबका साथ-सबका विकास' नहीं चाहिए। पार्टी को तुरंत अल्पसंख्यक मोर्चा भंग कर देना चाहिए। बंगाल के चुनावों में मिली हार और हिन्दुओं पर हो रहे हमले को लेकर यह बयान दिया जिसके बाद सियासी भूचाल आ गया है।

कोलकाता में बीजेपी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए सुवेंदु के बोल बिगड़ गए, उन्होंने कहा कि पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए अब हमें नया नारा लेकर चलना होगा. 'जो हमारे साथ, हम उनके साथ'। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि मैंने राष्ट्रवादी मुसलमानों के बारे में बात की थी और आप सभी ने भी कहा था कि 'सबका साथ, सबका विकास' लेकिन मैं इसे अब और नहीं कहूंगा, बल्कि अब हम कहेंगे 'जो हमारे साथ हम उनके साथ', सबका साथ, सबका विकास बंद करो', अल्पसंख्यक मोर्चे की पार्टी को जरूरत नहीं है।

'सबका साथ, सबका विकास' का नारा पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 में दिया था। उन्होंने जाति और धर्म से परे सभी भारतीयों के समान विकास और साथ लेकर चलने की बात कही थी। सुवेंदु का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब वोटिंग पैटर्न के विश्लेषण से पता चला है कि बंगाल में बीजेपी की जीत में अल्पसंख्यक समुदाय बड़ी बाधा बनकर उभरा है। यही वजह है कि? बीजेपी लोकसभा चुनाव में 42 सीटों में से 30 जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी, लेकिन उसे सिर्फ 12 सीट ही मिली। हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में भी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा है।

सुवेंदु ने एक पोर्टल भी लांन्च किया, जिसपर वे मतदाता अपनी शिकायत दर्ज करा पाएंगे, जिन्हें वोट करने से रोक दिया गया, या किन्हीं वजहों से वे वोट नहीं डाल पाए। अधिकारी ने ट्वीट किया, लोकसभा चुनाव में करीब 50 लाख हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया गया। राज्य में हुए चार उपचुनावों में दो लाख से अधिक हिंदुओं को वोट नहीं डालने दिया गया। यह क्या हो रहा है।

माफिया अतीक अहमद की 50 करोड़ की संपत्ति पर योगी सरकार का कब्जा, अपराध की कमाई से खरीदी थी जमीन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रयागराज में लगभग रू. 50 करोड़ की संपत्ति अपने कब्जे में ले ली, जो मारे गए गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद की थी, जिसे कथित तौर पर आपराधिक गतिविधियों के पैसे से खरीदा गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि अतीक ने अपराध से जुड़ी गतिविधियों के पैसे से 2.377 हेक्टेयर जमीन हासिल की और उसे हुबलाल नाम के राजमिस्त्री के नाम दर्ज करा दिया। अतीक ने यह भी दावा किया कि जरूरत पड़ने पर वह जमीन अपने नाम कर लेगा। नवंबर 2023 में पुलिस ने इस जमीन को जब्त कर लिया। अग्रहरि ने कहा कि पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत संपत्ति जब्त कर ली और जवाब देने के लिए तीन महीने का समय दिया। हालाँकि, स्वामित्व का कोई प्रमाण नहीं दिया गया। इसके बाद पुलिस कमिश्नर कोर्ट ने मामले को प्रयागराज की गैंगस्टर कोर्ट में भेज दिया। न्यायाधीश विनोद कुमार चौरसिया ने पुलिस आयुक्त की कार्रवाई को निष्पक्ष और उचित माना, और संपत्ति आधिकारिक तौर पर राज्य सरकार को हस्तांतरित कर दी गई।

'पीएम को सिर्फ घमंड की परवाह', खड़गे का आरोप, मिशन इंद्रधनुष के तहत नहीं हो रहा बच्चों का टीकाकरण

नयी दिल्ली। (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'मिशन इंद्रधनुष' कार्यक्रम के तहत टीकाकरण करने में कथित विफलता के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले केंद्र पर निशाना साधा और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, 'पीएम केवल घमंड की परवाह करते हैं।' राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने इसे 'मुख्य पाप' करार देते हुए दावा किया कि 2023 में 16 लाख बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के टीके नहीं दिए गए थे।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सीओवीआईडी महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों की सहायता के लिए लगभग आधे आवेदन पीएम केयर्स फंड द्वारा 'बिना कोई कारण बताए' खारिज कर दिए गए। मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव को 'बर्बाद' कर रही है।

मिशन इंद्रधनुष केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में एक प्रमुख नियमित टीकाकरण अभियान है। 2014 में शुरू की गई योजना यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि नियमित टीकाकरण सेवाएं उन बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंचें जो पहले टीकाकरण से चूक गए थे या टीकाकरण कार्यक्रम से बाहर हो गए थे। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी द्वारा रखी गई टीकाकरण में भारत की मजबूत नींव का लाभ मोदी सरकार द्वारा बेशर्मी से बर्बाद कर दिया गया है, क्योंकि 16 लाख बच्चों को 2023 में डिप्थीरिया, टेटनस, और पर्टुसिस (डीटीपी) और खसरे के टीके नहीं दिए गए हैं। 2022 में प्राप्त लाभ को नष्ट करना।

उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं, मीडिया रिपोर्टों से उजागर हुए कोविड अनाथ बच्चों के प्रति रैंक की उदासीनता और घोर तिरस्कार से पता चलता है कि ऐसे बच्चों की सहायता के लिए लगभग 50त्न आवेदन PMCARES फंड द्वारा बिना कोई कारण बताए खारिज कर दिए गए थे! नरेंद्र मोदी जी, अगर हमारे बच्चों की देखभाल नहीं की जाएगी तो हम 'विक्सित भारत' कैसे सुनिश्चित करेंगे? हकीकत में पीएम को सिर्फ घमंड की परवाह है!

महाराष्ट्र में लाड़ली बहना की तर्ज पर लाडला भाई योजना' शुरु

-12वीं पास युवाओं को हर माह 6 हजार, डिप्लोमा पर 8 हजार और ग्रेजुएट को 10 हजार रुपये देगी शिंदे सरकार

मुंबई (एजेंसी)। लाड़ली बहना योजना की तर्ज पर अब शिंदे सरकार 'लाडला भाई योजना' शुरू करने जा रही है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्य में यह नई स्कीम शुरू करने की घोषणा की है। सीएम शिंदे आषाढ़ी एकादशी के मौके पर पंढरपुर के विट्ठल मंदिर में दर्शन करने करने आए थे। यहां महापूजा के बाद सीएम शिंदे ने योजना की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री लाडली बहन के बाद 'लाडला भाई योजना' की जानकारी देकर सीएम शिंदे ने बताया कि 12वीं पास करने वाले युवाओं को महाराष्ट्र सरकार हर माह 6 हजार रुपये देगी। वहीं डिप्लोमा करने वाले युवाओं को 8 हजार और ग्रेजुएट युवाओं को 10 हजार रुपये प्रति माह दिए जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि युवाओं को एक साल तक किसी फैक्ट्री में अप्रेंटिसशिप करने का मौका दिया जाएगा। इससे युवाओं को काम का अनुभव मिलेगा और अनुभव के आधार पर नौकरी मिलेगी।

दरअसल महाराष्ट्र में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। मुख्यमंत्री शिंदे के इस ऐलान को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। लोकसभा चुनाव के नतीजे में बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी की सत्ताधारी महायुति गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। इसके पीछे बेरोजगारी और युवाओं में बढ़ती नाराजगी को बड़ी वजह बताया गया था। उधर विपक्षी महाविकास आघाड़ी गठबंधन भी लगातार ही बेरोजगारी का मुद्दा उठाता रहा है। इसके बाद शिंदे सरकार के इस ऐलान को विपक्षी के इसी हथियार की तोड़ के रूप में देखा जा रहा है।

जीतन ने ब्याज पर आरोपियों को दिए थे पैसे, लेनदेन को लेकर हुई हत्या

- सीसीटीवी फुटेज मिलने के बाद मामले में पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री मुकेश साहनी के पिता जीतन सहनी की हत्या के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने जांच के बाद दावा किया कि ब्याज पर लिए गए पैसों के लेनदेन को लेकर इस घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने घटना के बाद चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इनसे पूछताछ में पुलिस को बड़ी जानकारी हाथ लगी है।

पुलिस के मुताबिक मृतक जीतन साहनी के घर पर सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। इसके मुताबिक रात 10.30 से 11 बजे के बीच घर में चार लोग जाते दिख रहे हैं। कुछ देर घर में रहने के बाद सभी बाहर निकले। इनकी पहचान कर इन्हें हिरासत में लिया गया है। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है। इन संदिग्धों के मोबाइल डिटेल्स, मृतक के साथ लेनदेन, देर रात घर में जाने के कारण की पूछताछ की गई है। पूछताछ में अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है।

जांच में पता चला है कि चार में से दो लोगों ने जीतन साहनी से ब्याज पर पैसा लिया था। इनमें से एक ने बाइक जीतन के पास गिरवी रखी है। ये लोग रात में बाइक छुड़ाने जीतन से बात करने पहुंचे थे। चार में से दो लोगों की पहले भी जीतन से कहासुनी हो चुकी थी। जीतन को सबक सिखाने की धमकी भी दी गई थी। हत्या के पीछे इन विवादों और लेनदेन को मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ा रही है।

विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की बिहार के दरभंगा जिले में उनके घर में मंगलवार को हत्या कर दी गई थी। दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक टीम मौके पर पहुंच कर जांच कर रही है। बता दें बिहार सरकार में मंत्री रहे मुकेश सहनी वीआईपी के प्रमुख हैं। वीआईपी विपक्षी गठबंधन इंडिया गठबंधन का सहयोगी दल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री का आरोप, झारखंड सरकार से मिल रहा घुसपैठियों को संरक्षण

रांची (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड बीजेपी के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोला। रांची के हटिया विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी की विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस सरकार ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रखा है। इस वजह से राज्य की डेमोग्राफी बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा इस विधानसभा चुनाव के बाद यह सरकार फिर आ गई तो यह तय है इस राज्य के मूल निवासी आने वाले दिनों में अल्पसंख्यक हो जाएंगे।

चौहान ने कहा कि इस राज्य की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों को बचाने के लिए विधानसभा चुनाव में बीजेपी हो जितना जरूरी है। लोकसभा चुनाव में हमने राज्य की 14 में से 9 सीटें जीतीं और 81 में 50 विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की। विधानसभा चुनाव में भी हम 'महाविजय' प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का परिणाम साधारण परिणाम नहीं है, तभी तो तीसरी बार मोदी देश के प्रधानमंत्री बने हैं। पीएम मोदी की गारंटी पर जनता ने मुहर लगाई है। सामने वाले 99 पर खुश हैं। आप इसी पर खुश रहिए, शासन हम चलाते रहेंगे।

उन्होंने कहा कि पांच साल पहले जब राज्य में रघुवर दास के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार थी, उस वक्त राज्य के किसानों को खेती के लिए प्रति एकड़ पांच हजार रुपए की आर्थिक मदद दी जाती थी। मौजूदा सरकार ने इसे खत्म कर दिया। उन्होंने महिलाओं के नाम पर पचास लाख तक की प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री मात्र एक रुपए में करने की व्यवस्था लागू की थी। इस सरकार ने महिलाओं से उनकी यह सहूलियत भी छीन ली। पीएम मोदी की सरकार ने राज्य में जल नल योजना के लिए करोड़ों की राशि दी, लेकिन इस सरकार ने उसका दुरुपयोग किया। इस राज्य में जल नल योजना की हालत सबसे खराब है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया है। उन्होंने राज्य में आपराधिक घटनाओं का आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि हत्या, लूट, बलात्कार और दंगे की घटनाएं बढ़ी हैं।

पांच जवान शहीद होने के बाद डोडा में मुठभेड़ जारी

जम्मू। मंगलवार को हुए हमले के बाद आतंकवादियों की तलाश के लिए सघन जंगल वाले इलाके में व्यापक तलाशी अभियान चल रहा है। आतंकवादियों द्वारा किए गए इस कायराना हमले की व्यापक रूप से निंदा की गई है और सेना तथा पुलिस ने कहा है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को मार गिराया जाएगा। इसके बाद बुधवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने कहा कि गोलीबारी उसी स्थान पर हुई जहां मंगलवार को हुई थी। मंगलवार को जिले के भाटा देसा इलाके के ऊपरी इलाकों में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गोलियां चली थीं। जिसमें एक कैप्टन समेत चार सैनिक और एक स्थानीय पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे। जम्मू संभाग के पुंछ, राजौरी, रियासी, कठुआ, रामबन तथा डोडा जिले पिछले दो महीनों से आतंकी हमलों के कारण चर्चा में हैं। पिछले दो महीनों में जम्मू संभाग में करीब एक दर्जन आतंकवादी हमले हो चुके हैं। सुरक्षा बलों तथा खुफिया एजेंसियों के शीर्ष अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को बहुत गंभीरता से लिया है। खुफिया एजेंसियों ने दावा किया है कि विदेशी आतंकवादियों का एक कट्टर, भारी हथियारों से लैस तथा प्रशिक्षित समूह (जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी हैं), वर्तमान में जम्मू संभाग के घने जंगलों वाले इलाकों में सक्रिय आतंकवादी समूह के तौर पर हमलों को अंजाम दे रहा है। एजेंसी के मुताबिक ये हिट-एंड-रन ऑपरेशन को अंजाम देते हैं तथा फिर निकट के जंगलों में गायब हो जाते हैं।

सियासी अखाड़े में चाचा भतीजे के बीच चल रही जंग में भारी पड़ रहे चाचा

मुंबई (एजेंसी)। बीते कई महीनों चाचा शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के बीच सियासी जंग चल रही है। इस अखाड़े में फिलहाल चाचा शरद पवार अपने भतीजे अजीत पवार पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी को रायगढ़ की एक सीट पर ही जीत मिली थी। उस हार से संभलकर वह विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर ही रहे थे कि अब 4 बड़े नेताओं ने उनका साथ छोड़ दिया है। पिंपरी चिंचवाड़ के 4 शीर्ष नेताओं ने अजित पवार का साथ छोड़ा है और अब ये लोग उनके चाचा शरद पवार की पार्टी में जा सकते हैं। इस सप्ताह के अंत तक इन लोगों की एनसीपी शरद पवार में एंट्री हो सकती है। पिंपरी चिंचवाड़ यूनिट के अध्यक्ष अजित गवहाने ने अजित पवार को इस्तीफा भेजा है।

उनके अलावा स्टूडेंट विंग के मुखिया यश साने, पूर्व पार्षदों राहुल भोसले और पंकज भालेकर भी पाला बदल की तैयारी में हैं। ये इस्तीफे ऐसे समय में आए हैं, जब खबरें हैं कि अजित पवार खेमे के कई विधायक और नेता अब वापस शरद पवार के साथ जा सकते हैं। पिछले दिनों दिग्गज ओबीसी नेता छगन भुजबल ने शरद पवार से लंबी मुलाकात की थी। उन्होंने मुलाकात की वजह आरक्षण समेत कई मामलों पर चर्चा बताई थी, लेकिन कयास जारी हैं कि वह अजित पवार का साथ छोड़ सकते हैं। ऐसी स्थिति में अजित पवार की स्थिति एनडीए में भी कमजोर होगी और विधानसभा चुनाव में वह ज्यादा सीटों की मांग नहीं कर सकेंगे। शरद पवार और अजित पवार के बीच पार्टी पर दावे को लेकर भी लंबी जद्दोजहद चली थी। अंत में चुनाव आयोग ने अजित पवार खेमे को ही असली एनसीपी माना था। हालांकि चुनाव नतीजों ने अजित पवार को टेंशन दी है। अजित पवार एक तरफ विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहे हैं, वहीं नेताओं के साथ छोड़ने से उनकी मुश्किल बढ़ गई है। इससे उनकी तैयारियों को भी धक्का लगा है।

बता दें कि शरद पवार ने पिछले महीने ही कहा था कि जिन लोगों ने पार्टी को कमजोर किया है, उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा। हालांकि ऐसे लोगों को वापस लिया जा सकता है, जिन्होंने पार्टी की छवि को नुकसान नहीं पहुंचाया है। शरद पवार ने कहा था, जो लोग पार्टी को कमजोर करना चाहते हैं, उन्हें नहीं लिया जाएगा। लेकिन संगठन को मजबूत करने वाले ऐसे नेताओं को एंट्री दी जाएगी, जिन्होंने पार्टी की छवि को खराब नहीं किया है। बता दें कि अजित पवार ने बीते साल अपने चाचा से बगावत कर दी थी। वह एनसीपी के करीबी 40 विधायकों को लेकर सरकार का हिस्सा बन गए थे और अब डिप्टी सीएम हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**